हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची ● सोमवार ● 17.11.2025 ● वर्ष : 16 ● अंक : 112 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

मुख्यमंत्री ने फिरायालाल चौक से झारखंड स्थापना के 25वें गौरवशाली वर्ष पर भव्य "झारखंड जतरा" को किया

"झारखंड जतरा" राज्य की सामूहिक भावना, एकता और गौरवशाली विरासत का प्रतीक है : हेमन्त सोरेन

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की एवं विधायक कल्पना सोरेन ने बिरसा मुंडा स्मृति पार्क, जेल चौक में "झारखंड जतरा" का स्वागत कर किया समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड स्थापना के रजत जयंती उत्सव के अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन रविवार को रांची में आयोजित भव्य "झारखंड जतरा" कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने रांची के जैप-1 ग्राउंड, डोरंडा से फिरायालाल चौक होते हुए बिरसा मुंडा स्मृति पार्क, जेल चौक तक निकाली गई जतरा में पारंपरिक ढोल-नगाड़ा बजाकर स्थानीय लोक कलाकारों की हौसला अफजाई की और स्वयं भी जतरा में शामिल होते हुए अल्बर्ट एक्का चौक तक पदयात्रा की।

"झारखंड जतरा" झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, लोककला और जनएकता का जीवंत प्रतीक बनी। जतरा में राज्य की विभिन्न जनजातीय एवं स्थानीय समुदायों ने पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य, गीत, वाद्य और झांकियों के माध्यम से अपनी संस्कृति की रंगारंग झलक पेश की। विभिन्न जिलों से आई झांकियों में झारखंड की लोककला, त्यौहार, नायक-नायिकाओं के योगदान और वीर सपूतों के संघर्ष को रचनात्मक रूप से दशार्या गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई, जिससे वातावरण उल्लास, गर्व और भावना से सराबोर हो उठा।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों को 25वीं स्थापना वर्षगांठ की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि झारखंड सिर्फ भौगोलिक पहचान नहीं, बल्कि संघर्ष, अस्मिता और गौरव की भूमि है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार झारखंड की भाषाई, सांस्कृतिक और पारंपरिक पहचान को संरक्षित एवं सशक्त करने की दिशा में निरंतर कार्यरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि "झारखंड जतरा" राज्य की सामूहिक भावना, एकता और गौरवशाली विरासत का प्रतीक है, जो आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ने का माध्यम बनेगा।

रविवार की सुबह जतरा को स्थानीय जैप-1 ग्राउंड, डोरंडा में अनु. जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने नगाड़ा बजा कर एवं शामिल झांकियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था।

जतरा के समापन अवसर पर कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की एवं विधायक कल्पना सोरेन बिरसा मुंडा स्मृति पार्क, जेल चौक पहुंचीं और "झारखंड जतरा" का स्वागत करते हुए समापन किया। उन्होंने झारखंडी परंपरा के अनुरूप ढोल-नगाड़ा बजाया तथा पारंपरिक नृत्य में सहभागिता कर उत्सव के वातावरण को और उल्लासमय बनाया। कार्यक्रम में विभिन्न जनजातीय समुदायों के प्रतिनिधि, लोक कलाकार, विद्यार्थी, सांस्कृतिक दल, सामाजिक संस्थाएं और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। राज्य के विभिन्न विभागों एवं सांस्कृतिक समूहों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। झारखंड की 25वीं वर्षगांठ का यह "झारखंड जतरा" आयोजन राज्य की आत्मा, संस्कृति और जनगौरव को एक स्वर में प्रस्तुत करने वाला एक ऐतिहासिक क्षण साबित हुआ।

रांची : हेमन्त सोरेन एवं कल्पना सोरेन झारखंड स्थापना के 25वें गौरवशाली वर्षगांठ के अवसर पर मोरहाबादी मैदान, रांची में आयोजित "रजत पर्व उत्सव" के सांस्कृतिक कार्यक्रम में हुए सम्मिलित।

एक नजर

कोलकाता टेस्ट में भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका ने 30 रन से हराया

कोलकाता : कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में रविवार को दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय टीम को 30 रनों से हरा दिया है। मेहमान टीम ने दूसरी पारी में 153 रन पर सिमटकर भारत के सामने 124 रनों का लक्ष्य रखा था। भारतीय टीम ने पहली पारी में 189 रन, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 159 रन बनाए थे। भारतीय टीम की बल्लेबाजी दूसरी पारी में बेहद खराब रही और टीम रविवार को दूसरे ही सत्र में 93 रन पर ढेर हो गई। इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है।

छत्तीसगढ़ में सुकमा के तुमालपाड़ जंगल में डीआरजी की कार्रवाई, तीन माओवादी ढेर

एजेंसी

सुकमा : छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में माओवादियों के खिलाफ सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई हुई है। रविवार सुबह से शुरू हुई तुमालपाड़ मुठभेड़ में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की टीम ने तीन माओवादियों को मार गिराया।

मारे गए कैडरों में जनमिलिशिया कमांडर और स्नाइपर स्पेशलिस्ट माड़वी देवा भी शामिल है, जिस पर 5 लाख रुपए का इनाम था। दो महिला माओवादी, पोड़ियम गंगी और सोड़ी गंगी, भी मुठभेड़ में ढेर हुईं हैं। दोनों पर भी 5-5 लाख का इनाम घोषित था। मुठभेड़ स्थल से .303 राइफल, बीजीएल लॉन्चर, गोला-बारूद और अन्य हथियार बरामद किए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि अनेक निर्दोष नागरिकों की हत्या करने वाला माड़वी देवा अब खत्म हो चुका है। यह मुठभेड़ सुकमा के थाना भेज्जी और चिंतागुफा की सीमावर्ती इलाके के तुमालपाड़ जंगल एवं पहाड़ी क्षेत्र में हुई। विश्वसनीय सूचना पर डीआरजी टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। सुबह से रुक-रुक कर फायरिंग हुई, जिसमें माओवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया गया। डीआरजी जवानों ने तीन शव बरामद किए, जिनकी पहचान माड़वी देवा (कोंटा एरिया कमेटी सदस्य), पोड़ियम गंगी (सीएनएम कमांडर) और सोड़ी गंगी (किस्टाराम एरिया कमेटी सदस्य) के रूप में हुई। ये सभी माओवादी संगठन के कट्टर कैडर थे, जो आईईडी हमले, पुलिस पर गोलीबारी और ग्रामीणों की हत्या में शामिल रहे थे। पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुंदरराज पट्टलिंगम ने कहा कि माओवाद बस्तर में अपने अंतिम चरण में है। संगठन की पकड़ टूट चुकी है और हिंसा का रास्ता छोड़कर सरेंडर ही एकमात्र विकल्प बचा है। उन्होंने चेतावनी दी कि माओवादियों की दहशत और भ्रम की साजिश अब नहीं चलेगी।

धनबाद के निरसा में अवैध उत्खनन के दौरान चाल धंसने से चार लोगों के मौत की आशंका

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : धनबाद के निरसा स्थित ईसीएल मुगमा एरिया के बंद पड़े कापासारा आउटसोर्सिंग में रविवार सुबह अवैध उत्खनन के दौरान चाल धसने से चार लोगों की मौत हो गई। आशंका जताई जा रही है कि खदान के भीतर अभी भी कई लोग मलबे के नीचे दबे हुए हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि खदान के अंदर कई शव पड़े हो सकते हैं, लेकिन जिला प्रशासन, पुलिस और ईसीएल प्रबंधन की ओर से अब तक इस घटना पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

घटना निरसा स्थित ईसीएल मुगमा एरिया के बंद पड़े कापासारा आउटसोर्सिंग की है। जहां रविवार की सुबह हर दिन की तरह अवैध कोयला माइंस में उत्खनन कर रहे लोगों पर अचानक खदान के ऊपर का हिस्सा टूट कर गिर पड़ा, जिसमें दबने से चार लोगों की मरने की सूचना है, जबकि कई अन्य के दबे होने की बात कही जा रही है। फिलहाल घटना पर धनबाद पुलिस ने चुप्पी साध रखी है, घटना की पुष्टि न तो जिला प्रशासन कर रहा है और न ही धनबाद पुलिस। वहीं, घटना के बाद से ही कापासारा आउटसोर्सिंग में बिल्कुल सन्नाटा पसरा हुआ हैं। खदान के मुहाने के आस-पास मजदूरों के कपड़े और अन्य सामान बिखरे पड़े मिले हैं।

स्थानीय निवासी ज्योति कुमारी और अंजू चटर्जी ने बताया कि यह बंद पड़ी खदान अवैध खनन का केंद्र बन चुकी है, जहां प्रतिदिन सुबह 4 बजे से रात 9 बजे तक सैकड़ों लोग कोयले का अवैध उत्खनन करते हैं। उन्होंने कहा कि आज की दुर्घटना में चार लोगों के दबे होने की सूचना है। मृतकों के परिजन भी मौके पर पहुंचे, लेकिन कोयला माफियाओं ने उन्हें कहीं छिपा दिया है।

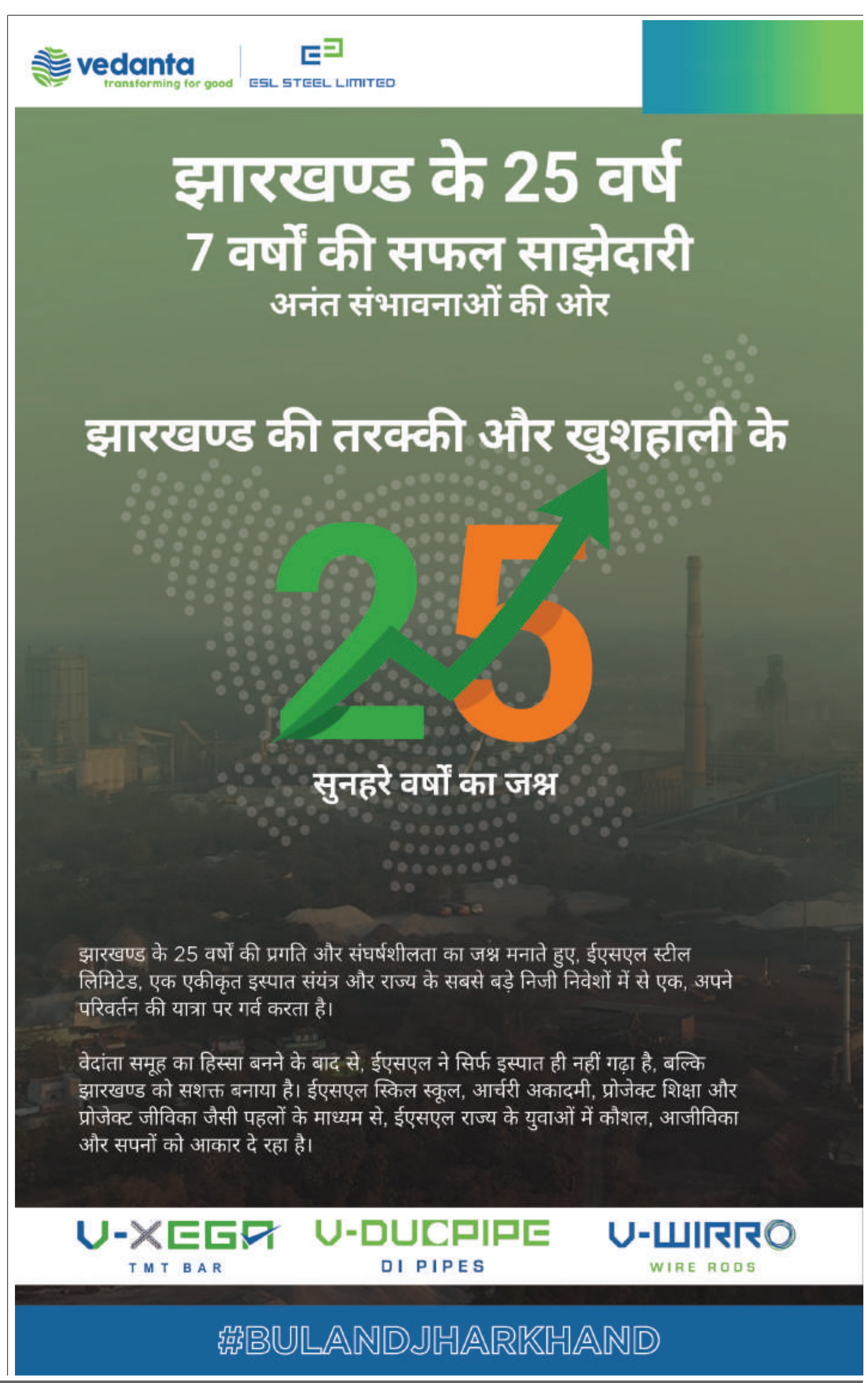

एक नजर

बिपिन सिमेंट सेंटर में कामधेनु स्टील को लेकर हुआ मिस्त्री मीटिंग

चलकुशा : प्रखंड के ग्राम पंचायत अलगडीहा के बिपिन सिमेंट सेंटर में कामधेनु स्टील को लेकर सुमित तिवारी के नेतृत्व में मिस्त्री मीटिंग कराईं गई। इस दौरान मार्केटिंग ऑफिसर ने कामधेनु स्टील की विशेषता बताते हुए कहा औरों से बेहतर पकड़ बनातीं है कामधेनु स्टील आज के समय में टॉप 10 में शामिल हैं। पुरे भारत में सबसे अधिक बिकने वाली स्टील बन चुका है। मौके पर विपिन मोदी, अमित कुमार वर्णवाल, अर्जून रजक, सहदेव रजक,मोहन साव, एवं दर्जनों मिस्त्री मीटिंग में शामिल थे।

झारखंड प्राइवेट स्कूल संगठनः मधुसूदन बने अध्यक्ष, अल्ताफ सचिव

हजारीबाग : झारखंड प्राइवेट स्कूल संगठन, हजारीबाग का चुनाव रविवार को इमली कोठी चौक स्थित जेडी पब्लिक स्कूल में शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। चुनाव में मधुसूदन मेहता को सर्वसम्मति से जिला अध्यक्ष चुना गया। वहीं अमीर अल्ताफ निर्विरोध जिला सचिव बने। संगठन के प्रदेश स्तरीय चुनाव में विनोद भगत को प्रदेश अध्यक्ष तथा परभू दयाल को संयुक्त रूप से प्रदेश सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। चुनाव के बाद नव-निर्वाचित पदाधिकारियों ने संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा कि संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी को वे पूर्ण निष्ठा और पारदर्शिता के साथ निभाएंगे। जिला अध्यक्ष मधुसूदन मेहता ने कहा कि प्राइवेट स्कूलों से जुड़ी समस्याओं और उन पर हो रहे अन्याय के खिलाफ संगठन मजबूती से आवाज उठाएगा। उन्होंने बताया कि जिले में कई स्कूल बिना यू-डाइस कोड के संचालित हो रहे हैं, जबकि कई पुराने स्कूलों को 2019 के बाद लागू हुए नियमों के कारण अनावश्यक परेशानी झेलनी पड़ रही है। जिला सचिव अमीर अल्ताफ ने कहा कि पूरे झारखंड में प्राइवेट स्कूल तीन श्रेणियों में आते हैं—पहला, बड़े ब्रांड वाले हाई-फीस स्कूल; दूसरा मान्यता प्राप्त विद्यालय; और तीसरा, यू-डाइस कोड वाले स्कूल जो कम फीस में भी सरकारी नियमों का पालन करते हैं। उन्होंने कहा कि विडंबना यह है कि बदनामी उन्हीं स्कूलों की हो रही है जो कम शुल्क लेकर भी सभी मानकों पर खरे उतर रहे हैं।

मोटरसाइकिल और ट्रक की टक्कर में दो युवक गंभीर रूप से घायल, रेफर

बरही : बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत बरसोत स्थित रविवार को मोटरसाइकिल और ट्रक की जोरदार टक्कर में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल बरही अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शत्रुघ्न रजवार (30 वर्ष), पिता तुलसी रजवार और आकाश सिंह (23 वर्ष), पिता प्रकाश सिंह एक ही मोटरसाइकिल से अपने घर से काम करने जा रहे थे। इसी दौरान बरसोत की ओर से आ रहे एक ट्रक की चपेट में आने से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

मानवाधिकार एसोसिएशन की बड़ी पहलः दुर्घटनाग्रस्त मरीजों को मिला राहत, फोर्ड हॉस्पिटल का बिल माफ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह, राष्ट्रीय महासचिव संजय सुमन जी एवं झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष सह दिल्ली प्रदेश प्रभारी सुमन कुमार सिंह रांची के रिम्स के नीरो डिपार्मेंट सी 1 ब्लॉक में चतरा जिला स्थित सिमरिया प्रखंड के बगरा गांव निवासी रोड दुर्घटना में घायल साजन भुइयां और सिकंदर भुइयां से मिलकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। जानकारी के मुताबिक दुर्घटना के बाद दोनों घायलों को उनके परिजन के द्वारा हजारीबाग के छड़वा डैम स्थित फोर्ड हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। अस्पताल के द्वारा अनाप सनाप बिल वसूला जा रहा था। जिसकी जानकारी मिलते ही राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष सुमन सिंह तत्काल प्रबंधन से बात करके 150000 रु का बिल माफ करवाया । साथ ही उचित इलाज हेतु रिम्स रांची रेफर करने का अनुरोध किया। दोनों घायलों को मानवाधिकार का टीम ने रिम्स रांची में एडमिट कराया। उन्होंने बताया कि गहरा चोट होने के कारण सिकंदर भुइयां का जबड़ा टूट गया है। जिसे सर्जरी की आवश्यकता है और डॉक्टर से शीघ्र इलाज करने का अनुरोध किया। वही दूसरी ओर साजन भुइयां का ब्रेन में तीन जगह चोट लगने से क्रैक कर गया है उसे लगभग दो सप्ताह तक गहन चिकित्सा की जरूरत है। जिसे नेशनल ह्यूमन राइट एसोसिएशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद सिंह जी राष्ट्रीय महासचिव संजय सुमन जी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष सह दिल्ली प्रदेश प्रभारी सुमन सिंह ने अपनी देखरेख में डॉक्टर से समुचित इलाज का निवेदन किया है। राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन की इस मानवीय पहल की सराहना हो रही है।

दिसुम गुरु शिबू सोरेन के नाम से मुफ्त मत्स्य बीज का वितरण होगा : देवानंद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरसोत मत्स्य सहयोग समिति की ओर से पृथ्वी सागर तालाब के पास स्थित देवानंद कुमार के हेचरी में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बरही प्रखंड एवं उसके आस पास के क्षेत्र के कई मत्स्य पालक शामिल हुए। इस प्रशिक्षण शिविर में बतौर प्रशिक्षक देवानंद कुमार ने मत्स्यपालको को मत्स्य पालन व्यवसाय की जानकारी देते हुए बताया कि यह व्यवसाय मत्स्य पालक अपने अपने क्षेत्र में कर सकते है। मत्स्य पालन के लिए जरूरी मत्स्य बीज उनके द्वारा दिसुम गुरु शिबू सोरेन जी याद में मुफ्त में उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही यह भी कहा कि दिसुम गुरु शिबू सोरेन जी सच्ची श्रद्धांजलि देने के लिए उनके द्वारा पूरे झारखंड प्रदेश में एक इंच के अंदर की मत्स्य बीज को मुफ्त में उपलब्ध कराया जाएगा। उनकी इच्छा है कि मत्स्य पालन के लिए मत्स्य मित्र मत्स्य पालक अपने अपने तालाब की सूची उन्हें उपलब्ध कराए। ताकि उन्हें मत्स्य पालन का कार्य शुरू कराया जा सके। मौके पर उनके द्वारा तालाब सर्वे की भी बात कही गई। उन्होंने मत्स्यपालन के लिए सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले अनुदान की भी जानकारी दी।

निष्पक्ष, सत्य परक एवं निर्भीक पत्रकारिता ही सच्चे पत्रकार की पहचान : भरत यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : एकल अभियान हजारीबाग अंचल एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस पर पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन स्थानीय स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय में किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आई एफ डब्लू जे के अनुमंडल अध्यक्ष कमल शंकर पंडित एवं संचालन अनुमंडल महासचिव प्रभाकर पाठक ने किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि एकल अभियान हजारीबाग अंचल अध्यक्ष भरत यादव, आई एफ डब्लू जे के प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्णा प्रजापति, जिलाध्यक्ष बिपिन बिहारी पांडेय मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस सम्मान समारोह में राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के प्रदेश संयोजक सह अंचल अध्यक्ष भरत यादव ने उपस्थित सभी पत्रकार बंधुओं अंगवस्त्र, डायरी कलम देकर सम्मानित किया। सम्मानित करते हुए उन्होंने कलम के सिपाहियों को सत्य, निष्पक्ष एवं निर्भीक होकर जनता की आवाज उठाने का आग्रह किया। कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। आप पर समाज की आशा भरी निगाहे टिकी रहती है। इसलिए हरेक पत्रकार को उन्हें कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ता रहना चाहिए। सम्मानित होने वाले पत्रकारों ने भरत यादव को धन्यवाद दिया और कहा कि पत्रकारिता दिवस को खास बनाने के लिए इन्हें साधुवाद। मौके पर बिपिन बिहारी पांडेय, कमल शंकर पंडित, प्रभाकर पाठक, सोनू पंडित, पंचम पांडेय, सोमनाथ ठाकुर, योगेंद्र प्रजापति, बिकास कुमार, रितेश गुप्ता, मो उस्मान, सुजीत प्रधान,पदमा से मिथुन मेहता, उज्वल पांडेय आदि पत्रकार शामिल थे।

विकास सेवा समिति ने मनाया 19वां स्थापना दिवस, उत्कृष्ट कार्य करने वाले सदस्य सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत कुशवाहा मोहल्ला स्थित टंडवा रोड में संचालित बचत एवं साख स्वावलंबी सहकारी समिति, विकास सेवा समिति लिमिटेड ने 19वीं स्थापना दिवस मनाया। इसकी अध्यक्षता विकास सेवा समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार व संचालन सचिव बुद्धि नाथ महतो ने किया। कार्यक्रम का उद्घाटन समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार, सचिव बुद्धि नाथ महतो , मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार , शशि मेहता ,प्रवीण कुमार, लालमणि महतो ,विष्णु रजक, व अन्य उपस्थित वरिष्ठ सदस्यों के हाथों संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। विकास सेवा समिति के सदस्य हुलास महतो के निधन पर सदस्यों ने 2 मिनट का मौन धारण कर उनकी आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की गई। तथा शोक व्यक्त किया गया। वही विगत 1 वर्ष में बेहतर करने वाले समिति के टॉप 20 से अधिक सदस्यों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से उमेश प्रसाद को सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार से नवाजा गया वहीं इनके अलावा बेहतर करने वालों में लखन महतो, दशरथ कुमार ,सिकंदर कुमार सोनी, सुरेंद्र कुमार ,कुलेश्वर कुमार, शंभू ठाकुर, विष्णु दयाल, विदेशी दांगी, ज्ञानी कुमार, शशि मेहता, जोगेंद्र कुमार, बालमुकुंद प्रसाद, परमेश्वर कुमार, शंभू प्रसाद, अभिनव कुमार के अलावा अन्य का नाम शामिल है। लोगों को संबोधित करते अशोक कुमार ने कहा कि ईमानदारी से काम करने वाला संस्थान हमेशा आगे बढ़ता है, उसी का परिणाम है कि विगत 19 वर्षों से विकास सेवा समिति ग्रामीणों के बीच में विश्वास के साथ बेहतर कार्य कर रही है। बुद्धिनाथ महतो ने कहा कि सदस्यों के प्रयास से ही समिति आगे बढ़ा है, हमें और बेहतर करते हुए अधिक से अधिक लोगों तक लाभ पहुंचाना है। प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार ने कहा कि शुरूआती दौर में मात्र 41 सदस्यों से समिति गठन किया गया था। आज 101 सदस्य है, अपना बेहतर योगदान देकर समिति को आगे ले जा रहे हैं वे बधाई के पात्र हैं।

सनराइज एकेडमी के बच्चों ने डायन बिसाही के खिलाफ चलाया जागरूकता अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन के आह्वान पर बरही के कई सरकारी एवं गैर सरकारी स्कूलों के बच्चों के द्वारा डायन बिसाही की प्रथा के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया। लेकिन जिस प्रकार करियातपुर में संचालित सनराइज एकेडमी के बच्चों ने एक खास यूनिफॉर्म तथा अनुशासन का परिचय दिया। उसकी सराहना खूब हुई। विद्यालय के निदेशक सुरेश प्रसाद के नेतृत्व में बच्चों ने मानव श्रृंखला बनाकर यह संदेश दिया कि डायन बिसाही कुप्रथा समाज के लिए अभिशाप है। बच्चों ने रैली के शक्ल में कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे और अभियान को सफल बनाने में महती योगदान दिए। कार्यक्रम में बेहतर सहभागिता को देखते हुए एसपी अंजनी अंजन ने विद्यालय के निदेशक सुरेश प्रसाद को पौधा देकर सम्मानित किया। साथ ही सराहना भी की। सुरेश प्रसाद ने कहा कि डायन कुप्रथा के कारण कई महिलाएं मॉब लॉचिंग की शिकार हो जाती है। आपसी संबंध खराब हो जाते है। इसलिए एसपी महोदय का यह पहल सार्थक है। इसलिए हमलोगों ने भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। मौके पर सनराइज एकेडमी के कई शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

तरंग ग्रुप ने 45 पत्रकारों को किया सम्मानित ईमानदार पत्रकारिता की सराहना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर रविवार को द जर्नलिस्ट एसोसिएशन हजारीबाग के कार्यालय में एक सादगीपूर्ण एवं गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन तरंग ग्रुप, हजारीबाग की ओर से किया गया, जिसमें शहर के विभिन्न प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संस्थानों से जुड़े लगभग 45 पत्रकारों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। वातावरण पूरी तरह सौहार्दपूर्ण और पत्रकारिता की गरिमा के अनुरूप रहा। पत्रकारिता के महत्व, उसकी चुनौतियों और समाज मे उसकी भूमिका को रेखांकित करना था। वक्ताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रेस की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि पत्रकार ही समाज को तथ्य आधारित सूचनाएं उपलब्ध कराते हैं और जनता को सही दिशा दिखाने का कार्य करते हैं। तरंग ग्रुप के निदेशक अमित कुमार गुप्ता ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय प्रेस दिवस पत्रकारों की निष्ठा और प्रतिबद्धता को याद करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि हजारीबाग के पत्रकार ईमानदारी, निष्पक्षता और स्वच्छ पत्रकारिता के लिए जाने जाते हैं। आज सभी पत्रकार साथियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित करते हुए हमें गर्व महसूस हो रहा है। सचमुच यहाँ के पत्रकार सराहनीय कार्य कर रहे हैं और समाज के लिए प्रेरणा बन रहे हैं, गुप्ता ने यह भी कहा कि समय के साथ पत्रकारिता की जिम्मेदारियां और भी बढ़ गई हैं, इसलिए आवश्यक है कि पत्रकार निष्पक्षता, संवेदनशीलता और सत्यनिष्ठा को बनाए रखते हुए समाज के हित में काम करते रहें। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित पत्रकारों ने तरंग ग्रुप के इस सम्मान समारोह के प्रति आभार व्यक्त किया और इसे पत्रकारों के मनोबल को बढ़ाने वाला कदम बताया। समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

संक्षिप्त खबरें

नशे के अवैध व्यापार पर पुलिस का प्रहार, अफीम की खेती करने वाला आरोपी गिरफ्तार

चौपारण : थाना क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। चौपारण थाना कांड संख्या-48/25, दिनांक 19 फरवरी 2025 के तहत दर्ज धारा 17(सी)/18(बी) एनडीपीएस एक्ट के गंभीर प्रावधानों के अंतर्गत नामजद अभियुक्त दर्शन गंझू, पिता बिपत गंझू, साकिन धोड़िया, को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त पर अफीम की अवैध खेती करने का पुख्ता आरोप है। मामले की प्राथमिकी दर्ज होने के बाद से पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही थी। गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम गांव पहुंची और छापेमारी कर आरोपी को धर दबोचा। थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने बताया कि अफीम की खेती कर आरोपी नशे की तस्करी से लाभ कमाने की कोशिश कर रहा था, जिससे क्षेत्र में नशे का जाल फैलने का खतरा बढ़ गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि चौपारण क्षेत्र में मादक पदार्थों की खेती, भंडारण और तस्करी करने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है। इसी क्रम में आगे भी ऐसे अवैध कार्यों में शामिल लोगों पर कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

जनजातीय गौरव दिवस पर दौरवा जतरा टांड़ में भव्य समारोह, कई आंदोलनकारी सम्मानित

बरही : शनिवार को बरही प्रखंड के खोडाआहर पंचायत के दौरवा जतरा टांड में झारखंड स्थापना सह जनजातिय गौरव दिवस पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप एसडीओ जोहन टुडू, एसडीपीओ अजीत कुमार विमल,बीडीओ जयपाल महतो, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी विनोद कुमार,बरही अंचल निरीक्षक चंद्रशेखर कुमार ज़िप उपाध्यक्ष किसुन यादव,जिपस प्रिति गुप्ता, प्रमुख मनोज रजक, उपप्रमुख देवलाल,विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर सहित बरही प्रखंड के कई झारखंड आंदोलनकारी शामिल हुए।कार्यक्रम की शुभारंभ भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया गया। आदिवासी रीति रिवाज के अनुसार उनके प्रतिमा पर पूजा अर्चना किया गया। उसके बाद सभी आंदोलनकारियों को अंग वस्त्र तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने अपना अपना विचार व्यक्त किए।इस अवसर पर एसडीओ जोहन टुडू ने बिरसा मुंडा के संघर्ष और सामाजिक चेतना पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की पहचान, संस्कृति और अधिकारों की रक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं।उन्होंने कहा कि जनजातीय संस्कृति एवं परंपरा देश की वास्तविक विरासत है। जिसे संरक्षित करना हम सबों की जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रशासन और समाज से जनजातीय संस्कृति के संरक्षण को गति देने की अपील किया। मौके पर सभी पंचायत प्रतिनिधि, समाजसेवी, प्रशासनिक कर्मी एवं सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित हुए।

झामुमो की हुई बैठक, क्रीड़ा एवं संगीत प्रभारी बने मोसाहेब अंसारी

बरही : झारखंड मुक्ति मोर्चा बरही प्रखंड इकाई की बैठक बरसोत में हुई। अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष देवानंद कुमार एवं संचालन जिला प्रभारी धीरज पांडे ने किया। बतौर मुख्य अतिथि जिला सचिव नीलकंठ महतो, जिला कार्यकारिणी समिति सदस्य पारस शरण देव, जिला कार्यकारिणी समिति सदस्य अख्तर अंसारी एवं पूर्व प्रखंड अध्यक्ष रंजीत पांडेय मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक में झामुमो संगठन की मजबूती एवं विस्तार पर जोर दिया गया। इसके साथ ही केंद्रीय कमेटी के निदेर्शानुसार प्रखंड स्तर से लेकर पंचायत स्तर तक क्रीड़ा एवं संगीत समिति बनाकर उसे बढ़ावा देने पर भी गहन चर्चा हुई। इसको कार्यरूप देने के लिए मोसाहेब अंसारी को क्रीड़ा एवं संगीत समिति का प्रखंड प्रभारी बनाया गया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला सचिव नीलकंठ महतो ने कहा कि झामुमो चाहती है कि पंचायत स्तर पर खेलकूद एवं संगीत में रुचि रखने वाले खिलाड़ी एवं संगीत प्रेमियों को बढ़ावा मिले। इसी निमित प्रत्येक पंचायत में क्रीड़ा एवं संगीत समिति का गठन किया जा रहा है। इसके माध्यम से ग्रामीण प्रतिभा को जिला से लेकर राज्य स्तर पर निखारा जाएगा। प्रखंड अध्यक्ष देवानंद कुमार एवं पारस शरण देव ने कहा कि पंचायत स्तर पर गठित क्रीड़ा एवं संगीत समिति की माध्यम से खेलकूद कार्यक्रम एवं संगीत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उससे प्रतिभा की खोज की जाएगी एवं उन्हें उचित मंच प्रदान किया जाएगा। मौके पर बैठक में प्रखंड उपाध्यक्ष बाबूलाल मुर्मू, संजय कुमार दास, गोपाल साव,वरिष्ठ नेता भास्कर पाठक, संजय रविदास, तुलसी रविदास, ब्रह्मदेव सिंह, अजय भगत, महेश यादव, टिंकू यादव, बीरेंद्र कुमार सिंह, तुलसी राम, सहित कई लोग मौजूद रहे।

150 किसानों को गेहूं सरसों, मसूर और सब्जी के उन्नत किस्म के बीज का किया गया वितरण

बरही : भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान गौरियां करमा द्वारा अनुसूचित जाति उप परियोजना की एससी के अंतर्गत रबी फसल वर्ष 2025 एससी जाति के लिए बरही प्रखंड के कुण्डवा ग्राम पंचायत खोण्डाआहार कला में 150 किसानों के बीच गेहूं, सरसों, मसूर और सब्जी के उन्नत किस्म के बीज मुफ्त में वितरण किया गया। जिसमें कुण्डवा पंचायत से जुड़े लगभग हर गांव से किसान एकत्रित हुए और उनको खेती के नए तकनीकी के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई जिसमे आईसीएआर गोरिया करमा के परिसर प्रभारी डॉ सानंत कुमार महानता वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ विशालनाथ तथा नोडल अधिकारी कृष्णा प्रकाश के नेतृत्व में तकनीकी अधिकारी अरुण कुमार रजक एवं आकाश कुमार दास के द्वारा प्रदान किया गया । जो भी बीज किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है ये सभी उन्नत किस्म के बीज हैं और उपज के बाद इसको अगले वर्ष के लिए भी बीज रख सकते हैं या तैयार कर सकते हैं ताकि किसानों को ज्यादा से ज्यादा उपज प्राप्त हो सके। वही किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती करने की जानकारी दिए गए।

एक नजर

निगम कर्मियों की मांगें पूरी नहीं हुई तो दिसंबर में मजदूर करेंगे हड़ताल : भवन

रांची : रांची नगर निगम सफाईकर्मियों की विभिन्न लंबित समस्याओं और विगत 24-25 सितम्बर की त्रिपक्षीय वार्ता में हुए समझौतों के क्रियान्वयन की समीक्षा को लेकर रविवार को धुर्वा स्थित सीटू कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर झारखंड नगर निकाय मजदूर यूनियन के अध्यक्ष भवन सिंह ने कहा कि नगर निगम प्रशासक अब सफाईकर्मियों की धैर्य की परीक्षा और न लें। यदि 27 नवम्बर तक सभी सहमत बिंदुओं पर ठोस कार्यवाही नहीं निकाला जाता है, तो यूनियन दिसंबर के पहले सप्ताह में रांची नगर निगम का घेराव प्रदर्शन करेगी। साथ ही, उसी दिन दिसंबर के दूसरे सप्ताह में हड़ताल का आह्वान किया जाएगा। जिसकी तैयारी यूनियन स्तर पर शुरू कर दी जाएगी। यूनियन नेताओं ने बताया कि विगत 24 सितम्बर की हुई वार्ता में जिन प्रमुख मांगों पर सहमति बनी थी उनमें आठ दिन का अवकाश एवं मातृत्व अवकाश का आदेश निकालने, काम से निकाले गए कर्मियों की बहाली पर बनी कमिटी का जल्द आदेश जारी करने, मृत कर्मियों के आश्रितों को नियुक्ति दिए जाने सहित अन्य मांग शामिल है। कर्मियों ने बताया कि दुखद बात यह है कि उपरोक्त निर्णयों के कई बिंदुओं पर नगर निगम प्रशासन ने अबतक ठोस कार्रवाई शुरू नहीं की है। मौके पर उपस्थित कर्मियों ने आक्रोशित भाव में दोबारा एक स्वर में प्रशासन की कर से समझौते का पालन नहीं होने पर व्यापक आंदोलन करने की बातों पर जोर दिया। बैठक में यूनियन के अध्यक्ष भवन सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष प्रतीक मिश्रा, महेंद्र कुमार, सुजीत लकड़ा सहित अन्य मजदूर मौजूद थे।

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में जेल अदालत का आयोजन तीन बंदी रिहा

रांची : रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में रविवार को जेल अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें 50 से अधिक कैदियों को विधिक सहायता क्लिनिक के महत्व और एलएडीसी, सामुदायिक पीएलवी तथा जेल पीएलवी की भूमिका और कार्यों के बारे में कानूनी जागरूकता प्रदान की गई। जेल अदालत के दौरान रेलवे मजिस्ट्रेट की ओर से 3 कैदियों को रिहा किया गया। प्रमुख और उप एलएडीसी ने वहां उपस्थित कैदियों की समस्याओं को सुना और जेल पीएलवी को निर्देश दिया कि जिन कैदियों के लिए अधिवक्ता नियुक्त नहीं किए गए हैं, उनके मामले में बंदी अवेदन के लिए आवेदन करें। जेल अदालत में रेलवे मजिस्ट्रेट विजय कुमार यादव, मुख्य एलएडीसी, उप एलएडीसी राजेश कुमार सिन्हा, सामुदायिक पीएलवी और जेल पीएलवी उपस्थित थे।

बाबूलाल ने एनआईए को लिखा पत्र, गैंगस्टर सुजीत सिन्हा गिरोह के खिलाफ जांच की मांग

रांची : झारखंड के नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड के पूर्व पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता और कुख्यात गैंगस्टर सुजीत सिन्हा गिरोह के बीच कथित सांठगांठ की एनआईए से उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने इस मामले को राष्ट्रीय सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी और संगठित अपराध से जुड़ा बताते हुए विस्तृत जांच का आग्रह किया है। मरांडी ने एनआईए महानिदेशक को भेजे पत्र में लिखा कि सुजीत सिन्हा गिरोह कोयलांचल शांति समिति नामक संगठन के नाम पर लंबे समय से हत्या, अवैध वसूली और हथियारों के अवैध कारोबार जैसे अपराधों में शामिल है। आरोप है कि यह गिरोह पंजाब के मोगा में ड्रोन से गिराए गए हथियारों की खरीद करता है।

शिक्षा का उद्देश्य संवेदनशील, सुसंस्कृत और जिम्मेदार नागरिक तैयार करना है : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार रविवार कसे जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली, रांची में आयोजित वार्षिक सांस्कृतिक समारोह "HARBINGERS–2025" में शामिल हुए। इस अवसर पर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए उन्होंने वर्ष 1966 में स्थापित इस प्रतिष्ठित विद्यालय की गौरवशाली परंपरा, अनुशासन और उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह विद्यालय न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है।

राज्यपाल ने विद्यालय के पूर्व छात्र एवं पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सादगी, अनुशासन और ख्याति इस संस्थान की मूल भावना का प्रतीक हैं।

अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम हैं।

आज प्रस्तुत गीत, नृत्य, नाटक एवं अन्य कलात्मक प्रस्तुतियों में विद्यार्थियों की प्रतिभा, मेहनत और नवाचार झलकता है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अंकों की प्राप्ति नहीं, बल्कि संवेदनशील, संस्कारित और उत्तरदायी नागरिक तैयार करना है। शिक्षा किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि नैतिक और चारित्रिक मूल्यों का निर्माण भी करती है। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों से कहा–

खुद पर भरोसा रखो, मेहनत करो और मुस्कुराते रहो।

राज्यपाल ने झारखंड की वीरभूमि और भगवान बिरसा मुंडा के संघर्षपूर्ण एवं प्रेरणादायी जीवन को स्मरण करते हुए विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे ईमानदारी, परिश्रम और सकारात्मकता को अपने जीवन में सर्वोपरि रखें तथा माता-पिता और शिक्षकों का सम्मान करें।

अंत में राज्यपाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु विद्यालय प्रशासन, शिक्षकों एवं अभिभावकों को बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली के विद्यार्थी अपनी प्रतिभा एवं अनुशासन से राज्य और देश का नाम आगे भी गौरवान्वित करते रहेंगे। राज्यपाल महोदय ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

यदि चाहें, तो मैं इसका संक्षिप्त संस्करण, सोशल मीडिया पोस्ट, या शीर्षक के और विकल्प भी तैयार कर सकता हूं।

विवाह के लग्न को लेकर रांची में 80 प्रतिशत बैंक्वेट हॉल बुक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : विवाह के लग्न को लेकर राजधानी रांची के 80 प्रतिशत बैंक्वेट हॉल बुक हो गए है। बैंक्वेट हॉल और होटलों की बुकिंग तेज हो गई है। लग्न के शुभ दिनों के लिए बैंक्वेट हॉल और ज्यादातर धर्मशालाएं बुक हो चुकी हैं। बैंक्वेट हॉल संचालकों का कहना है कि इस वर्ष नवंबर और दिसंबर में काफी कम लग्न दिवस है। इस कारण से बैंक्वेट हॉल पहले से ही बुक हो चुके हैं। चेंबर बैंक्वेट सब कमेटी चेयरमैन ने बताया कि शुभलग्न के दिवस में बुकिंग लेने के लिए होटलों, धर्मशालाओं और बैंक्वेट हॉल में काफी इन्क्वायरी आ रही है। नवंबर-दिसंबर के लग्न दिवस में रांची के 80 प्रतिशत से ज्यादा बैंक्वेट हॉल और धर्मशालाएं बुक हो चुके हैं।

विवाह नजदीक आते ही शहर के जेवर और कपड़ा दुकानों में खरीदारी शुरू हो गई। लोग अपने जरूरत के सामानों को देर तक खरीदने में लगे हैं। दुकानदारों का कहना है कि 2025 में लग्न दिवस कम हैं, फिर भी खरीदारी काफी बढ़ी हुई है।

आचार्य मनोज पांडेय ने रविवार को बताया कि इस वर्ष नवंबर और दिसंबर माह में सिर्फ 13 विवाह लग्न दिवस हैं। वहीं, अगले वर्ष के जुलाई तक 75 लग्न दिवस हैं। पंचांग के अनुसार 22. नवंबर, 23,24 व 29 नवंबर,4 और 5 दिसंबर, 5 फरवरी, 12 फरवरी, 9 मार्च, 10 मार्च व 14 मार्च विवाह के सबसे अच्छे मुहूर्त हैं। आचार्य मनोज पांडेय ने कहा कि शादी के शुभ योग के लिए बृहस्पति, शुक्र और सूर्य का शुभ होना जरूरी है। रवि गुरु का संयोग सिद्धिदायक और शुभफलदायी होते हैं। इन तिथियों पर शादी-विवाह को बेहद शुभ माना गया है।

एसबीयू में झारखंड स्थापना दिवस पर मना उत्सव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय रांची के फाइन आर्ट्स विभाग एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के संयुक्त तत्वावधान में 25वां झारखंड स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार, छात्र, संकाय सदस्य, प्रशासनिक अधिकारी और आमंत्रित अतिथि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय परिसर में शोभायात्रा से हुई, जिसमें विवि के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने झारखंड की जनजातीय पहचान को दशार्ते पारंपरिक वाद्ययंत्र, सांस्कृतिक प्रतीक और बैनर का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के आधिकारिक न्यूजलेटर Pulse@SBU का पुनः शुभारंभ महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक तथा कुलपति प्रो. सी. जगनाथन द्वारा किया गया। यह पुनर्प्रकाशन विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों और उपलब्धियों को सुदृढ़ रूप से प्रस्तुत करने का एक महत्वपूर्ण कदम है।

अपने विशेष संबोधन में प्रो. गोपाल पाठक ने झारखंड की सांस्कृतिक समृद्धि, प्राकृतिक संसाधनों और युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राज्य की प्रगति में शिक्षा-व्यवस्था का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने बिरसा मुंडा के जीवन, उनके संघर्ष और जनजातीय समाज में उनके अमर योगदान का उल्लेख करते हुए युवाओं को उनके बताए गए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के सांस्कृतिक सत्र में झारखंड की कला, लोक परंपरा और सांस्कृतिक भावनाओं का सुंदर समायोजन देखने को मिला। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बिरसा मुंडा पर आधारित प्रभावशाली नाटक रहा, जिसमें उनके साहस, बलिदान और ब्रिटिश शासन के विरुद्ध आदिवासी आंदोलन में उनके नेतृत्व को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया गया। समारोह का समापन पुरस्कार वितरण के साथ हुआ, जिसमें विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। विवि के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान और राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने झारखंड स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए इस कार्यक्रम के आयोजन पर हर्ष व्यक्त किया है।

झारखंड राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती पर बीडी पब्लिक स्कूल में रक्तदान शिविर आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती और झारखंड राज्य के 25वें रजत जयंती स्थापना दिवस के पावन अवसर पर बी.डी. पब्लिक स्कूल, फ्रेंड्स कॉलोनी, पंडरा, रांची में रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम लेक व्यू हॉस्पिटल ब्लड बैंक, बारियातू, रांची एवं अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, रांची जिला के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ।

शिविर में फ्रेंड्स कॉलोनी, पंडरा के लोगों के साथ-साथ बी.डी. पब्लिक स्कूल के शिक्षक एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने न सिर्फ रक्तदान किया, बल्कि रक्तदान के लाभ एवं समाज में फैली भ्रांतियों के बारे में जरूरी जानकारी भी प्राप्त की।

कार्यक्रम के दौरान अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के जिला अध्यक्ष आलोक कुमार पांडे एवं उपाध्यक्ष बृजमोहन ओझा के नेतृत्व में अक्टूबर 2025 में चाईबासा के एक ब्लड बैंक में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को एचआईवी पॉजिटिव रक्त चढ़ाने जैसे गंभीर मामले पर चर्चा हुई। इस संबंध में उपस्थित डॉक्टर डॉ. मुकेश कुमार और उनकी टीम के साथ ऐसी त्रुटियों को भविष्य में रोकने के उपायों पर विमर्श किया गया।

शिविर में कुल 21 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। रक्तदान करने वालों में कई दाताओं ने पहली बार रक्तदान किया और अपने सकारात्मक अनुभव भी साझा किए। जिला अध्यक्ष आलोक कुमार पांडे ने भी अपने जीवन का पहला रक्तदान कर लोगों को प्रेरित किया। वहीं उपाध्यक्ष बृजमोहन ओझा, जो अब तक 34 बार रक्तदान कर चुके हैं, ने प्रतिभागियों के भय को दूर कर उन्हें प्रोत्साहित किया।

आलोक कुमार पांडे, ब्रज बिहारी सिंह, विपिन बिहारी प्रजापति, विकास कुमार सिंह, मंटू कुमार, नवनीत कुमार पांडे, उत्तम कुमार, सहदेव नाथ, विकास पासवान, मनोज कुमार, स्वाती, कीर्ति लता सहित अन्य ने किया रक्तदान। ब्रज बिहारी सिंह ने अपने 55वें जन्मदिन पर पहली बार रक्तदान कर समाज को प्रेरक संदेश दिया और इस दिन को यादगार बनाया। सभी रक्त वीरों को सम्मानस्वरूप ब्लड डोनर कार्ड एवं मेडल प्रदान किए गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रांत सह सचिव आर. अजय की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संस्कृत पढ़ने वाले छात्रों को होनी चाहिए आत्म गौरव की अनुभूति : डॉ मिश्र

रांची : राजकीय संस्कृत महाविद्यालय के वरीय प्राध्यापक डॉ शैलेश कुमार मिश्र ने रविवार को कहा कि संस्कृत का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को आत्म गौरव की अनुभूति होनी चाहिए। डॉ मिश्र डीएसपीएमयू, रांची के संस्कृत विभाग में आयोजित नवागत छात्राभिनन्दन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विद्यार्थियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को शास्त्रों के स्वाध्याय में लगे रहना चाहिए। विद्यार्थी जीवन में अनुशासन के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए डॉ मिश्र ने कहा कि अनुशासित विद्यार्थी ही जीवन में सफलता को प्राप्त करते हैं।

झारखंड में कांग्रेस के प्रदेश और क्षेत्रीय प्रवक्ताओं की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड कांग्रेस ने प्रदेश और क्षेत्रीय स्तर पर नए प्रवक्ताओं की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह जानकारी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने रविवार को रांची स्थित प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दी।

उन्होंने बताया कि प्रवक्ताओं के चयन के लिए 'नेशनल मीडिया टैलेंट हंट प्रोग्राम पूरे देश में चलाया जा रहा है और झारखंड में इसकी शुरूआत आज से हो गई है। यह प्रक्रिया पूरा दिसंबर तक चलेगी। इस अवसर पर टैलेंट हंट से जुड़ा पोस्टर भी जारी किया गया।

झारखंड को 7 जोन में बांटा गया कांग्रेस ने नए प्रवक्ताओं की चयन प्रक्रिया के लिए पूरे झारखंड को 7 जोन में विभाजित किया है। पहला जोन में पलामू, दूसरा में कोल्हान, तीसरा में देवघर, चौथा जोन में दुमका और जामताड़ा, पांचवां में साहेबगंज, गोड्डा और पाकुड़, छठा में रामगढ़, चतरा, कोडरमा और हजारीबाग, जबकि आठवें जोन में बोकारो, धनबाद, गिरिडीह और दक्षिणी छोटानागपुर समेत अन्य जिले।

कौन कर पाएगा आवेदन?

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश ने बताया कि इस पूरी चयन प्रक्रिया में कांग्रेस के मूल्यों के प्रति निष्ठा, वैचारिक प्रतिबद्धता, राजनीतिक जागरूकता, तेज और स्पष्ट प्रतिक्रिया क्षमता, शुद्ध भाषा और बेहतर संचार कौशल, इतिहास का अच्छा ज्ञान, मीडिया में सहज उपस्थिति, तथ्यों के साथ जनता तक बात रखने की क्षमता रखने वालों का चुनाव क्षेत्रीय एवं राज्य स्तर पर किया जाएगा। संगठन सृजन के तहत चल रहे कार्यक्रम के अंतर्गत इस सांगठनिक प्रक्रिया को पूर्ण किया जाएगा।

प्रक्रिया होगी पूरी तरह पारदर्शी

कार्यक्रम के पूर्वी क्षेत्र (ओडिशा, बिहार, झारखंड, बंगाल) के प्रभारी और एआईसीसी प्रवक्ता अतुल लोधे पाटिल ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य ऐसी प्रतिभाओं की खोज करना है जो संविधान, प्रस्तावना, संस्कृति और राजनीति की समझ रखते हों। उन्होंने कहा कि संगठन में प्रतिभाशाली लोगों को जोड़ने के लिए यह एक स्वतंत्र मंच है,जहां प्रवेश के लिए किसी नेता की सिफारिश जरूरी नहीं है। प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए एनजीओ, सिविल सोसाइटी और मीडिया जगत के लोग भी इससे जुड़े रहेंगे।

संवाददाता सम्मेलन में मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, सतीश पौल मुंजनी, लालकिशोर नाथ शाहदेव, सोनाल शांति, कमल ठाकुर और गजेंद्र सिंह उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड के 12 जिलों में ठंड को लेकर येलो अलर्ट मैकलुस्कीगंज का पारा 6 डिग्री तक पहुंचा

रांची : राज्य के जिलों में सर्दी ने अचानक ठंड में को बढ़ा दिया है। रविवार को मैकलुस्कीगंज का पारा 6 डिग्री तक पहुंच गया, जिसे की इस ठंड का अब तक का सबसे कम तापमान के रूप में रिकॉर्ड किया गया है। वहीं कई जिलों के तापमान में 7 डिग्री तक की गिरावट देखी गई है। वहीं मौसम विभाग के द्वारा रांची सहित रामगढ़, बोकारो, गढ़वा, पलामू, चतरा, हजारीबाग, लातेहार लोहरदगा, गुमला, खूंटी और सिमडेगा में शीतलहर की चलने को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। इन क्षेत्रों में मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। रांची का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री तक दर्ज किया गया है। जो कि रविवार को घटकर 9 डिग्री होने की सम्भावना है। तेजी से गिरते तापमान को देखते हुए विशेषज्ञों ने बच्चों और बुजुर्गों से सावधानी बरतने की अपील की है। वहीं मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि अगले 24 घंटों में तापमान में बदलाव आने ठंड बढ़ने की सम्भावना है,। वहीं हवा में गति होने के कारण ठण्ड का अहसास ज्यादा हो सकता है।

लंबित छात्रवृत्ति के भुगतान पर जल्द निर्णय ले सरकार : अभिषेक शुक्ला

रांची : अबुआ अधिकार मंच के रांची विश्वविद्यालय संयोजक अभिषेक शुक्ला ने कहा की झारखंड में ओबीसी/ एसटी /एससी छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति में आ रही समस्या को कई बार ट्राईबल वेलफेयर कमिश्नर के समक्ष रखा गया, ट्राईबल वेलफेयर कमिश्नर का कहना है की ओबीसी छात्रवृत्ति भुगतान हेतु केंद्र के तरफ से 60 प्रतिशत एवं स्टेट की तरफ से 40 प्रतिशत भुगतान का नियम है परंतु पिछले तीन वर्षों से केंद्र सरकार द्वारा राज्य को ओबीसी छात्र-छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति का पैसा उपलब्ध नहीं कराया गया है इस वर्ष राज्य सरकार की तरफ से केंद्र से छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति भुगतान के लिए कुल 1100 करोड रुपए की राशि की मांग की गई थी। वही केंद्र सरकार ने 160 करोड रुपए भेजे हैं बाकी 960 करोड रुपए अभी भी लंबित है इसीलिए छात्रवृत्ति भुगतान में देरी हो रही है। अबुआ अधिकार मंच ने मांग की है केंद्र एवं राज्य सरकार आपस में समन्वय बनाकर छात्र-छात्राओं का छात्रवृत्ति राशि भुगतान कर राज्य के छात्र-छात्राओं का भविष्य को सुरक्षित करें जिससे कि वह अपने आगे की पढ़ाई सुचारू रूप से जारी रख सके।शुक्ला ने कहा के जल्द ही छात्रवृत्ति मामले पर छात्र हित में सकारात्मक पहल नहीं हुई तो अबुआ अधिकार मंच चरणवध आंदोलन की और अग्रसर होगा।

श्री राधा- कृष्ण प्रणामी मंदिर में महाप्रसाद का हुआ वितरण

रांची : श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग मे श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में 238वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। आज का श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा ट्रस्ट के सदस्यों के सौजन्य से आयोजित किया गया। श्री राधा कृष्ण जी का दिव्य अलौकिक श्रृंगार किया गया। तत्पश्चात मेवायुक्त केसरिया खीर महाप्रसाद का विधिवत भोग दोपहर 12 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे द्वारा लगाई गई, तथा मंदिर परिसर में उपस्थित 2 हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। तत्पश्चात भजन- संध्या के कार्यक्रम में ट्रस्ट के भजन गायकों ने मनमोहक सुमधुर भजनों श्रोताओं को खूब झुमाया। तथा श्री राधा कृष्ण के जयकारा से पूरा वातावरण कृष्णमय एवं भक्तिमय बन गया। तत्पश्चात सामूहिक रूप से महाआरती की गई। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि आज श्री राधा कृष्ण मंदिर में 3 हजार से अधिक श्रद्धालुओं में दर्शन किये। मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। इस अवसर पर-अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, शिव भगवान अग्रवाल,मधुसूदन जाजोदिया, पूरणमल सर्राफ,सुरेश अग्रवाल संजय सर्राफ, सहित बड़ी संख्या में महिलाएं-पुरुष उपस्थित थे।

गुरु नानक सेवक जत्था के सदस्यों ने जरूरतमंदों के बीच बांटा कंबल

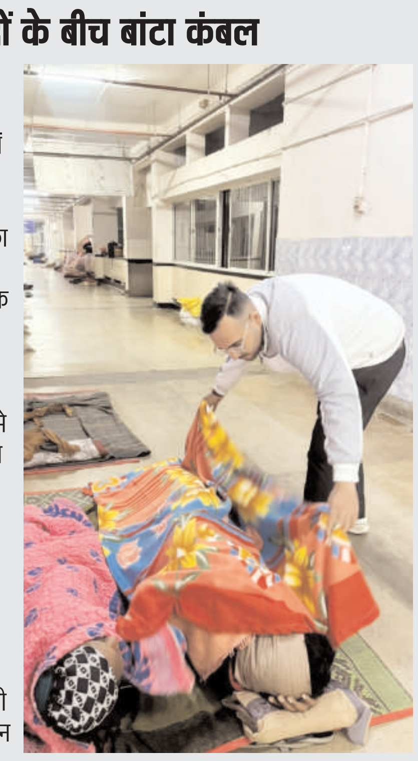

रांची : गुरु नानक सेवक जत्था के सदस्यों ने रविवार की रात जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया। गुरु नानक सेवक जत्था के सदस्य रात में कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा से चार पहिया वाहन में कंबल लेकर निकले और बरियातू स्थित रिम्स पहुंचे और वहां फर्श पर सो रहे मरीज के परिजनों को ओढ़ाया। साथ ही रांची रेलवे स्टेशन पर भी ठंड से ठिठुर रहे जरूरतमंद लोगों को कंबल प्रदान किया। यहां से जत्था के सदस्य महात्मा गांधी मार्ग पहुंचे और फर्श पर सो रहे जरूरतमंद लोगों को चिन्हित कर कंबल ओढ़ाया। समाज के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि गुरु नानक सेवक जत्था पिछले 15 वर्षों से यह कंबल सेवा का कार्यक्रम चलाता आ रहा है और यह सेवा का कार्यक्रम ठंड के खत्म होने तक चालू रहेगा। जत्था में सूरज झंडई, वंश डावरा, रॉनित मुंजाल, वरूण गेरा, अमन चावला, रूद्र गिरधर, ऋषभ शर्मा, यश घई सहित अन्य शामिल थे।

एक नजर

बोकारो चंद्रपुरा में हवा टंकी फटने से एक की मौत

बोकारो : झारखंड में बोकारो जिले के चंद्रपुरा थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड में अवस्थित पंचर बनाने वाले एक मैकेनिक की मौत आज हवा टंकी फटने से हो गई। पुलिस सूत्रों ने आज यहां बताया कि 45 वर्षीय अजमत उमर टायर का पंचर बनाता था और हवा भरने का काम करता था । हवा टंकी में हवा का प्रेशर अधिक होने के कारण हवा का टंकी फट गया, जिससे उसकी दर्दनाक मौत घटनास्थल पर ही हो गई । पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सोलागीडिह-नदुआस्थान सड़क पर अस्थायी बैरियर को लेकर विवाद

बोकारो : सोलागीडिह मुख्य सड़क से नदुआस्थान जाने वाले मार्ग पर लगाए गए अस्थायी बैरियर को लेकर ग्रामीणों और नदुआस्थान के मकान मालिकों के बीच विवाद गहराता जा रहा है। बैरियर लगाए जाने से दोनों पक्षों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है।नदुआस्थान के लोगों का कहना है कि इस बैरियर के कारण घर निर्माण से जुड़ी आवश्यक सामग्रियां जैसे ईंट, बालू, और सीमेंट घर तक पहुंचाना मुश्किल हो गया है। उनका कहना है कि बैरियर हटना जरूरी है ताकि निर्माण कार्य प्रभावित न हो।वहीं, सोलागीडिह बस्ती के निवासियों का तर्क है कि भारी वाहनों की आवाजाही से नई बनी सड़क को नुकसान पहुंच रहा है। उनका आग्रह है कि सड़क को सुरक्षित रखने के लिए बैरियर बनाए रखा जाए।सूत्रों के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच हुई बैठक में कोई सहमति नहीं बन पाई और वार्ता अगली तिथि तक टाल दी गई है। स्थानीय प्रशासन मामले पर नजर बनाए हुए है।

रमेश प्रसाद यादव मेमोरियल सीनियर क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ शुभारंभ

कोडरमा : कोडरमा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में खेले जा रहे हैं रमेश प्रसाद यादव मेमोरियल सीनियर क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन रविवार को चंदवारा स्थित पुलिस लाइन मैदान में किया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में स्वर्गीय रमेश प्रसाद यादव और केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी के पुत्र मयंक यादव ने अपने संबोधन में खिलाड़ियों को कहा कि कोडरमा जिले के क्रिकेट खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का यह टूर्नामेंट एक बेहतर मंच है। वर्तमान समय में युवा खेल से भी अपना कैरियर बना रहे हैं। अनुशासन, लगन और मेहनत से खेल कर युवा आगे बढ़ें और कोडरमा का नाम रौशन करें। हमारे परिवार का सहयोग हमेशा आप सबों के साथ है। केडीसीए के सचिव दिनेश सिंह ने कोडरमा की लोकप्रिय सांसद और केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी के प्रति आभार जताया कि जिला क्रिकेट एसोसिएशन के प्रति उनका स्नेह और मार्गदर्शन वर्षों से मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि यह टूनार्मेंट जेएससीए के नियमों के तहत लगभग एक महीने तक चलेगा , जिसमें शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र के सैकड़ों खिलाड़ी भी अपनी प्रतिभा साबित करेंगे। समारोह की अध्यक्षता जिला क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारी कृष्णा बरहपुरिया और संचालन मनोज सहाय पिंकू ने की। मौके पर अनिल सिंह, उमेश सिंह, आलोक पांडे, विनय कुमार वेलू, विजय कुमार राय, रवि यादव, टूर्नामेंट चेयरमैन सोनू खान, सुरेंद्र प्रसाद, विशाल प्रसाद, धर्मेंद्र कौशिक, तहसीन हुसैन, अजय राणा, पंकज सिंह संहिता ने मौजूद थे। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अप्रिशिएबल क्लब परसाबाद की टीम ने 23 ओवर में अपने सभी विकेट खोकर 96 रन बनाए, जिसमें पीयूष यादव ने 31 रन सौरव ने 21 रन और प्रहलाद ने 12 रन का योगदान दिया।

बिरहोर परिवारों को सरकारी योजनाओं से आच्छादित करना प्राथमिकता : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : उपायुक्त कोडरमा की पहल से वर्षों से सरकारी योजनाओं और मूलभूत सुविधाओं से वंचित बिरहोर समुदाय के उत्थान के लिए विकासात्मक कार्य युद्धस्तर पर किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस, भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती तथा झारखंड राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती के अवसर पर आदिम जनजाति बिरहोर परिवारों के बीच समारोह आयोजित किया गया, जिसमें अनेक प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया। बिरहोर टोला, तिलैया बस्ती (वार्ड-02), झुमरी तिलैया में उपायुक्त ऋतुराज द्वारा आधार कार्ड, बैंक खाता, जाति, आवासीय एवं आय प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों का वितरण किया गया। साथ ही बिरहोर टोला में बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर ह्यबिरसा हुनर केंद्रह्ल का शुभारंभ किया गया। इस केंद्र में बिरहोर समुदाय की महिलाओं को सिलाई का प्रशिक्षण देकर उन्हें सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। उपायुक्त ऋतुराज ने बताया कि बिरहोर परिवारों को सरकारी योजनाओं से आच्छादित करने हेतु सभी आवश्यक प्रमाण पत्र बनाए गए हैं, जिससे उन्हें सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। ह्यबिरसा हुनर केंद्रह्ल की स्थापना द्वारा महिलाओं को स्व-रोजगार से जोड़ना इसका प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि आवास लाभ देने हेतु सर्वे कार्य पूर्ण कर लिया गया है। साथ ही आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए हैं, ताकि समुदाय के लोग आसानी से स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठा सकें। क्षेत्र में सोलर लाइट लगाकर अंधेरे की समस्या का समाधान किया गया है तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), सड़क, नाली और चबूतरा निर्माण जैसे कार्य भी किए जा रहे हैं। झुमरी तिलैया नगर परिषद क्षेत्र स्थित बिरहोर टोला में कुल 34 जाति प्रमाण पत्र, 22 आय प्रमाण पत्र, 17 आवासीय प्रमाण पत्र, 70 जन्म प्रमाण पत्र और 21 मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार किए गए। 176 आदिम जनजाति सदस्यों के आयुष्मान कार्ड एवं 46 लोगों के बैंक खाते खोले गए। 151 लोगों का आधार कार्ड बनाया गया। स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए 53 छोटे डस्टबिन और 1 बड़ा डस्टबिन उपलब्ध कराया गया। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत लाभ दिलाने हेतु सर्वे कार्य पूरा कर लिया गया है। उपस्थित अतिथि वन प्रमंडल पदाधिकारी (वाइल्डलाइफ) हजारीबाग सूरज कुमार सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव, अपर समाहर्ता पूनम कुजूर, अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, नगर परिषद के पदाधिकारी, अखिल भारतीय सेवाओं के प्रशिक्षु अधिकारी एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

डीएवी में मनाई गई कर्मयोगी शिक्षाविद् महात्मा नारायण दास ग्रोवर की जयंती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा पी वी एस एस डीएवी पब्लिक स्कूल, झुमरी तिलैया, कोडरमा में कर्मयोगी शिक्षाविद् महात्मा नारायण दास ग्रोवर जी की जयंती उत्साहपूर्वक एवं श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य एवं सभी शिक्षकों द्वारा महात्मा ग्रोवर जी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात कक्षा आठवीं की छात्रा सभ्यता सिंह ने अपने प्रभावी अंग्रेजी भाषण के माध्यम से महात्मा ग्रोवर जी के कर्मशील एवं प्रेरक जीवन पर प्रकाश डाला। अपने सशक्त हिंदी भाषण में ईशु ने झोले वाले बाबा की सादगी, कर्मठता एवं सेवा-भाव को भावपूर्ण शब्दों में प्रस्तुत किया। मधुर कंठ से कुमुद सिंह ने महात्मा ग्रोवर जी के जीवन और' कार्यों को सरसता से संजोया। कक्षा छठी की छात्रा निशा गुप्ता ने महात्मा नारायण दास ग्रोवर की सादगी, सत्य एवं निष्ठा को कवितामय अभिव्यक्ति दी। उनके जीवन-चरित्र पर आधारित प्रश्नोत्तरी का सफल संचालन लक्ष्मी द्वारा किया गया। विद्यार्थियों ने लघु नाटिका के माध्यम से महात्मा ग्रोवर जी के कर्मयोग और मानव सेवा के विशेष जुड़ाव को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं मंच संचालन कक्षा आठवीं की छात्रा आराध्या सिंह ने कुशलता से किया। विद्यालय के प्राचार्य कृष्ण कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि महात्मा नारायण दास ग्रोवर जी अद्भुत, विलक्षण एवं प्रतिभासंपन्न व्यक्तित्व थे।

भगवान बिरसा मुंडा जयंती व झारखंड स्थापना दिवस पर बोकारो में धूमधाम से मना महोत्सव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती एवं झारखंड राज्य स्थापना दिवस की 25वीं (रजत) जयंती के शुभ अवसर पर रविवार को बोकारो कैंप-02 स्थित शिबू सोरेन स्मृति भवन (टाउन हॉल) के विशाल सभागार में भव्य महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बोकारो उपायुक्त अजय नाथ झा ने की।मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के मंत्री योगेन्द्र प्रसाद महतो मौजूद रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री एवं चंदनकियारी विधायक उमा कांत रजक, बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह, बोकारो पुलिस अधीक्षक सहित जिला से लेकर प्रखंड, अंचल व पंचायत स्तर के अधिकारी-कर्मचारी और हजारों ग्रामीण महिला-पुरुष उपस्थित थे।कार्यक्रम के दौरान झारखंड अलग राज्य आंदोलन से जुड़े चिन्हित आंदोलनकारियों को सम्मानित किया गया। मंत्री योगेन्द्र प्रसाद महतो, विधायक उमा कांत रजक, विधायक कुमार जयमंगल सिंह तथा उपायुक्त अजय नाथ झा ने संयुक्त रूप से आंदोलनकारियों को पहचान पत्र और भगवान बिरसा मुंडा व झारखंड सरकार का प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। सम्मान पाने वालों में राजदेव माहथा, खगेन्द्र नाथ वर्मा, भरत महतो, खिरोधर महतो, लुकमान अंसारी और ग्लोक महतो शामिल हैं। मंच पर झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा, बोकारो जिला अध्यक्ष राजदेव माहथा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त को संबोधित ज्ञापन सौंपा, जिसकी प्रतियां मंत्री और दोनों विधायकों को भी प्रदान की गईं।

हेमन्त सरकार में सभी लोगों के हितों का ख्याल रखा जा रहा है : मंटू यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखंड मुक्ति मोर्चा बोकारो महानगर समिति द्वारा आज माराफारी दुर्गा मंदिर प्रांगण में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक शाखा अध्यक्ष आलम अंसारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें माराफारी पंचायत युवा मोर्चा कमेटी का विधिवत गठन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने हेमन्त सोरेन सरकार के विकास कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड में विकास काफी रफ्तार से हो रहा है, जिसमें प्रदेश के सभी लोगों के हितों का ख्याल रखा जा रहा है। युवा और विकास पर जोर मंटू यादव ने आगे कहा, आज झारखंड प्रदेश युवा हो चुका है और प्रदेश की बागडोर भी युवाओं के हाथ में है।उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार ने दर्जनों योजनाएं चलाकर निचले तबके के लोगों को आर्थिक रूप से मदद करने का काम किया है। यादव ने इस बात पर जोर दिया कि हेमंत सरकार ने झारखंड के हर वर्ग के लोगों के लिए काम किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री की सोच को दूरदर्शी बताते हुए कहा कि यह प्रदेश को स्वावलंबी बनाती है और अन्य राज्यों से अलग पहचान दिलाती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के लगातार विकास कार्यों से यहाँ के युवा, किसान और महिलाएँ समेत आम जनता आर्थिक रूप से मजबूत हो रही है। नवनियुक्त कमेटी को बधाई बैठक के अंत में, नवनियुक्त माराफारी पंचायत युवा मोर्चा कमेटी के सदस्यों को बधाई दी गई और उनसे पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया गया। बैठक में मुख्य रूप से युवा मोर्चा अध्यक्ष रणधीर रजक, महेश मुंडा, दीपक कुमार, मस्तान अंसारी, संजय पांडे, सलीम अंसारी, फिरोज अंसारी, गोविंद मुर्मू, राजीव पांडे, पिंटू पांडे, रोहित यादव, निर्मल यादव, जय यादव, अभय यादव, कमल किशोर सिंह, प्रताप कुमार दास, चंदन कुमार, सागर कुमार, सुनीता देवी, राजन देवी इत्यादि।

एंटी करप्शन फाउंडेशन की प्रदेश बैठक में भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ वर्ल्ड झारखंड की प्रदेश स्तरीय बैठक आज बोकारो सेक्टर 2 ए स्थित आवासीय कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता झारखंड की डायरेक्टर संगीता तिवारी ने की।बैठक में संगठन के उन पदाधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया जिन्होंने संस्था का आई-कार्ड, पास या बोर्ड का दुरुपयोग कर प्रशासनिक नियमों का उल्लंघन किया है। तय किया गया कि ऐसे पदाधिकारियों की सूची तैयार कर संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपी जाएगी, ताकि आवश्यक कार्यवाही की जा सके।बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि संगठन भ्रष्टाचार उन्मूलन के साथ-साथ नशा मुक्ति, सड़क सुरक्षा, घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न, एवं बाजार में मिलावटी या एक्सपायरी सामान बेचने वालों के खिलाफ ठोस कदम उठाएगा।बैठक में प्रदेश अध्यक्ष पी. एन. तिवारी, उपाध्यक्ष जय शर्मा, सचिव कमलेश प्रसाद, डॉ. विकास मोदी, आभा सिंघा, कुमार राजा, सुरेश बोथरा, नवीन कुमार तिवारी, भोला प्रसाद नोनिया, गुड्डू चौहान, इस्लाम अंसारी, शंकर महतो और महेंद्र चौहान सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

फुटबॉल खेल के माध्यम से दिया गया जीवन कौशल का प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कसमार : टांगटोना पंचायत के नावाडीह गांव में सहयोगिनी संस्था द्वारा फुटबॉल खेल सह जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से किशोरियों और महिलाओं को खेल खेल के जरिये जागरूक करने, नेतृत्व क्षमता विकसित करने और उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही, बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के दुष्प्रभावों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को जेंडर समानता, बाल संरक्षण, किशोरियों के अधिकार, किशोरावस्था में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, तथा निर्णय लेने की क्षमता जैसे महत्वपूर्ण जीवन कौशलों की जानकारी दी गई। फुटबॉल खेल की विभिन्न गतिविधियों को लाइफ-स्किल ट्रेनिंग से जोड़कर किशोरियों में आत्मविश्वास, टीमवर्क और सकारात्मक सोच विकसित करने पर बल दिया गया। सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने बताया कि संस्था कसमार प्रखंड के दुगार्पुर, बगदा, खैराचातर , गरी, पोंडा, सोनपुरा और टांगटोना पंचायतों के 30 गांवों में किशोरी एवं युवा महिला समूहों का गठन कर उनके नेतृत्व विकास पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा सरकारी योजनाओं से जोड़कर इन समूहों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास जारी है। सुरक्षित और जागरूक वातावरण बच्चों के भविष्य की नींव है। समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने कहा कि टांगटोना पंचायत में किशोरी एवं युवा महिला समूहों के साथ मिलकर जीवन कौशल एवं नेतृत्व क्षमता विकास का निरंतर कार्य चल रहा है। प्रशिक्षक प्रेम कुमार महतो ने किशोरावस्था में सही मार्गदर्शन की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा- जीवन कौशल से किशोरियों में नेतृत्व और निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है, जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाती है। उन्होंने बाल विवाह के शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक दुष्प्रभावों पर भी विस्तार से चर्चा की। फुटबॉल प्रशिक्षक सिमती किस्कू ने बताया कि फुटबॉल खेल किशोरियों में ऊर्जा, टीम भावना और आत्मविश्वास बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा खेल के माध्यम से बच्चों को बाल अधिकार, जेंडर समानता और बाल संरक्षण की समझ देना अधिक प्रभावी होता है। इस कार्यक्रम में रेखा देवी, परी कुमारी, षष्ठी कुमारी, डोली कुमारी, मधु कुमारी, कशिश कुमारी, आरती कुमारी, सोनिया परवीन, साना परवीन, जुबेदा खातून, रोशनी खातून, शहनाज खातून सहित कई किशोरियाँ और महिलाएं आदि उपस्थित रहीं।

संक्षिप्त खबरें

संस्कार इंटरनेशनल स्कूल ने आदर्श प्लस टू उच्च विद्यालय मधवाटांड़ को तीन विकेट से हराया

कोडरमा : कोडरमा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में खेले जा रहे रोटरी कोडरमा इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट में सी एच हाई स्कूल मैदान में रविवार को संस्कार इंटरनेशनल स्कूल और आदर्श प्लस टू उच्च विद्यालय मधवाटांड़ के बीच मैच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए मधवाटांड़ की टीम ने 24.2 ओवर में अपने सभी विकेट खोकर 107 रन बनाए। जिसमें अभय ने 27 रन अनमोल ने 20 रन और अंकित ने 14 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी करते हुए संस्कार इंटरनेशनल स्कूल की ओर से आदर्श यादव ने तीन विकेट रमेश ने चार विकेट और आदर्श कुमार ने एक विकेट लिए। जवाबी पारी खेलने उतरी संस्कार इंटरनेशनल स्कूल की टीम ने 29.4 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर जीत दर्ज कर ली। जिसमें रतन ने 31 रन प्रीतम ने 15 रन और रमेश ने 12 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी करते हुए मधवाटांड़ स्कूल की ओर से रमन और रौशन ने दो-दो विकेट तथा आयुष ,अभय और शिवम ने एक-एक विकेट लिए। बेहतर खेल के लिए रमेश कुमार को मैन ऑफ द मैच दिया गया मैच में अंपायर रजनीश और अमित तथा स्कोरर सौर्य थे ।मौके पर अमरजीत सिंह छाबड़ा दिनेश सिंह विवेकानंद चौधरी विनोद विश्वकर्मा अनिल सिंह रोटरी के संतोष सिन्हा संदीप सिन्हा आशीष खेतान अभिराज गौतम सहित अन्य मौजूद थे।

भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर भाजपा कोडरमा द्वारा विभिन्न गांवों में कार्यक्रम आयोजित

कोडरमा : भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला कोडरमा के नेतृत्व में मार्कच्चो मंडल के बरियारडीह एवं आदिवासी ग्राम पिछरी एवं बिरहोर टोला में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। जयंती पर भाजपा कार्यकताओं ने स्थानीय ग्रामीणों से मुलाकात की, उन्हें महान क्रांतिकारी भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष और योगदान को याद दिलाया और झारखण्ड के 25 वॉ स्थापना दिवस पर मिठाई वितरण कर जयंती का उत्सव मनाया। कार्यक्रम में रैली निकाली और बिरसा मुंडा अमर रहे। झारखण्ड के निमार्ता अटल बिहारी बाजपेयी अमर रहें। झारखण्ड जिन्दाबाद के नारे लगाते रहे। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा सिर्फ एक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के गौरव और आत्मसम्मान के प्रतीक हैं। उनके संघर्षों से हमें समाज और राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। अंग्रेजों से देश कि आजादी की लड़ाई लड़ते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उन्होंने बताया कि पार्टी द्वारा जिले के विभिन्न मंडलों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी जयंती के अवसर पर जागरूकता एवं जनसंपर्क कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक उनके संदेश और आदर्श पहुंच सकें। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता बेदु साव,जिला उपाध्यक्ष राजेश सिंह,जयप्रकाश राम,जिला महामंत्री विजय यादव,किसान मोर्चा ज़िलाध्यक्ष प्रभाकर लाल रावत, आई टी सेल संयोजक प्रमांशू कुमार,मण्डल अध्यक्ष सुनील यादव, महामन्त्री पवन सिंह,रामचन्द्र राणा,अर्जुन यादव, नन्द किशोर भारती, आदिवासी समाज के सुरेश मुर्मू,सोना किसको, किशोर मांझी, कामेश्वर राय, मुकेश यादव आदि कार्यकर्ता शामिल रहे।

एनडीए की शानदार जीत पर बोकारो में जश्न, लोजपा कार्यकर्ताओं ने मनाई खुशी

बोकारो : बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की शानदार जीत और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद बोकारो में जश्न का माहौल रहा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की प्रचंड जीत की खुशी में रविवार को सेक्टर-9 स्थित आवासीय कार्यालय में उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर और मिठाई खिलाकर विजय का आनंद साझा किया। पूरे माहौल में जयकारों और खुशियों की गूंज सुनाई दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता बोकारो जिला महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष पूजा कुमारी ने की। उन्होंने कहा कि यह जीत विकास और जनसेवा की जीत है तथा कार्यकर्ताओं के समर्पण का परिणाम है।कार्यक्रम में रामवती देवी, मीना देवी, नीतू पांडे, उर्मिला देवी, नीतू सिंह, उषा देवी, पूजा सिंह, अनीता देवी, उषा पासवान, सुनीता कुमारी, नेहा कुमारी समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर बोकारो में पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर परिचर्चा

बोकारो : राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर रविवार को बोकारो में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रेस की विश्वसनीयता और सोशल मीडिया के दौर में फैलने वाली भ्रामक सूचनाओं पर आधारित परिचर्चा रही।कार्यक्रम का आयोजन नया मोड़ स्थित वेस्टर्न फॉर्म में किया गया, जिसकी शुरूआत द्वीप प्रज्वलन से हुई। जिला प्रशासन और स्थानीय पत्रकारों की उपस्थिति में आयोजित परिचर्चा में समाचारों की सत्यता की जांच पर विशेष बल दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि खबरों की आपाधापी में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए, बल्कि तथ्यों की पुष्टि के बाद ही खबर प्रकाशित या प्रसारित की जानी चाहिए।इस अवसर पर बोकारो उपायुक्त ने कहा कि आज सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में कई बार भ्रामक सूचनाएं तेजी से फैल जाती हैं। इसलिए हर पत्रकार का दायित्व है कि वह खबर की पूरी जांच और पुष्टि के बाद ही उसे सार्वजनिक करे। कार्यक्रम में जिले के पत्रकारों, मीडियाकर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया।

एक नजर

कांग्रेस ने विजय कुमार मंडल को बनाया सरिया नगर पंचायत अध्यक्ष

सरिया : कांग्रेस पार्टी ने सरिया के शिव मोहल्ला निवासी विजय कुमार मंडल पर भरोसा जताते हुए उन्हें सरिया नगर पंचायत का नगर अध्यक्ष मनोनीत किया है। विजय मंडल के अध्यक्ष बनने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर है, और बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। बधाई देने वालों में कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष नकुल सिंह, प्रदेश कमेटी (अल्पसंख्यक विभाग) के सदस्य विकास जैन, प्रखंड अध्यक्ष अभिनंदन प्रताप सिंह, सचिन जैन, महेंद्र प्रताप सिंह, रघुनंदन सिंह, सहदेव राम, गोपाल यादव, कमरुद्दीन अंसारी, चमरू मंडल, सत्यनारायण मंडल सहित तमाम कांग्रेसी शामिल रहे। सभी ने विजय मंडल को शुभकामनाएं दीं और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में सरिया नगर पंचायत में कांग्रेस पार्टी और मजबूत होगी। कार्यकर्ताओं ने उनके सफल कार्यकाल के लिए आशीर्वाद भी दिया।

रक्तदान शिविर में 20 यूनिट रक्त संग्रह

साहिबगंज : झारखंड राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने और भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर रविवार को उमा अमृता फाउंडेशन ने सदर अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 20 यूनिट रक्तदान करवाया गया। संस्था के संस्थापक प्रशांत शेखर ने सभी रक्त वीरों का आभार व्यक्त कर धन्यवाद दिया। रक्तदान शिविर में सिविल सर्जन रामदेव पासवान भी पहुंचे और लोगों को रक्तदान के लिए प्रोत्साहित किया। प्रशांत शेखर ने कहा कि संस्था के सदस्यों ने भगवान बिरसा मुंडा को याद कर उनके आदर्श पर चलने की कसम खाई। कहा हम युवा झारखंड को आगे ले जा सकते हैं, यह हमारा सामाजिक दायित्व है। मौके पर प्रवीण सक्सेना, लैब टेक्नीशियन चंदन चौधरी, शुभम गोस्वामी, संस्था के श्रीराम यादव, विकास कुमार, रोशन कुमार, पवन सिंह, अभिषेक कुमार, प्रदीप कुमार व अन्य मौजूद थे।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाई गई

बानो : शनिवार को वनवासी कल्याण आश्रम की शैक्षिक इकाई श्री हरि वनवासी विकास समिति झारखंड द्वारा संचालित सरस्वती शिशु–विद्या मंदिर केतुंगाधाम में भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती मनाई गई। भगवान बिरसा मुंडा के चित्र के समक्ष प्रधानाचार्य द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर एवं पुष्पार्पण करने के बाद सभी आचार्यों और किशोर भारती के भैया बहनों के द्वारा पुष्पार्पण किया गया। इसके बाद भगवान बिरसा मुंडा का जीवन चरित भैया आनंद सिंह, बहन संध्या, निवेदिता,कनक, आचार्य श्री बंधनु केरकेट्टा ने प्रस्तुत किया। बिरसा मुंडा से संबंधित गीत बहन रक्षिता कुमारी ने प्रस्तुत किया और समापन प्रधानाचार्य, सुकरा केरकेट्टा के द्वारा किया गया।

प्रेस लोकतंत्र की आत्मा है : अमृत चिराग तिर्की

सिमडेगा : राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर भारत आदिवासी पार्टी सिमडेगा के जिलाध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की ने जिले के सभी वरिष्ठ एवं युवा पत्रकारों को हृदय से बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। उन्होंने कहा कि प्रेस लोकतंत्र की आत्मा है, जो समाज को सत्य, संघर्ष और सजगता के मार्ग पर आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य करती है। अमृत चिराग तिर्की ने अपने संदेश में कहा कि सिमडेगा के पत्रकार विपरीत परिस्थितियों, संसाधनों की कमी और कई तरह की चुनौतियों के बीच भी जनता के वास्तविक मुद्दों को निर्भीकता से उठाते रहे हैं। यही साहस और ईमानदारी पत्रकारिता की असली पहचान है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की कलम समाज की मौन आवाज है, जो न केवल समस्याओं को उजागर करती है बल्कि समाधान की दिशा भी दिखाती है।

विधायक ने 10 करोड़ की योजनाओं का किया शिलान्यास
कहा- विकास की नींव रखी, मिलेगा रोजगार का अवसर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने रविवार को राजमहल नगर एवं प्रखंड क्षेत्र में लगभग 10 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किए। विधायक ने कहा कि राजमहल अवर निबंधन कार्यालय के नए भवन एवं मार्केट कंपलेक्स, सर्किट हाउस एवं दरला पंचायत में डहरू कुमार पुल का शिलान्यास किया गया। वहीं अनुमंडलीय अस्पताल परिसर स्थित बीपीएचयू सेंट्रल लैब व परिसर स्थित विधायक निधि से निर्मित पीसीसी सड़क का उद्घाटन किए हैं। विधायक ने कहा कि राजमहल के विकास की नींव रखी गई है इससे रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। अवर निबंधन कार्यालय का जहां नया भवन क्रेता विक्रेताओं के लिए सुविधाजनक होगा वहीं परिसर स्थित निर्मित मार्केट कंपलेक्स रोजगार के अवसर प्रदान करेंगे। मुख्य बाजार में स्थाई मार्केट लोगों को मिलेगा। अनुमंडल मुख्यालय में अब तक कोई सर्किट हाउस नहीं था अब सर्किट हाउस के बनने से क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों को भी काफी सुविधा मिलेगी। अनुमंडलीय अस्पताल परिसर में सेंट्रल लैब भवन का उद्घाटन किया गया है। जिसमें अधिकांश जांच की सुविधा उपलब्ध है ताकि लोग अपनी रक्त जांच करा सके। डहरु कुमार पुल निर्माण का शिलान्यास किया गया है ताकि क्षेत्र के लोगों को सुविधा हो क्योंकि बरसात के दिनों में पुल के ऊपर से पानी जाने के कारण आवागमन बाधित हो जाता था यह क्षेत्र के आवागमन के लिए मिल का पत्थर साबित होता है।

बिरसा मुंडा मेला में शामिल हुए विधायक विजेता व उपविजेता टीम को किया सम्मानित

साहिबगंज : उधवा प्रखंड के खरदांग मैदान में बिरसा मुंडा क्लब के माध्यम से आयोजित फुटबाल मैच के फाइनल एवं मेला में राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा शामिल हुए। आदिवासी पारंपरिक रीति रिवाज से उनका भव्य स्वागत किया गया। फुटबॉल टीम के खिलाड़ियों से उन्होंने परिचय प्राप्त किया और किक मारकर फाइनल मैच का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि फुटबॉल का खेल युवाओं को प्रतिभा निखारने का अवसर प्राप्त करती है उन्होंने कहा कि खेल के क्षेत्र में भी युवक अपना भविष्य तय कर सकते हैं इसलिए खेल को भी बेहतर तरीके से खेलें। मौके पर एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी, विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ उर्फ गुड्डू,पुलिस इंस्पेक्टर राजीव रंजन, बीडीओ जयंत कुमार तिवारी, थाना प्रभारी अमर मिंज, और अन्य लोग मौजूद थे।

मौके पर विशेष प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता रमाकांत, सहायक अभियंता प्रेम कुमार, अनुमंडली अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक डॉक्टर उदय टुडू, विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ उर्फ गुड्डू, जिला परिषद सदस्य अब्दुल बारीक शेख, घीसू शेख, मो आजाद, मो अफजल, दुर्गा मंडल, विकास यादव, मुर्शिद राजा, स्मित चौरसिया, विजय यादव, राजीव बर्मन, रमजान शेख, इब्राहिम शेख, नसीम शेख सहित अन्य मौजूद थे।

रेलवे टास्क टीम ने ट्रेन में पकड़ी अंग्रेजी शराब, तस्कर गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त धनबाद के निर्देशन में निरीक्षक प्रभारी विश्वनाथ कुमार के नेतृत्व में रेलवे टास्क टीम ने रविवार को गाड़ी संख्या 18626 अप हटिया-पूर्णिया कोर्ट एक्सप्रेस में बड़ी कार्रवाई की। हजारीबाग रोड स्टेशन से ट्रेन के खुलने के बाद कोच र-3 की सीट 56 पर एक संदिग्ध व्यक्ति को काले पिट्ठू बैग और लाल झोले के साथ देखा गया। जांच में बैग और झोले से अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पूछताछ में व्यक्ति ने शराब तस्करी की बात कबूल की और बताया कि शराब उसे चंद्रपुरा, बोकारो निवासी रमेश यादव ने मसौढी स्टेशन पर किसी अज्ञात व्यक्ति को देने के लिए दी थी, जिसके बदले उसे 2000 रुपये मिलने थे। शराब के संबंध में कोई वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर उसे चौबे स्टेशन पर उतारकर विधिवत जब्ती सूची बनाई गई और गिरफ्तार किया गया। बरामद शराब और तस्कर को रेसुब पोस्ट हजारीबाग रोड लाया गया, जहां उत्पाद विभाग गिरिडीह को अग्रिम कार्रवाई के लिए सौंप दिया गया। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक लखनदेव सिंह सहित बल सदस्य शामिल थे।

बेगमगंज मोड़ का भुतहा पुल, देर रात भारी वाहन गुजरने से धंसा, आवागमन ठप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला के उधवा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बेगमगंज मोड़ से चांदशहर गांव जाने वाली मुख्य सड़क पर स्थित भुतहा पुल के धंसने की घटना ने पूरे क्षेत्र को चिंता और असुविधा में डाल दिया है। बीते कुछ दिनों पहले देर रात भारी वाहन के गुजरने से यह पुल अचानक बीच से ध्वस्त हो गया और आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया हैं। यह पुल लंबे समय से जर्जर अवस्था में था और मरम्मती के अभाव में ग्रामीणों को हमेशा अनहोनी का भय सताता रहा। ग्रामीण जैनुल आब्दीन, बरकत शेख, पंचायत समिति अनवारूल शेख, निसार अहमद, मिक्की शेख, फारूक शेख, समरुल सहित अन्य ने बताया कि पुल की स्थिति पहले से ही खराब थी और प्रशासन को इसकी मरम्मत की आवश्यकता थी। सौभाग्य से इस घटना में किसी प्रकार की जान-माल की क्षति नहीं हुई, लेकिन पुल टूटने से लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी ठप हो गयी है। यह सड़क चांदशहर, कन्हाई डांगा, रामनगर, सिरासिन सहित कई गांवों को जोड़ती है। किसान खेती के लिए इसी मार्ग का उपयोग करते हैं, बच्चे विद्यालय जाने के लिए इसी रास्ते से गुजरते हैं और लोग मुख्यालय तक पहुंचने के लिए इसी सड़क पर निर्भर रहते हैं। पुल के टूटने से न केवल यातायात बाधित हुआ है बल्कि ग्रामीणों की आजीविका और बच्चों की शिक्षा भी प्रभावित हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से संवेदनशील अपील की है कि पुल की मरम्मती जल्द से जल्द की जाए ताकि आवागमन सुचारू रूप से बहाल हो सके। यह घटना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि आधारभूत संरचनाओं की समय पर देखभाल कितनी आवश्यक है। पुल का पुनर्निर्माण न केवल सुविधा बहाल करेगा बल्कि ग्रामीणों के मन से भय भी दूर करेगा और उनके जीवन को सुरक्षित बनाएगा।

रोशन पाथवे टू डिग्निटी फाउंडेशन की पहल: महिलाओं को मासिक स्वच्छता और अधिकारों की दी जानकारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रविवार को रोशन पाथवे टू डिग्निटी फाउंडेशन द्वारा महिलाओं एवं किशोरियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए महिला सशक्तीकरण सह स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत जरूरतमंद किशोरियों के बीच सेंटरी पैड का वितरण किया गया तथा उन्हें मासिक स्वच्छता के महत्व से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान फाउंडेशन की टीम ने महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता, स्वास्थ्य सावधानियों, सुरक्षित पैड उपयोग एवं निपटान की जानकारी देने के साथ-साथ महिलाओं के अधिकार, आत्मनिर्भरता एवं शिक्षा के महत्व पर भी जागरूक किया। टीम सदस्यों ने कहा कि स्वस्थ महिला ही सशक्त समाज की आधारशिला होती है, इसलिए स्वास्थ्य और सशक्तिकरण दोनों का संतुलन अत्यंत आवश्यक है। लाभार्थी महिलाओं ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम से उन्हें स्वच्छता के साथ-साथ अपने अधिकारों और आत्मविश्वास के बारे में भी सीखने का अवसर मिला। फाउंडेशन के सचिव डॉ अशोक कुमार ने बताया कि संस्था का उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल के माध्यम से मजबूत बनाना है। उन्होंने आगे भी ऐसे महिला सशक्तीकरण से जुड़े कार्यक्रम निरंतर चलाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ आशीष कुमार, नागेन्द्र महतो, विश्वजीत कुमार, राकेश कुमार, अनिल कुमार, नागेंद्र कुमार महतो, सोनम कुमारी, पुष्पा कुमारी ,आंचल थापा आदि उपस्थित रहे।

प्रदेश महासचिव ने मूलभूत समस्याओं के जल्द निराकरण का दिया भरोसा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में आज झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस के महासचिव तनवीर आलम जिला कांग्रेस कार्यालय, पाकुड़ पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों की बिजली, पानी, आपूर्ति, चापाकल, पीसीसी रोड, डीप बोरिंग सहित विभिन्न समस्याओं को एक-एक कर विस्तार से सुना और संबंधित विभागों से तत्काल समाधान कराने का आश्वासन दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने कांग्रेस कार्यकताओं के साथ बारी-बारी से भेंट-मुलाकात कर संगठनात्मक गतिविधियों, जनसमस्याओं एवं आगामी कार्यक्रमों पर गहन चर्चा की। हर कार्यकर्ता की बात ध्यानपूर्वक सुनते हुए समाधान के लिए उचित दिशा-निर्देश भी दिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुमार सरकार ने की। वहीं जिला अध्यक्ष ने बताया कि आज की बैठक में अब तक लंबित जनसमस्याओं की समीक्षा की गई तथा आगामी कार्ययोजना को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मौके पर प्रदेश सचिव सेमिनुल इस्लाम, प्रखंड अध्यक्ष मानसारुल हक, जिला प्रवक्ता मुख्तार हुसैन, जिला कोषाध्यक्ष असद हुसैन, प्रखंड उपाध्यक्ष मजीबुर रहमान, महिला जिला अध्यक्ष शहनाज बेगम, ओबीसी जिला अध्यक्ष आमिर हमजा, रामविलास महतो, मोनिता कुमारी,मंडल अध्यक्ष बुलबुल आलम, जमाल हाजी, गुलाम रसूल, असरफुल हक सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहें।

झारखंड राज्य प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ राज्य कमेटी की हुई अहम बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखण्ड राज्य प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ राज्य कमेटी की बैठक आज साहेबगंज जिला के रेलवे जनरल इंस्टिट्यूट में आयोजित की गई, बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अशोक कुमार साह ने की, संचालन तालझारी प्रखण्ड अध्यक्ष गमाल हेम्ब्रम ने की। बैठक में झारखण्ड राज्य प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ के प्रदेश महासचिव विकास कुमार चौधरी के इस्तीफा के बाद सहायक अध्यापक संगठन में जो हालात उत्पन्न हुए हैं उसपर गहनता पूर्वक विचार-विमर्श किया गया। वर्तमान सरकार के मुख्यमंत्री के द्वारा अपने घोषणा के मुताबिक, समझौता के अनुरूप अब तक वेतनमान नहीं दी गई है जिससे सहायक अध्यापकों में सरकार के खिलाफ काफी आक्रोश व्याप्त है। सरकार के मंत्री, विधायक, अधिकारी के द्वारा सहायक अध्यापकों के साथ भेद भाव किया जा रहा है, बैठक में उपस्थित सहायक अध्यापकों ने आज निर्णय लिया कि वेतनमान, विगत समझौता को लागू करने के लिए आगामी विधान सभा सत्र के दौरान झारखण्ड के तमाम सहायक अध्यापकों के द्वारा झारखंड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले विधानसभा के सत्र का घेराव किया जाएगा। प्रदेश कमेटी तमाम जिला कमेटी एवं साहिबगंज जिला कमेटी के द्वारा प्रदेश महासचिव पद पर विकास कुमार चौधरी को पुनः जिम्मेदारी दी गई। आज की बैठक में संघ के प्रदेश अध्यक्ष दिलशाद अंसारी, प्रधान सचिव सुमन कुमार, संरक्षक सुशील कुमार झा, प्रदेश संगठन मंत्री संजय कुमार पाठक, दुमका जिला अध्यक्ष मोतीलाल टुडू, प्रदेश उपाध्यक्ष युधिर मंडल, पाकुड़ जिला सचिव मानिक मंडल, गोड्डा जिला सचिव नसीम अंसारी, प्रदेश उपाध्यक्ष केताबुल शेख, महागामा प्रखंड अध्यक्ष महफूज आलम, मेहरमा प्रखंड अध्यक्ष तपेश्वर देव, प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र दुबे, सुरेंद्र भंडारी, साहिबगंज प्रखंड अध्यक्ष जितेंद्र हरि, प्रखंड सचिव मोहसिन अजमल, तालझारी प्रखंड अध्यक्ष गमाल हेंब्रम, जिला सचिव चंदन सिंह, मंडरो प्रखण्ड सचिव विरेंद्र ठाकुर, जिला कमेटी सदस्य अनिल यादव, हरि यादव, सुनील चौधरी समेत सैकड़ो सहायक अध्यापक/अध्यापिका मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

मुरी/सिल्ली : झारखंड स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर शनिवार के दिन पोस्ट ऑफिस टोला छोटा मुरी के आदिवासी युवा परिवार द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्यामलाल मुंडा ने भगवान बिरसा मुंडा के फोटो पर माल्यार्पण किया तथा वहां उपस्थित आदिवासियों को जंगल, जमीन एवं वन्य प्राणियों की सुरक्षा के बारे में विस्तार पूर्वक बताया साथ ही बिरसा मुंडा के संघर्ष को भी जीवंत किया। मौके पर माघाराम मुंडा, संतोष मुंडा, नितेंद्र मुंडा, अर्जुन मुंडा, ललिता मुंडा, रेशमी मुंडा, उर्मिला मुंडा, मजरी मुंडा, शीला मुंडा समेत आदिवासी युवा परिवार मुरी के सभी सदस्य गण उपस्थित रहे।

स्वेच्छा शुल्क विद्यालय IPTA का भव्य उद्घाटन सैकड़ों बच्चों को मिला सहभागिता प्रमाण पत्र

जमशेदपुर : रविवार को सेतु बिहार आईटीआई कैंपस में स्वेच्छा शुल्क विद्यालय IPTA का उद्घाटन एवं सहभागिता प्रमाण पत्र का वितरण मैं हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ परमानंद मोदी ने अपने संबोधन में बहुल आदिवासी समाज के बच्चे अब आगे ऊंची प्रतियोगिता के लिए वंचित न रहेंगे और बेरोजगार अपने आप को न समझेंगे। इसके साथ ही हमारे मुख्य अतिथि भीष्म सिंह एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में सौरभ चक्रवर्ती तथा सम्मानित अतिथि आशा गुप्ता जी के कर कमलों द्वारा कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें सैकड़ो की संख्या में बच्चों को सहभागिता प्रमाण पत्र एवं स्वेच्छा शुल्क विद्यालय IPTA के बारे में उसे जानकारी दी गई और बहुत जल्द बच्चों को ऊंची प्रतियोगिता एवं वह बेरोजगार ना रहे के लिए ऑनलाइन क्लासेस की सुविधा आने वाले बहुत जल्द इन लोगों को क्लास दी जाएगी। आज की उपस्थिति में मुख्य रूप से आ बी निराला संजीव श्रीवास्तव टाटा शंकर तिवारी कमलेश गिरी हरेंद्र महतो सुशांत सेतु बैदु महतो प्रसनजीत महतो आदि अभिभावक के रूप में शामिल थे।

पोइलौंग में दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

ईचागढ़ : शनिवार एवं रविवार को कुकडू प्रखंड क्षेत्र के पोइलौंग फुटबॉल मैदान में एनएससी सापारूम–पोइलौंग के तत्वाधान में दो दिवसीय 16 दलीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक साव उर्फ मांझी साव मौजूद रहे। इस दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का फाईनल मैच काशी स्पॉटिंग बनाम सूकलाल स्पोर्टिंग के बीच खेला गया। जिसमें काशी स्पॉटिंग पेनल्टी शूटआउट से विजय हुई। प्रतियोगिता में विजेता काशी स्पॉटिंग को नगद 30 हजार रुपये, उपविजेता सूकलाल स्पोर्टिंग को नगद 40 हजार रुपये, तृतीय पुरस्कार टाइगर स्पॉटिंग को 20 हजार रुपये एवं चतुर्थ पुरस्कार त्रिमूर्ति एफ सी कुकडू टीम को 20 हजार रुपये नगद राशि देकर पुरस्कृत किया गया। फाइनल खेल से पहले अतिथियों ने मैदान में जाकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। पूर्व झामुमो प्रखंड अध्यक्ष इंद्रजीत महतो, पूर्व मुखिया प्रतिनिधि तपन सिंह मुंडा, सोड़ो पंचायत के मुखिया नयन सिंह मुंडा, चौड़ा पंचायत के मुखिया रामलाल सिंह मुंडा, वार्ड सदस्य जितेंद्रनाथ महतो, राजकुमार महतो, खेल का संचालन नरोत्तम गोप एवं राजू गोप ने किया। इस दौरान काफी संख्या दर्शक मौजूद थे।

राष्ट्रीय चैंपियन बने सुमित कुमार, भुरकुंडा-सयाल कोलांचल का किया नाम रोशन

भुरकुंडा : सयाल कोलांचल एवं भुरकुंडा कोयलांचल क्षेत्र के निवासी तथा संतोष कुमार ठाकुर के पुत्र सुमित कुमार ने 35वीं नेशनल स्ट्रेंथलिफ्टिंग एवं इंक्लाइन बेंच प्रेस चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे भारत में प्रथम स्थान प्राप्त किया। गंगटोक (सिक्किम) स्थित पल्जोर स्टेडियम में आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सुमित कुमार ने इंक्लाइन बेंच प्रेस में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान और चैंपियनशिप शील्ड अपने नाम की, जिससे पूरे झारखंड का गौरव बढ़ा। पूरे राज्य से एकमात्र खिलाड़ी के रूप में यह उपलब्धि हासिल कर उन्होंने भुरकुंडा कोयलांचल सयाल क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय पटल पर रोशन किया। अपने क्षेत्र लौटने पर भुरकुंडा, भदानी नगर, बिरसा चौक, जनता टॉकीज सहित कई स्थानों पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। स्वागत करने वालों में प्रमुख रूप से मुखिया अजय पासवान, योगेश दांगी, सतीश मोहन मिश्रा, पप्पू सिंह, राजेश मंडल, पंकज पांडे, राजेश ठाकुर, काजू कुशवाहा, सुनील यादव और राजेंद्र रोशन शामिल रहे।

अंडर-16 जिला क्रिकेट लीग में मां गायत्री क्रिकेट बोरियो ने 11 रन से जीता मैच

साहिबगंज : जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो–कान्हू स्टेडियम में चल रहे अंडर–16 जिला क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के तहत रविवार को संत जेवियर स्कूल बी बनाम मां गायत्री क्रिकेट बोरियो के बीच मैच खेला गया। मां गायत्री क्रिकेट बोरियो ने 24.2 ओवर में 171 रन बना कर ऑल आउट हो गई। शुभम कुमार ने 49 व रवि ने 24 रन की पारी खेली। संत जेवियर स्कूल बी के गेंदबाज हर्ष कुमार ने 5 व अनुराग साहिल ने विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी संत जेवियर स्कूल की टीम ने 9 विकेट पर 160 रन बनाये। अमित राज ने 26, पीयूष दुबे ने 46, आर्यन ने 22 रन की पारी खेली। मां गायत्री क्रिकेट बोरियो के गेंदबाज चंद्रशेखर साह ने 3 व शुभम कुमार ने 3 विकेट लिए। मां गायत्री क्रिकेट बोरियो ने 11 रन से जीत दर्ज की। मां गायत्री क्रिकेट के खिलाड़ी शुभम कुमार को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि गोपाल प्रसाद सिंह ने शुभम को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया।

बिहार विस चुनाव नतीजे से निकले संदेश

कोई भी घटना अप्रत्याशित नहीं होती। सम्यक आकलन नहीं होता। हमारी नासमझी और व्यापक अनुभवों का उचित मूल्यांकन नहीं होता। हम अनुमान करते हैं। प्रमाणों की सहायता लेते हैं, लेकिन नियति प्रमाणों की परवाह नहीं करती। प्रमाणों के आकलन की छोटी-सी गलती परिणाम बदल देती है। कभी-कभी परिणाम बदलने की जिजीविषा पूरी शक्ति के साथ चुनौती देती है आकाश को, तब सितारों व ग्रह दशा भी बदल जाती है। बिहार चुनाव नतीजे ने सबको चौंकाया है। चुनाव में हार-जीत होती ही है। लेकिन बिहार की जनता ने कमाल किया है और भारतीय चुनाव के इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया है। संविधान निमार्ताओं की भी इच्छा थी कि भारत का लोकतंत्र फले-फूले और जनता अपने प्रतिनिधि चुनने के लिए स्वतंत्र हो। जनता अपने नेता चुनने के अलावा कोई हिंसक रास्ता न अपनाए। इसके लिए स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव आयोग बना। संविधान (अनुच्छेद 324) में मतदाता सूची बनाने से लेकर मतगणना तक की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग पर डाली गई। 1952 से लेकर विधानमण्डल व संसद के चुनाव कराए जा रहे हैं। निष्पक्ष चुनाव का प्रयास देश में पहले से चल रहा है लेकिन जाति, धनबल, बाहुबल के प्रभाव ने संविधान निमार्ताओं की अभिलाषा को पूरा नहीं होने दिया। इसका अर्थ यह नहीं है कि भारतीय राष्ट्र राज्य कमजोर है। भारतीय संविधान निमार्ताओं ने संविधान की प्रस्तावना में भारतीय जनता को "हम भारत के लोग" बनने और होने का आग्रह किया है। राजनीतिक जल्दबाजी में कभी-कभी भारत को हिंदू और मुसलमान का देश कहा जाता है। कोई सिख छोड़ देता है, कोई बुद्ध और महावीर। एक प्रधानमंत्री ने देश के संसाधनों पर मुसलमानों का पहला अधिकार बताया था, लेकिन संविधान निमार्ताओं ने "हम भारत के लोग" कह कर हम सबके सामने एक आदर्श रखा है। हम किसी भी वर्ग या संप्रदाय से सम्बंधित हो सकते हैं। लेकिन प्रथमतः और अंततः भारतीय हैं। संविधान निमार्ताओं ने नागरिकों को जाति, संप्रदाय, मत, पंथ मजहब के द्वारा अभिज्ञात नहीं किया है। दुनिया 21वीं सदी में अंतरिक्ष में घर बनाने के सपने देख रही है, लेकिन राजनीति जातियों की गिनती में व्यस्त है। प्रसन्नता की बात है कि जिस बिहार को बम, पिस्तौल और हिंसा के लिए बदनाम किया गया था, उसी बिहार की जनता ने पुनर्जागरण का स्वप्न देखा है। इस देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद बिहार के थे। उन्होंने देश को नई दिशा दी थी। सोमनाथ मंदिर का नवनिर्माण हुआ था। कार्यक्रम संयोजक राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद से मिले थे। उन्हें सोमनाथ मंदिर कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए निमंत्रित किया गया था। प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू नहीं चाहते थे कि भारतीय गणराज्य का राष्ट्रपति किसी धार्मिक आयोजन में हिस्सा ले, लेकिन राजेन्द्र प्रसाद वहां गए। प्रधानमंत्री की इच्छा न होने के बावजूद गए। बिहार चुनाव ने किसी भी विभाजक आवाज को अनसुना कर दिया। राजनेता और टिप्पणीकार चुनाव के पहले से ही जीत हार का खाका बना रहे थे। जातियों के प्रतिशत निकाले जा रहे थे। कहा जाता था कि सरकार बनाने के लिए यादव और मुसलमान मिलकर पर्याप्त हैं, इसलिए चुनाव प्रचार की बहुत आवश्यकता नहीं है। इसी तरह सभी छोटी बड़ी पार्टियों में जाति का गणित फिट करने की होड़ थी। नतीजा आ जाने पर भी यह विश्लेषण थमा नहीं। एक बड़े चैनल ने कहा कि महिलाओं ने भारी संख्या में वोट दिया। कहा जाता है कि ज्यादातर महिलाओं ने राजग को वोट किया। चुनाव का यह विश्लेषण अधूरा है। चुनाव के समय की राजनीति का समग्र विश्लेषण नहीं हुआ। साथ ही चुनाव के संदेश पर भी चर्चा नहीं हो रही। बिहार के चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हीरो थे। उन्होंने 14 सभाएं की। राजग की तरफ से गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आदि वक्ताओं को जनता ने सुना। नीतीश कुमार का अपना प्रभाव है। आज से नहीं है, पहले से है। वह अनुभवी राजनेता हैं। स्वाभाविक है उनकी लोकप्रियता का लाभ गठबंधन को मिला है। चुनाव नतीजे राजग के पक्ष में एक तरफा हो गए। दल और उसके समर्थक स्वाभाविक ही खुश हैं। ढोल बाजे बज रहे हैं। खास बात यह है कि चुनाव नतीजे से खास तरह की उम्मीदें हैं। विशेष प्रकार की प्रसन्नता है। इन नतीजों की उम्मीद नहीं थी। जन सुराज पार्टी के अभियान चलाए जा रहे थे, लेकिन उन्हें कोई सीट नहीं मिली। ऐसी उम्मीद उन्हें भी नहीं थी।

सूडोकु नवताल- 7616

✶✫✫✫✫ सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7615 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

कैसे योगी मॉडल से बिछ रहा है बीजेपी सरकारों का जाल

संजय सक्सेना

बात करीब 11 साल पुरानी है जब साल 2014 की लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय राजनीति में दस्तक दी थी, तब देश गुजरात मॉडल के नाम से गूंज रहा था। उद्योग, निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर और बिजली के मोर्चे पर गुजरात को एक आदर्श राज्य के रूप में पेश किया गया था। उस समय विकास ही सबका समाधान नारा था। लेकिन समय के साथ राजनीति की भाषा, जन-अपेक्षाएं और सत्ता की परिभाषाएं बदल गईं। 2025 के राजनीतिक परिदृश्य में अब भाजपा नरेन्द्र मोदी के गुजरात मॉडल से ज्यादा योगी आदित्यनाथ के यूपी मॉडल या योगी मॉडल को प्रचारित कर रहीं हैं। इसका कारण है जनता के बीच सुरक्षा, सख्ती और सीधी कार्रवाई की बढ़ती लोकप्रियता।

योगी आदित्यनाथ ने 2017 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने के बाद जो रास्ता चुना, उसने पारंपरिक प्रशासन की धारणा को ही पलट दिया। उन्होंने कानून-व्यवस्था को विकास की पहली शर्त घोषित किया। अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए बुलडोजर को प्रतीक के रूप में अपनाया गया। पिछले कुछ वर्षों में बुलडोजर बाबा की छवि ने न सिर्फ प्रदेश की राजनीति में बल्कि पूरे देश में पहचान बना ली है। अवैध निर्माण, माफियाओं की संपत्तियों के गिराए जाने और अपराधियों के खिलाफ पुलिस की त्वरित कार्रवाई,इन सभी ने योगी मॉडल को एक अलग पहचान दी। जहाँ गुजरात मॉडल विकास, निवेश और उद्योगों के प्रमोशन पर केंद्रित था, वहीं योगी मॉडल कानून, व्यवस्था और सख्ती का प्रतीक बन गया। जनता का बड़ा वर्ग अब विकास को सुरक्षा से जोड़ने लगा है। लोगों का मानना है कि जब तक कानून का राज नहीं होगा, तब तक निवेश और विकास भी टिक नहीं पाएंगे। यही सोच योगी मॉडल को सबसे अलग और जीवंत बनाती है। यह एक ऐसा मॉडल है जो गरीबों के उत्थान की बात भी करता है और अपराधियों को सजा देने में कोताही भी नहीं दिखाता।

बीजेपी ने इस मॉडल को अपने चुनाव प्रचार का अहम हिस्सा बना लिया है। उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा जैसे राज्यों में भाजपा नेताओं ने योगी आदित्यनाथ की छवि को चुनावी अभियान में वन मैन आर्मी जैसा इस्तेमाल किया। उनके भाषणों में बुलडोजर चलेगा और माफिया-मुक्त राज्य जैसे वाक्य आम हो चुके हैं। इस रणनीति ने भाजपा को कई राज्यों में सीधा लाभ दिया है क्योंकि लोगों के बीच योगी की छवि एक ऐसे प्रशासक की बनी है जो ना किसी से डरता है, न जाति या धर्म देखकर निर्णय लेता है। योगी मॉडल का प्रभाव केवल उत्तर भारत तक सीमित नहीं है। असम और मणिपुर जैसे पूर्वोत्तर राज्यों में भी सरकारी कार्रवाई के लिए योगी स्टाइल शब्द का प्रयोग होने लगा है। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे सरकार ने भी अपराध और अवैध निर्माण के खिलाफ बुलडोजर एक्शन कोउत्तर प्रदेश से प्रेरित बताया। दिल्ली से लेकर कर्नाटक तक भाजपा शासित राज्यों में अपराधियों पर बुलडोजर चलने लगे हैं। यह दिखाता है कि योगी आदित्यनाथ ने प्रशासनिक सख्ती को राष्ट्रीय राजनीतिक रणनीति का नया चेहरा बना दिया है।

इस मॉडल की एक और खास बात यह है कि यह जन-संवेदनाओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। देश के सामान्य नागरिक को लगता है कि अपराध, भ्रष्टाचार और माफियाओं के खिलाफ सख्त एक्शन ही असली न्याय है। योगी आदित्यनाथ इस भावना को भाँपने में कामयाब रहे हैं। जहां जनता विकास शब्द से अब अमूर्त परिणाम चाहने लगी थी, वहीं बुलडोजर मॉडल उसे तात्कालिक और दृश्य परिणाम देता है,जमीन पर गिरता मकान, धराशायी होती अवैध इमारतें, और अपराधियों की गिरफ्तारी। यह जनता को यह भरोसा दिलाता है कि शासन केवल फाइलों में नहीं, जमीन पर काम कर रहा है। आर्थिक मोर्चे पर भी योगी मॉडल ने अपनी पहचान बनाई है। उत्तर प्रदेश निवेश के मामले में अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट में अरबों का निवेश आकर्षित करना यह दिखाता है कि सख्त कानून-व्यवस्था वातावरण में भी उद्योग स्थापित हो सकते हैं। विदेशी निवेशक अब उत्तर प्रदेश को सुरक्षित निवेश स्थल मानने लगे हैं। प्रधानमंत्री मोदी खुद कई बार सार्वजनिक मंचों पर योगी सरकार की प्रशंसा कर चुके हैं कि उन्होंने प्रशासनिक सख्ती के साथ सुशासन की नई परिभाषा लिखी है।

राजनीतिक दृष्टि से योगी मॉडल ने भाजपा को विकास बनाम अपराध जैसी नई बाइनरी दी है। इससे पार्टी को विपक्ष के मुकाबले एक नैतिक बढ़त मिली। विपक्ष जब बेरोजगारी, महंगाई जैसी बात करता है तो भाजपा योगी मॉडल का उदाहरण देकर जवाब देती है कि अपराधमुक्त समाज ही हर विकास की नींव है। यही कारण है कि योगी आदित्यनाथ आज भाजपा के भीतर मोदी के बाद सबसे लोकप्रिय नेता माने जाते हैं। उनका चेहरा न केवल हिंदुत्व की राजनीति का प्रतिनिधि है, बल्कि परिणाम देने वाले प्रशासक की भी छवि बन चुका है।

दिलचस्प बात यह है कि योगी मॉडल की चर्चा केवल भारत की सीमाओं तक सीमित नहीं रही। नेपाल और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों में भी राजनीतिक विश्लेषक इस पर टिप्पणियाँ कर चुके हैं। नेपाल के कई प्रादेशिक नेताओं ने खुले मंच से कहा कि अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ योगी आदित्यनाथ जैसी सख्त शासनशैली की जरूरत उनके यहां भी है। बांग्लादेश की सोशल मीडिया पर भी बुलडोजर एक्शन चर्चित विषय बन चुका है। दक्षिण एशिया के कई देशों में लोगों के बीच यह धारणा बनने लगी है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में भी अगर सख्त नेतृत्व हो तो अपराध और अराजकता पर लगाम लगाई जा सकती है। बेशक कुछ आलोचकों का मानना है कि योगी मॉडल कानूनी प्रक्रिया के लिए चुनौती खड़ी करता है। वे कहते हैं कि बुलडोजर से न्याय नहीं, बल्कि ठोस कानून से बदलाव होना चाहिए। लेकिन समर्थकों की दलील है कि योगी सरकार ने आम नागरिक में कानून के प्रति विश्वास जगाने का काम किया है। अपराधियों में भय और जनता में भरोसा पैदा करना, प्रशासन की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। यही योगी मॉडल की सबसे मजबूत नींव है।

इस बीच भाजपा के अंदर भी यह बहस चल रही है कि आने वाले वक्त में योगी मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर कैसे उतारा जाए। केंद्र की नीतियों में योगी शैली की झलक पहले से दिख रही है,जैसे जनकल्याण के साथ सख्ती का मेल। मोदी-योगी संयोजन भाजपा के लिए एक नई राजनैतिक ऊर्जा का स्रोत बन चुका है। एक ओर मोदी अंतरराष्ट्रीय छवि संभालते हैं, तो दूसरी ओर योगी जमीनी शासन का प्रतीक बन गए हैं। आज जब भाजपा किसी नए राज्य में चुनावी अभियान शुरू करती है, तो योगी आदित्यनाथ के भाषणों की मांग सबसे ज्यादा होती है। वे नारे लगाते हैं जो माफिया चलेगा, वो बुलडोजर देखेगा और भीड़ में जोश भर जाता है। लोगों को योगी में वह नेता दिखाई देता है जो भयमुक्त समाज बनाने का दावा करता है। यही छवि अब भाजपा का नया चेहरा बन चुकी है। इस बदलते राजनीतिक परिदृश्य में स्पष्ट है कि योगी मॉडल अब केवल एक शासन पद्धति नहीं, बल्कि एक राजनीतिक विचारधारा बन चुका है,जिसने सुरक्षा और सुशासन को एक-दूसरे को पूरक बना दिया है।

मनोरंजन ऐप्स की अंधी दौड़ और बढ़ती अश्लीलता

डॉ सत्यवान सौरभ

डिजिटल प्लेटफॉर्म्स तेज मुनाफे की दौड़ में कला, संवेदनशीलता और समाजिक मूल्यों को पीछे छोड़ते हुए अश्लीलता को नया "मनोरंजन" बना रहे हैं – इसका दुष्प्रभाव विशेषकर युवाओं की मानसिकता पर गहरा और खतरनाक है। डिजिटल क्रांति ने जिस तेजी से दुनिया को बदला है, उतनी ही तीव्रता से उसने हमारे मनोरंजन के साधनों को भी प्रभावित किया है। मोबाइल फोन, इंटरनेट और सस्ते डेटा ने मनोरंजन को घरों से निकलकर सीधा हर व्यक्ति की जेब और हाथों तक पहुँचा दिया है। आज सैकड़ों एंटरटेनमेंट ऐप्स–वेब सीरीज, शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया स्ट्रीमिंग और लाइव शो–हर सेकंड दर्शकों का ध्यान खींचने की होड़ में हैं। यह सुविधा जितनी शानदार लगती है, उतनी ही गहरी चिंताओं को भी जन्म देती है। क्योंकि इसी आसानी ने मनोरंजन की परिभाषा को खतरनाक रूप से बदल दिया है। अब मनोरंजन का अर्थ कला, संस्कृति, कहानी या संवेदनशीलता नहीं रह गया है–बल्कि तेज व्यूज, वायरल कंटेंट और उत्तेजक दृश्यों की अंधी प्रतिस्पर्धा बन गया है।

आज स्थिति यह है कि अनेक ऐप्स जान-बूझकर अश्लीलता, फूहड़ हरकतों, भद्दे संवादों और उत्तेजक दृश्यों को परोस रहे हैं। यह सामग्री न तो किसी रचनात्मकता की मिसाल है और न ही इससे समाजिक चेतना का विस्तार होता है। इसके पीछे केवल एक लक्ष्य है–तेजी से अधिक दर्शक, और इन दर्शकों के माध्यम से विज्ञापन व सब्सक्रिप्शन से होने वाला मुनाफा। मनोरंजन उद्योग ऐसे मोड़ पर आ खड़ा हुआ है जहाँ कला और संस्कृति की प्रतिष्ठा आर्थिक लालच के सामने निरर्थक होती जा रही है। कभी भारतीय सिनेमा, थियेटर और साहित्य समाज के जीवन-मूल्यों को सहेजने का माध्यम माने जाते थे। कहानी, संवाद, अभिनय और कल्पना की शक्ति दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती थी। आज डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने इसका बिल्कुल उल्टा माहौल तैयार कर दिया है। वेब सीरीज और शॉर्ट वीडियो में आपत्तिजनक भाषा, निर्बाध अश्लीलता और अनावश्यक अंतरंग दृश्यों को ऐसे दिखाया जा रहा है जैसे यही "आधुनिकता" या "यथार्थवाद" हो। जबकि सच्चाई यह है कि यह यथार्थ नहीं, बल्कि एक जानबूझकर पैदा किया गया भ्रम है–जिसमें दर्शक को उत्तेजना व सनसनी के माध्यम से बांधकर रखा जाए। इस दौड़ की सबसे बड़ी कीमत युवा पीढ़ी चुका रही है। किशोरों के हाथ में मोबाइल है और मोबाइल के अंदर ऐसी दुनिया है जो बिना किसी रोक-टोक के उन्हें प्रभावित कर रही है। किशोरावस्था वह समय होता है जब व्यक्तित्व, सोच, नैतिकता और सामाजिक मूल्य बनते हैं। लेकिन इन ऐप्स पर उपलब्ध सामग्री उन्हें तेज-तर्रार, उथला और अक्सर भ्रमित कर देने वाला दृष्टिकोण देती है। संबंधों के प्रति गलत धारणाएँ बनती हैं, महिलाओं के प्रति सम्मान घटता है, और जीवन को केवल शारीरिक आकर्षण, भौतिकता और दिखावे के रूप में समझने की प्रवृत्ति बढ़ती है।

आज का युवा जिस प्रकार की सामग्री रोज देख रहा है, वह उसके व्यवहार, शब्दों, संवेदनाओं और जीवन के आकलन को धीरे-धीरे बदल रही है। जिस चीज को वह "मनोरंजन" या "ट्रेंड" समझ रहा है, वह वास्तव में उनके भीतर मूल्यहीनता और अवसाद पैदा कर रही है। कई मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि इस प्रकार का कंटेंट आँखों को आकर्षित भले करे, लेकिन दिमाग पर भारी बोझ डालता है। तेज-तेज दृश्यों, अश्लील संवादों, अनियंत्रित भावनाओं और आक्रामक प्रस्तुतियों से किसी भी किशोर का मानसिक संतुलन प्रभावित होना स्वाभाविक है।

लेकिन समस्या का एक और पहलू भी है–कंटेंट निमार्ता और ऐप कंपनियाँ ज़िम्मेदारी से बचने के लिए "यूजर चॉइस", "एडल्ट टैग" या "व्यूअर डिस्क्रेशन" जैसे शब्दों का सहारा लेती हैं। वे यह कहती हैं कि दर्शक स्वयं चयन करें कि वे क्या देखना चाहते हैं। यह तर्क पूरी तरह गलत नहीं, लेकिन अधूरा अवश्य है। क्योंकि जब कोई ऐप अपनी पूरी मार्केटिंग रणनीति ही उत्तेजक और भड़काऊ सामग्री पर आधारित रखता है, तब दर्शक का चुनाव स्वतंत्र कम और प्रभावित अधिक होता है। जिस सामग्री को लगातार प्रमोट किया जाएगा, वही अधिक देखी जाएगी।

नियामक तंत्र की स्थिति भी उतनी ही कमजोर है। भारत में फिल्मों के लिए सेंसर बोर्ड है, टीवी के लिए प्रसारण नियंत्रण है, लेकिन डिजिटल ऐप्स लगभग बिना किसी प्रभावी नियंत्रण के चल रहे हैं। दिशा-निर्देश तो बनाए गए हैं, पर उनका पालन न तो कठोर है और न ही नियमित। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को लगता है कि वे आम मीडिया कानूनों से ऊपर हैं। उनका तर्क है कि इंटरनेट एक "स्वतंत्र माध्यम" है। लेकिन क्या स्वतंत्रता का अर्थ यह है कि समाजिक संतुलन को बिगाड़ने वाली सामग्री को खुली छूट दे दी जाए? क्या संस्कृति, नैतिकता और संवेदनाओं को नजरअंदाज कर देना ही स्वतंत्रता है?

समस्या का एक सामाजिक आयाम भी है। परिवार अपने स्तर पर बच्चों को रोकने की कोशिश करते हैं, लेकिन डिजिटल दुनिया की जटिलता इतनी है कि पूरी तरह नियंत्रण लगभग असंभव है। विशेषकर मध्यम वर्गीय और ग्रामीण परिवारों में डिजिटल साक्षरता अभी विकसित नहीं हुई है। माता-पिता यह नहीं जानते कि कौन-सा कंटेंट बच्चों के लिए अच्छा है और कौन-सा हानिकारक। ऐप कंपनियाँ भी माता-पिता को मार्गदर्शन देने के बजाय उनका उपयोगकर्ता विस्तार करने में अधिक रुचि रखती हैं।

ऐसे समय में हमें यह समझना होगा कि समाधान केवल प्रतिबंधों में नहीं है। समाधान एक व्यापक सामाजिक जागरूकता, नैतिक उत्पादन नीति और कड़े नियमन के संतुलन में है। मनोरंजन कंपनियाँ स्वयं यह तय करें कि क्या दिखाना उचित है। वे कला और व्यावसायिकता के बीच संतुलन बनाएं। अश्लीलता के सहारे व्यूज पाने की आदत छोड़ें और रचनात्मक, भावनात्मक तथा सामाजिक रूप से उपयोगी सामग्री प्रस्तुत करें।

साथ ही, सरकार को डिजिटल प्लेटफामों पर वैसा ही नैतिक नियंत्रण लागू करना होगा जैसा टीवी या फिल्मों पर होता है। पारदर्शी नियम, कठोर दंड और स्पष्ट श्रेणीकरण इस दिशा में आवश्यक कदम हो सकते हैं। समाज का कर्तव्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अभिभावकों को डिजिटल साक्षरता दी जानी चाहिए। युवाओं को यह समझाया जाना चाहिए कि मनोरंजन और उत्तेजना में बहुत अंतर होता है। फूहड़ता से मिली त्वरित प्रसन्नता जीवन के गहरे अनुभवों और रचनात्मक आनंद का विकल्प नहीं हो सकती।

मनोरंजन का उद्देश्य केवल चौंकाना या उत्तेजित करना नहीं है; उसका उद्देश्य मन को संवेदनशील बनाना, सोच को गहराई देना और समाज को बेहतर दिशा देना है। लेकिन जब ऐप्स की दुनिया कला को छोड़कर अश्लीलता की ओर भागने लगे, तब संस्कृति और सभ्यता दोनों संकट में पड़ती हैं। हमारे सामने आज यही प्रश्न है–क्या हम ऐसी डिजिटल दुनिया चाहते हैं जहाँ मनोरंजन का आधार रचनात्मकता, सांस्कृतिक मूल्य और सामाजिक ज़िम्मेदारी हो? या हम ऐसे युग में प्रवेश करने जा रहे हैं जहाँ उत्तेजना ही कला बन

लोकतंत्र में मतदाता सूची की शुचिता का प्रश्न और एसआईआर की अनिवार्यता

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत में चुनाव केवल राजनीतिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र का सबसे जीवंत उत्सव है। मतदान जनता को अपनी आवाज सुनाने और नीतिगत दिशा तय करने का अवसर प्रदान करता है। इस दौरान प्रशासन निष्पक्षता, सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक व्यवस्थाएँ करता है–मतदान केंद्रों की तैयारी से लेकर जागरूकता अभियानों तक। चुनाव आयोग द्वारा की गई व्यवस्थाएँ नागरिकों के भरोसे को मजबूत करती हैं। वोट देना केवल अधिकार नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी भी है, जो राष्ट्र के भविष्य को दिशा देती है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहाँ शासन की असली शक्ति जनता के हाथों में निहित मानी जाती है। यहाँ सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है और संविधान की स्पष्ट व्यवस्था के अनुसार यह प्रक्रिया चुनाव आयोग की निष्पक्ष संरचना और उसकी कार्यशैली द्वारा संचालित होती है। मतदाता सूची इस पूरी प्रक्रिया की आधारशिला है–क्योंकि उसी के माध्यम से नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। इसलिए मतदाता सूची की विश्वसनीयता और शुचिता लोकतंत्र की स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यही संदर्भ विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया–स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को अत्यधिक महत्वपूर्ण बनाता है।

मतदाता सूची में त्रुटियाँ कई रूपों में सामने आती हैं–मृत व्यक्तियों के नाम, एक व्यक्ति का दो स्थानों पर नाम, पात्र मतदाताओं के नाम का गायब होना, या पते के परिवर्तन के बावजूद संशोधन न होना। ऐसी स्थिति चुनावों की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 चुनाव आयोग को व्यापक अधिकार देता है, जिसमें चुनाव संचालन, नियंत्रण, निर्देशन और पर्यवेक्षण शामिल हैं। अतः एसआईआर केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संवैधानिक रूप से स्थापित लोकतांत्रिक दायित्व है। 1950 में संविधान लागू होने के बाद से ही चुनाव आयोग नियमित रूप से मतदाता सूची में संशोधन करता रहा है। कुछ राज्यों में एसआईआर के दौरान बड़ी मात्रा में मृतकों के नाम हटाए गए, गलत प्रविष्टियाँ सुधारी गईं, और स्थानांतरित या नए पात्र मतदाताओं को सूची में जोड़ा गया। बिहार और बंगाल में हुए पुनरीक्षणों के उदाहरण बताते हैं कि लंबे समय से निष्क्रिय पड़े नामों को हटाने से मतदाता सूची अधिक वास्तविक और पारदर्शी बन सकी। बंगाल में 7.6 करोड़ मतदाताओं की सूची में से लगभग 47 लाख नाम हटाए गए, जिससे पता चलता है कि अगर नियमित संशोधन न हो तो सूची कितनी विकृत हो सकती है।

मतदाता सूची में त्रुटियाँ केवल तकनीकी समस्या नहीं–वे चुनावी निष्पक्षता, प्रतिनिधित्व के अधिकार और जनविश्वास पर सीधा आघात करती हैं। यदि किसी नागरिक का नाम सूची से गायब है, तो वह अपने मौलिक लोकतांत्रिक अधिकार–मताधिकार–से वंचित हो जाता है। दूसरी ओर, मृतकों या स्थानांतरित लोगों के नाम बने रहने से फर्जी मतदान या राजनीतिक दुरुपयोग की आशंका बढ़ती है। इन विसंगतियों से लोकतंत्र की वैधता कमजोर होती है।

कुछ लोग एसआईआर को राजनीतिक हस्तक्षेप या सरकार द्वारा मतदाता सूचियों में हस्तक्षेप के रूप में देखने लगते हैं, जबकि यह शंका तथ्यहीन है। मतदाता सूची का शुद्धिकरण किसी दल की जीत या हार के लिए नहीं, बल्कि निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए आवश्यक है। चुनाव आयोग पूर्णतः स्वायत्त संस्था है और उसके निर्णय न्यायालयों द्वारा भी संरक्षित माने जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कई फैसलों में स्पष्ट कहा है कि निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की आधारशिला है और इसके लिए मतदाता सूची की शुचिता सुनिश्चित करना अनिवार्य है।

एसआईआर के दौरान नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। यदि लोग स्वयं अपनी प्रविष्टियों की जाँच न करें, त्रुटियाँ सम्बंधित बूथ लेवल अधिकारियों को न बताएं, और दस्तावेज उपलब्ध न कराएं तो प्रक्रिया धीमी हो जाती है। आज भी बड़ी संख्या में ऐसे नागरिक हैं जिनके नाम गलत होने पर वे स्वयं सुधार के लिए आगे नहीं आते। यह उदासीनता लोकतंत्र को कमजोर करती है। इसलिए चुनाव आयोग ने डिजिटल साधनों–जैसे वोटर हेल्पलाइन ऐप, ऑनलाइन फॉर्म, पोर्टल–का उपयोग बढ़ाया है ताकि लोग आसानी से संशोधन कर सकें।

एसआईआर के विरोध करने वालों को यह समझना चाहिए कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची में विसंगतियों को दूर करने, फर्जी मतदान रोकने और सही मतदाता आधार सुरक्षित करने के लिए है। जिन राज्यों में यह प्रक्रिया रोकी गई या राजनीतिक विवाद के कारण ठप हो गई, वहां मतदाता सूची में भारी त्रुटियाँ पाई गईं। ऐसे मामलों में न्यायालयों ने स्वयं दिशा-निर्देश जारी कर मतदाता सूची के शुद्धिकरण की आवश्यकता दोहराई है। अतः एसआईआर का विरोध लोकतांत्रिक मूल्यों का विरोध है।

भारत जैसे विशाल देश में जहाँ 96 करोड़ से अधिक मतदाता हैं, वहां मतदाता सूची का अद्यतन एक अत्यंत जटिल, विशाल और सतत प्रक्रिया है। इसे केवल सरकारी जिम्मेदारी मानना पर्याप्त नहीं; यह नागरिक कर्तव्य भी है। चुनाव आयोग केवल ढाँचा देता है, लेकिन उसे प्रभावी बनाने का दायित्व जनता के सहयोग पर निर्भर है। मतदाता सूची में अपनी प्रविष्टि को सही रखना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना मतदान के दिन वोट देना। अंततः, लोकतंत्र केवल मतदान का दिन नहीं–पूरी व्यवस्था का नाम है। इस व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए मतदाता सूची की शुचिता सर्वोपरि है। एसआईआर यही सुनिश्चित करता है कि चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय हों। यह लोकतांत्रिक प्रणाली की आत्मा को जीवित रखता है और नागरिकों के अधिकारों को सुरक्षित करता है। इसलिए मतदाता सूची के नियमित शुद्धिकरण को लेकर जागरूकता बढ़ाना, नागरिकों को भागीदारी के लिए प्रेरित करना और एसआईआर जैसी प्रक्रियाओं को सहयोग देना हर जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है।

दैनिक पंचांग

17 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

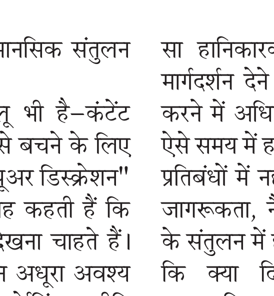

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	वृश्चिक	06.16 ब.से
चंद्र	कन्या में	धनु	08.32 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	10.37 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.23 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	13.56 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	15.27 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.07 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.05 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.18 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		सिंह	23.34 बजे से
		कन्या	01.46 बजे से
		तुला	03.57 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 321 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी अहोरात्र। **नक्षत्र** चित्रा 05.02 बजे प्रातः को समाप्त। **योग** प्रीति 07.23 बजे को समाप्त। **करण** गर 17.59 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 18° 59' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872531 **जूलियन दिन** 2460996.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उल्लावल **तारीख** 25 **विशेष** प्रदोष व्रत, मंडलकाल प्रारंभ।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

राजनाथ बोले: योगी जैसे सीएम की कल्पना मुश्किल

लखनऊ में वीरांगना ऊदा पासी की बंदूक लिए प्रतिमा का अनावरण किया

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीएम योगी की जमकर तारीफ की। कहा- 'मैं योगी को धन्यवाद देना चाहूंगा कि जो काम बहुत सारे लोग इतने सालों में नहीं कर पाए, वो आप कर रहे हैं। मैं तो कभी कल्पना नहीं कर सकता था कि कोई ऐसा मुख्यमंत्री आएगा, जो समाज के बारे में इतना सोचेगा, योगी जी ने ये कर के दिखाया है। समाज में दबा दिए गए हीरोज को सामने लाना कोई आसान काम नहीं है।' रविवार को राजनाथ सिंह ने ये बातें लखनऊ में वीरांगना ऊदा देवी पासी के बलिदान दिवस पर कही। उन्होंने सीएम योगी के साथ वृंदावन कॉलोनी के पासी चौराहे पर 12 फीट ऊंची और 6 टन वजनी हाथ में बंदूक लिए प्रतिमा का अनावरण किया। वीरांगना ऊदा देवी पासी ने 1857 के स्वाधीनता संग्राम में लखनऊ के सिंकदर बाग में 36 अंग्रेज सैनिकों को मौत के घाट उतारकर शहीद हुई थी। राजनाथ ने कहा- जब ऊदा देवी शहीद हुईं, तो ब्रिटिश अफसरों ने अपनी हैट उतारकर उन्हें सैल्यूट किया। ये उनकी वीरता का प्रमाण था। पासी समुदाय ने स्वतंत्रता आंदोलन में अहम भूमिका निभाई। अपना सबकुछ न्यौछावर किया। कार्यक्रम में दोनों डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, केंद्रीय मंत्री कमलेश पासवान समेत कई इतिहासकारों ने भी शिरकत की। राजनाथ सिंह ने कहा- भारत की नारी शक्ति स्वदेश और स्वधर्म की रक्षा के लिए कभी भी पीछे नहीं रही। आज सैनिक स्कूलों के दरवाजे लड़कियों के लिए खुले हैं। भारतीय महिलाएं सियाचिन की ऊंचाइयों से लेकर समंदर की गहराइयों तक देश की सुरक्षा चक्र को मजबूत कर रही हैं। अभी हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान महिला पायलटों और महिला सैनिकों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मैं यह कह सकता हूं कि भारत की आन-बान-शान की रक्षा के लिए भारत की हर बेटी ऊदा देवी बन सकती है। राजनाथ ने कहा- ऊदा देवी की कहानी ने आजादी की लड़ाई में महिलाओं की भूमिका को रोशन किया। वे हमें याद दिलाती हैं कि यदि महिलाएं बंदूक का उपयोग कर सकती हैं, युद्ध में लड़ सकती हैं, और ब्रिटिश सैनिकों को मार सकती हैं, तो वे किसी भी मामले में पुरुषों से कम नहीं हैं। उनका बलिदान हमें यह सिखाता है कि सच्चा साहस वही है जो अन्याय, भेदभाव और दासता, तीनों के विरुद्ध डटकर खड़ा हो सके। इससे पहले योगी ने कहा- 'हम सभी शहीद वीरांगना ऊदा देवी की स्मृतियों को नमन करते हैं। भारत की स्वाधीनता को प्राप्त करने के लिए ऐसे वारों का योगदान अविस्मरणीय है। शहीद वीरांगना ऊदा देवी केवल नारियों के लिए ही नहीं, बल्कि हर हिंदुस्तानी के लिए एक प्रेरणा हैं। मैं इस स्मृति के लिए उन्हें नमन करता हूं।' उन्होंने कहा- वीरांगना ऊदा देवी का बलिदान हमें प्रेरणा देता है कि अन्याय बड़ा हो तो प्रतिरोध उससे भी बड़ा होना चाहिए। महाराजा बिजली पासी किले में आज हमारी सरकार ने लाइट एंड साउंड का कार्यक्रम स्वीकृत कर दिया है। ताकि, इस क्षेत्र के सभी योद्धाओं के इतिहास को वर्तमान पीढ़ी जान सके और उससे प्रेरणा प्राप्त कर सके। योगी ने कहा- हमारी सरकार ने 3 नई पीएसी महिला बटालियन का गठन किया। लखनऊ में हमारी सरकार के द्वारा 'भारत रत्न' बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी के स्मारक और सांस्कृतिक केंद्र के निर्माण का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। अनुसूचित जाति एवं जनजाति के सम्मान, सुरक्षा और उनके स्वावलंबन के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। यूपी में दलित आबादी करीब 21% है। इसमें 16% अकेले पासी समाज हैं। लखनऊ, बाराबंकी, अयोध्या और सुल्तानपुर में इनकी बड़ी आबादी है। राजनाथ ने कहा- हमारी सरकार सामाजिक न्याय को केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक मिशन मानती है। हमारा लक्ष्य है कि समाज का हर वर्ग, चाहे वह किसी भी जाति, वर्ग या समुदाय से हो, देश की प्रगति में बराबर का भागीदार बने। राजनाथ सिंह ने कहा- हमारी सरकार का यह ध्येय रहा है कि वंचित वर्ग और भी अधिक सशक्त हो। सरकार की योजनाओं से सबसे अधिक वंचित वर्ग लाभान्वित हुआ है। ये लाभकारी योजनाएं उस सेवा अभियान का हिस्सा हैं, जो हमारी सरकार 11 वर्षों से SC-ST और OBC और अन्य वंचित समाज के लिए चला रही है। हमारा मानना है कि समाज कल्याण का रास्ता सामाजिक न्याय से होकर जाता है। इसलिए हमारी प्राथमिकता में हमेशा से ही समाज कल्याण के साथ सामाजिक न्याय रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने हमेशा यह सुनिश्चित किया है कि देश के हर वर्ग, विशेषकर समाज के हाशिये पर रहने वाले समुदायों को, उचित प्रतिनिधित्व मिले। उन्हें अपनी बात रखने के लिए स्थान मिले। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में भी इस बात का ध्यान रखा गया है कि समाज के वंचित और पिछड़े समुदायों को सही जगह मिले। कोई भी देश या समाज सिर्फ इस बात से नहीं जाना जाता कि वह सक्षम वर्ग के लोगों के लिए कितना कर पाया है, बल्कि इस बात से जाना जाता है कि वह वंचित वर्ग के प्रति कितना संवेदनशील है। राजनाथ सिंह ने कहा- जनजातीय समुदाय के बलिदान, संस्कृति और विरासत को सभी के सामने लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जनजातीय गौरव वर्ष मनाने की घोषणा भी की गई थी। इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत के बारे में हमारे देश के लोग जान पा रहे हैं। हमारा हमेशा से ध्येय रहा है कि दलित समाज के नायकों को सब लोग जानें। जिससे समाज में एकता बढ़े। विश्वास बढ़े। एक दूसरे के लिए सम्मान बढ़े। यह हमारा सौभाग्य है कि हमें बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर से जुड़ी जगहों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित करने का मौका मिला। राजनाथ ने कहा- इसी क्रम में हमारी उत्तर प्रदेश सरकार ने यह निर्णय लिया है कि पासी समाज के वीरों एवं वीरांगनाओं को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाएगा। बहराइच में महाराजा सुहेलदेव जी का भव्य स्मारक भी बनाया गया है। ऐसा ही भव्य स्मारक महाराजा बिजली पासी का लखनऊ में बनने जा रहा है। इस निर्णय की जितनी सराहना की जाए उतनी कम है, क्योंकि इससे आने वाली पीढ़ी अपने इन वीरों के विषय में और अधिक जानकारी पा सकेगी। राजनाथ सिंह ने कहा- यह अत्यंत दुखद बात है कि इतिहासकारों ने पासी साम्राज्य पर कोई किताबें नहीं लिखीं।

संक्षिप्त डायरी

पपीता की खेती से लखपति हो रहे किसान

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। बागवानी में वैज्ञानिक तकनीकी से पपीते की खेती कर किसान एक एकड़ में 7 से 8 लाख रुपए की आमदनी कर लखपति बन सकते हैं। बागवानी और सब्जियों की नर्सरी में हरित क्रांति के वाहक बन चुके प्रगतिशील किसान जयसिंह कुशवाहा ने यह बातें नगरपालिका परिषद कुशीनगर स्थित सिसवा - महंथ चौराहे पर खेती किसानी को लेकर आयोजित एक चर्चा में कही। जनपद देवरिया के कैथवलिया टोला सबवत निवासी श्री कुशवाहा जो सब्जियों और फलों की नर्सरी सफल तरीके से करते हुए युवाओं, महिलाओं को रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं। उत्तर प्रदेश गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र पिपराइच, गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक ओमप्रकाश गुप्ता के पपीता की खेती, प्रजाति, बुआई और लागत के बाबत पूछे सवालों का उत्तर देते हुए श्री कुशवाहा ने बताया कि पपीता प्रजाति वेलकम कंपनी -46 है। पौधा की मैंने बुआई एक अप्रैल को किया। पौधे से पौधा की दूरी 6 फीट, आठ माह में अक्टूबर से नवंबर तक बेचने के लिए फसल तैयार है। एक पौधे में 70 से 80 किलो, किसी किसी में 90 से 100 तक उपज हुई है। उन्होंने बताया कि अभी हाल में कृषि विशेषज्ञ सहित किसानों ने मेरी बागवानी में पपीते व सब्जी की खेती देखी। पपीता खेत से ही 25 रुपए किलो बिक जा रहा है। लाभकारी खेती का टिप्स देते हुए कहा कि किसान कृषि की अच्छी जानकारी लें तभी लाभ ले पाएंगे। पपीता ऊंचे खेतों में लगाएं। जहां पानी न लगता हो। सहायक निदेशक श्री गुप्ता ने कहा कि किसान सह फसली खेती, बागवानी, पशु पालन को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकते हैं। पशु पालन से प्राप्त गोबर से बनने वाली जैविक खाद खेती के लिए उपयुक्त है। इस वक्त श्री कुशवाहा के खेत में पपीता, गोभी, टमाटर, बैगन, मिर्ची, प्याज की नर्सरी लहलहा रही है। यहां 30 लोग आजीविका कमा रहे हैं। श्री गुप्ता ने किसानों को सलाह दिया कि नजदीकी बरवा फार्म कसया में सब्जी की खेती और नर्सरी का अवलोकन करें तथा गन्ने के साथ गोभी, टमाटर, बैगन, मिर्ची, प्याज, सब्जी मटर, धनिया, मूली आदि की सह फसली खेती करें। लाभ होगा।

एनसीसी कैंप में फायर फाइटिंग डेमो, कैडेट्स को दी गई आपदा प्रबंधन की ट्रेनिंग

संवाददाता

कुशीनगर। उदित नारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय पडरौना में चल रहे एनसीसी प्रशिक्षण शिविर संख्याझ168 में रविवार को फायर फाइटिंग डेमो में कैडेट्स को आग से निपटने की तकनीक एवं आपदा प्रबंधन के महत्वपूर्ण उपायों की जानकारी दी गई। इसका उद्देश्य कैडेट्स को आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित, प्रभावी और सुरक्षित प्रतिक्रिया देने के लिए सक्षम बनाना था। फायर विभाग की टीम ने विभिन्न प्रकार की आग, उनके कारणों तथा उन्हें नियंत्रित करने के सही तरीकों का प्रदर्शन किया। कैडेट्स को फायर एक्सटिंग्विशर, फायर हाइड्रेंट और अन्य प्राथमिक सुरक्षा उपकरणों के उपयोग का प्रायोगिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार की ट्रेनिंग युवाओं में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें संकट की स्थिति में उपयोगी भूमिका निभाने के लिए तैयार करती है। इस दौरान कर्नल हरिश चंद, डिप्टी कमांडेंट कैप्टन वीपी मिश्रा, रिसालदार मेजर हरजीत सिंह, एएनओ लेफ्टिनेंट नरेंद्र त्रिपाठी, थर्ड ऑफिसर एक पांडे, सूबेदार त्रिलोक सिंह, सूबेदार संजय कुमार, सूबेदार संतोष कुमार, हवलदार कुलदीप सिंह, हवलदार करनप्रीत सिंह हवलदार सर्वजीत सिंह हवलदार गोविंद सिंह, हवलदार रमेश लामा हवलदार मन बहादुर थापा, हवलदार निर्मल सरु, हवलदार थिनिल्स दोरजे अन्य पी आई स्टाफ एवम बटालियन के अन्य सिविल स्टाफ लल्लन सिंह, विनोद तिवारी, मु अशरफ, राजेश गौतम, मौजूद रहे।

प्रयागराज में बच्चा न होने पर पत्नी का गला रेता

प्रयागराज। पति ने पत्नी की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। फिर पुलिस को गुमराह करने के लिए फर्श पर लिखा- मैं पागल थी, मेरा पति निर्दोष है। वारदात के बाद वह पीछे के गेट से ऑफिस चला गया। वहां से उसने मकान मालिक को फोन किया और कहा- पत्नी से बात करा दीजिए। मकान मालिक ने काफी देर तक कमरे का दरवाजा खटखटाया, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। यह बात उसने पति को बताई। इसके बाद पति घर पहुंचा और थोड़ी देर बाद धक्का देकर कुंडी तोड़ दी। अंदर उसकी पत्नी का खून से लथपथ शव मिला। उसने फोन कर पुलिस को बुलाया। पुलिस वालों को देखकर पति लाश से लिपटकर रोने लगा। यह देखकर पुलिसवालों ने भी पहले उस पर विश्वास कर लिया, लेकिन शव पर गहरे जख्म थे। शक के आधार पर पुलिस ने पति रोहित द्विवेदी की लोकेशन जांची तो कहानी उलट गई। पता चला कि वह घटना के समय घर के आसपास ही था। उसे हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया- पत्नी को बच्चा नहीं हो रहा था। फिर मेरा एक महिला से प्रेम संबंध चलने लगा। पत्नी इसका विरोध करती थी, इसलिए हत्या कर दी। हत्या को सुसाइड दिखाने के लिए उसने खून से ही फर्श पर सुसाइड नोट लिखा था। सुषमा द्विवेदी की हत्या शुक्रवार को हुई थी। शनिवार को पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए पति को जेल भेज दिया। रोहित द्विवेदी मूलरूप से लालापुर थाना क्षेत्र के कचरा गांव का रहने वाला है। वह अपनी पत्नी सुषमा के साथ लोहगरा बाजार में संतोष गुप्ता के मकान में किराए पर रहता था। रोहित एनटीपीसी बारा पावर प्लांट में सिक्योरिटी में था। सुषमा की शादी 5 साल पहले, यानी 2020 में हुई थी। संतान न होने पर दंपती के बीच तनाव बढ़ता गया। इसी दौरान रोहित का रिश्तेदारी की एक महिला से अफेयर हो गया। पत्नी इसका विरोध करती थी। पति ने पुलिस को बताया- शुक्रवार सुबह फिर से मेरी पत्नी से बहस शुरू हो गई। गुस्से में मैंने उसके बाल पकड़ लिए और चाकू सीधे उसके गले में घोंप दिया। वार इतना तेज था कि चाकू गले में ही फंस गया। मैं डर गया। मुझे लगा कि अगर मैं कुछ लिख दूँ तो लोग समझेंगे कि उसने आत्महत्या की है। इसलिए मैंने फर्श पर उसके ही खून से झमैं पागल थी, मेरा पति निर्दोष है लिख दिया। इसके बाद मैं पीछे के रास्ते से भाग निकला। मैं तुरंत ड्यूटी पर चला गया, ताकि लगे कि मैं घर पर नहीं था। वहाँ से लगातार फोन करता रहा, ताकि खुद को निर्दोष दिखा सकूँ। कई बार पत्नी को कॉल की, फिर मकान मालिक को भी फोन कर कहा कि मेरी पत्नी से बात करवा दें।

एबीपीएसस ने लिया राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर निष्पक्ष पत्रकारिता का संकल्प

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति (एबीपीएसस) की जिला इकाई द्वारा कसया - पड़रौना मार्ग स्थित साखोपार में राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर कार्यक्रम आयोजित कर पत्रकारों द्वारा स्वतंत्र, निष्पक्ष पत्रकारिता का संकल्प लिया गया। रविवार को आयोजित कार्यक्रम में संगठन द्वारा चौथी बार प्रदेश अध्यक्ष बने अजय प्रताप नारायण सिंह का स्वागत किया गया। श्री सिंह ने कहा कि भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना के उपलक्ष्य में यह दिवस मनाया जाता है। आज के बदले हालत में स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता करना काफी चुनौती पूर्ण है और ऐसे में प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। इसलिए लोक हित, लोक के लिए अपनी लेखनी को धार दें कलमकार। प्रदेश सचिव विनय कुमार उपाध्याय ने कहा कि संगठन पूरे देश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग को लेकर आवाज बुलंद कर रहा है। प्रदेश संयोजक सांस्कृतिक प्रकोष्ठ आरके

लोक के लिए अपनी लेखनी को धार दें कलमकारः अजय प्रताप

भट्ट ने सांगठनिक मजबूती पर बल दिया और कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का आईना होता है। क्षेत्रीय सचिव विजय कुमार राव ने कहा कि दायित्वपूर्ण पत्रकारिता से ही अलग पहचान बनेगी। मंडल सचिव अजय कुमार सिंह ने संगठन की मजबूती पर जोर दिया। प्रदेश कार्य समिति सदस्य दिनेश कुमार पांडेय ने कहा कि सरकार और जनता के बीच मीडिया एक सेतु की भूमिका निभाता है। आप सभी हक, सम्मान के लिए एकजुट हो आगे बढ़े। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष हृदया नन्द शर्मा ने किया। इस दौरान आदित्य दीक्षित, शीतल सिंह, मस्तराज शर्मा, राजू मद्धेशिया, राजन कुमार सिंह, उमर फारूक, संजय कुमार सिंह, विजय यादव, सरफराज अली, मुन्ना राय, चंद्रभूषण पांडे, शिव जी यदुवंशी आदि तमाम पत्रकार मौजूद रहे।

पूर्व विधायक सुरेंद्र शुक्ला के स्मृति में विराट दंगल कुश्ती और मेला आयोजित

संवाददाता

कुशीनगर। कसया तहसील क्षेत्र स्थित पिपरा तिवारी में रविवार को पूर्व विधायक सुरेंद्र शुक्ला के स्मृति में विराट दंगल कुश्ती और मेले का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि केंद्रीय कोयला एवं खनन मंत्री सतीश चंद दुबे, विधायक पीएन पाठक के भाई सीपीएन पाठक, विधायक सुरेन्द्र कुशवाहा, पूर्व सांसद सांसद गुड्डु पांडे मुख्य अतिथि, पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, नपाप कुशीनगर अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल, समाजसेवी ओम

प्रकाश जायसवाल आदि ने कुश्ती प्रतियोगिता का शुभारंभ पहलवानों का हाथ मिलवाकर कराया। केंद्रीय कोयला एवं खनन मंत्री श्री दूबे ने कहा कि खेल से सामाजिक समरस की भावना का विकास होता है। केंद्र और प्रदेश सरकार खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रही है। पूर्व सांसद श्री पांडेय ने कहा कि ऐसे आयोजन से ग्रामीण क्षेत्र में छिपी प्रतिभाओं को निखरने का अवसर मिलता है। पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने कहा कि कुश्ती भारत की प्राचीन विधा है। उन्होंने आयोजन की सराहना की। दंगल में बनारस, अयोध्या और गोरखपुर सहित विभिन्न स्थानों से आए पहलवानों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। दिवंगत विधायक सुरेंद्र शुक्ला के बड़े पुत्र संजय शुक्ला और छोटे पुत्र विजय कुमार शुक्ला ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और आभार व्यक्त किया। इस दौरान बीडीसी कुमारेश यादव, गोल्डन शुक्ला, अमित कुमार शुक्ला, जितेंद्र देव शुक्ला, शिवम तिवारी, गौरव शुक्ला, सुनील शुक्ला, निक्कू शुक्ला, मण्डल अध्यक्ष राजेश राव, आद्या पांडेय, सचिन पाठक, नुतन दुबे, अमित मालवीय, जयप्रकाश सिंह, महेंद्र तिवारी, दीपक पाण्डेय, बिरेंद्र सिंह सहित सैकड़ो दर्शक मौजूद रहे।

संघर्ष जारी रखिए, स्थायित्व मिलेगा : सुभाष प्रसाद त्रिपाठी

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर क्षेत्र के जौरा बाजार स्थित इंटरमीडिएट कॉलेज में रविवार को कुशीनगर शिक्षणेत्तर महासंघ का जनपदीय सम्मेलन आयोजित हुआ। जिसमें नवनियुक्त पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण किया। कार्यक्रम में शिक्षणेत्तर कर्मियों ने एकजुट होकर संघर्ष करने और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि जिला सहकारी बैंक कसयाझदेवरिया के पूर्व चेयरमैन सुभाष प्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि संगठन ही कर्मचारियों की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि

विसंगतियों के लिए जागरूक होकर लड़ाई लड़ें। संघर्ष जारी रहा तो वह दिन दूर नहीं जब कर्मचारी स्थायी होंगे। एक-एक कर्मचारी को जगाइए। वक्ताओं में शिक्षणेत्तर महासंघ के प्रदेश महासचिव अवधेश मिश्रा, प्रदेश सचिव आलोक राय,मंडल अध्यक्ष संजय राय, देवरिया के जिलाध्यक्ष विनोद राव,एस पीटी महाविद्यालय भठहीं खुर्द के प्राचार्य डा शैलेन्द्र मिश्र, शोणभद्र इण्टरमीडिएट कालेज मटिहिनियां के प्रधानाचार्य अशोक कुमार गौड़ आदि ने संगठन की एकता को आवश्यक बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुशीनगर जिला अध्यक्ष प्रशांत कुमार सिंह ने तथा संचालन पीएनएम इण्टरमीडिएट कालेज के प्रधान लिपिक चंद्रप्रकाश तिवारी ने किया। आयोजक प्रधान लिपिक सुबोध पांडेय ने अतिथियों को अंगवस्त्र व भगवान गणेश जी की प्रतिमा भेंटकर सम्मानित किया। सम्मेलन में चंद्रशेखर उपाध्याय, सुधाकर पांडेय, योगेश तिवारी, नीलेश शर्मा,नितेश पांडेय, अशोक प्रसाद, मनीष कौशिक, कमलेश तिवारी, दीपु शुक्ला, सोनू उपाध्याय,गौरीशंकर लाल श्रीवास्तव,पं.राजकिशोर पांडेय, प्रदीप दूबे, आलोक चौबे, महेंद्र यादव, सिद्धार्थ श्रीवास्तव, प्रभात, पौहारी सिंह शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

महिला का कातिल निकला पुलिस का सब इंस्पैक्टर, हुआ गिरफ्तार

संवाददाता

हमीरपुर। मौदहा के बसवारी रोड पर13 नवम्बर को सड़क के किनारे गड्ढे में मिली महिला की लाश की वारदात को अंजाम देने वाला कातिल निकला पुलिस का सब इंस्पैक्टर, पुलिस ने मामले का खुलासा करने के बाद सब इंस्पैक्टर अंकित यादव को आला कत्ल लोहे के राड और वारदात में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट डिजायर कार के साथ गिरफ्तार कर भेजा जेल। गौरतलब है कि 13 नवम्बर को महिला की लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई थी, वही मौदहा पुलिस ने लाश मिलने के बाद अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मु0अ0सं0 399/2025, धारा 103(1) इठर दर्ज किया था। पुलिस जांच के दौरान मौकऐ वारदात के आसपास के लोगों ने एक संदिग्ध सफेद कार का वारदात के दिन दिखाई देना बताया था, वही सीसीटीवी फुटेज में भी एक सफेद कार वारदात के वक्त मौके पर दिखाई दे रही थी। जिसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज में दिख रही स्फिट डिजायर कार के नम्बर की जांच की गई तो कार के मालिक ने बताया कि कार को उनके मिलने वाले एस आई अंकित यादव किसी निमंत्रण में जाने को कहकर ले गये थे।

इसके बाद पुलिस ने अभियुक्त अंकित कुमार यादव पुत्र रामकुमार यादव, निवासी महमद मऊ, थाना लालगंज, रायबरेली को विवेचना के क्रम में पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत राठ तिराहा हमीरपुर से वारदात में

इस्तेमाल स्विफ्ट डिजायर कार, आलाकत्ल लोहे के राड के साथ गिरफ्तार किया गया। वही विवेचना के दौरान सबूतों के आधार पर इस मामले में पुलिस ने धारा 238 बीएनएस के साथ ही 3(2)(श) एससी/एसटी एक्ट को बढा दिया गया है। पुलिस पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने बताया कि वह पूर्व में थाना कबरई में बतौर एस आई तैनात था। इसी दौरान किरन पुत्री राजबहादुर निवासी ग्राम मकरबई, कबरई, महोबा ने अपने पति और ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया गया था, जिसकी विवेचना उसके द्वारा की जा रही थी। विवेचना के दौरान किरन से उसकी जान-पहचान हो गई थी, द 12 नवम्बर 2025 को भी शाम के वक्त किरन ने उस्से साथ चलने के लिये कहा। इस पर अभियुक्त ने अपने मिलने वाले देवेन्द्र निवासी ग्राम मकरबई से किसी निमंत्रण में जाने का बहाना बनाकर गाड़ी ले ली थी। और किरन को साथ लेकर महोबा से मुस्करा आया। रास्ते में किसी बात को लेकर दोनों के बीच बहसबाजी हो गई, इसी दौरान बसवारी रोड से जाते वक्त किरन ने टायलेट के लिये गाड़ी रुकवायी थी। अभियुक्त ने गाड़ी सड़क के किनारे रोक दी और किरन जैसे ही टायलेट के लिये बैठी ठीक उसी वक्त अभियुक्त ने गाड़ी में पहले से रखी लोहे की रॉड से पीछे से उसके सर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। अभियुक्त ने शव को सड़क किनारे स्थित गड्ढे में खींचकर छिपा दिया और गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया था। अभियुक्त ने बताया कि वो किरन से मानसिक तौर पर परेशान था। वही सब इंस्पैक्टर अंकित यादव को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में खासतौर से मौदहा कोतवाली इंस्पैक्टर उमेश कुमार सिंह, एस आई अनिल कुमार सिंह, एस आई विनेश गौतम, एस आई अभिषेक त्रिपाठी, कांस्टेबल रंजीत कुमार, कांस्टेबल विजय प्रताप सहित कांस्टेबल विनीत कुमार शामिल रहे।

अमेरिकी टैरिफ के चलते भारतीय खिलौना निर्यात पर संकट

खेल व स्पोर्ट्स सामान का निर्यात 8.9 फीसदी बढ़कर 302.6 मिलियन डॉलर पहुंचा

मुंबई

वित्त वर्ष की शुरुआत में भारतीय खिलौना निर्यातकों के लिए माहौल सकारात्मक रहा। अप्रैल से अगस्त तक उत्सव, कार्निवल और मनोरंजन वाले खिलौनों का निर्यात 4 फीसदी बढ़कर 101.9 मिलियन डॉलर और कुल खिलौने, खेल व स्पोर्ट्स सामान का निर्यात 8.9 फीसदी बढ़कर 302.6 मिलियन डॉलर पहुंच गया।

अमेरिका इस क्षेत्र का सबसे बड़ा बाजार है और अमेरिकी खरीदारों की एडवांस खरीदारी ने अप्रैल-अगस्त तक निर्यात को मजबूती दी। फनस्कूल इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, अमेरिकी त्योहारों के लिए शिपमेंट अप्रैल से शुरू होते हैं। 1 अगस्त से भारत पर अमेरिकी ड्यूटी 25 फीसदी और 27 अगस्त से 50 फीसदी कर दी गई। यह कदम भारत के रूसी क्रूड खरीदने से जुड़ा था। इसके बाद नए ऑर्डर अचानक कम हो गए और अमेरिकी खरीदार अब अन्य देशों की ओर रुख कर रहे हैं। टैरिफ के बढ़ने से भारतीय निर्यातक कीमतें घटाने और पैकेजिंग साधारण करने पर मजबूर हो गए। कई खिलौनों का आकार छोटा किया गया और फीचर्स कम कर दिए गए।

दिल्ली के एक निर्यातक का कहना है कि कस्टमर अधिक डिस्काउंट मांग रहे हैं, वरना व्यवसाय वियतनाम जैसी जगहों पर चला जाएगा।

अक्टूबर-नवंबर के त्योहार सीजन में साइकिल और अन्य खिलौनों की बुकिंग इस बार आधी रह गई है।

एशिया-पैसिफिक में 19,560 नए हवाई जहाजों की जरूरतः एयरबस

नैरो-बॉडी और वाइड-बॉडी दोनों प्रकार के प्लेन शामिल

मुंबई एयरबस ने कहा कि अगले 20 सालों में एशिया-पैसिफिक क्षेत्र को 19,560 नए हवाई जहाजों की जरूरत होगी। इसमें नैरो-बॉडी और वाइड-बॉडी दोनों प्रकार के प्लेन शामिल हैं। यह वैश्विक मांग का लगभग 46 फीसदी है, क्योंकि दुनिया में कुल 42,520 नए विमान चाहिए होंगे। भारत और चीन इस वृद्धि में सबसे बड़ा योगदान देंगे। इस क्षेत्र में पैसेंजर ट्रैफिक हर साल 4.4 फीसदी की दर से बढ़ेगा, जो वैश्विक औसत 3.6 फीसदी से अधिक है। एयरबस ने बताया कि क्षेत्र में लगभग 3,500 वाइड-बॉडी प्लेन और 16,100 सिंगल-आइजल प्लेन की मांग होगी। एयरलाइंस की बढ़ती जरूरत, नई रूट्स और इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार से क्षेत्र तेजी से विकास कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट का फेज 1 उद्घाटन किया, जिसकी लागत 19,650 करोड़ है। यह डिजिटल सुविधाओं से लैस होगा और सालाना 20 मिलियन पैसेंजर्स संभालेगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में भी अच्छी प्रगति है, जो दिल्ली-एनसीआर को आसपास के शहरों से जोड़ेगा।

यूनिफिन्ज़ कैपिटल इंडिया ने किया 4:1 बोनस शेयर का ऐलान

22 दिसंबर तक निवेशकों को मिलेंगे बोनस शेयर; पिछले 5 साल में स्टॉक 1635 फीसदी चढ़ा

मुंबई स्मॉल-कैप एनबीएफसी कंपनी यूनिफिन्ज़ कैपिटल इंडिया लिमिटेड ने निवेशकों को बड़ा तोहफ़ा देते हुए 4:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की घोषणा की है। कंपनी के बोर्ड ने यह फैसला 14 नवंबर को हुई बैठक में लिया। इसी बैठक में बोर्ड ने कर्मचारियों के लिए ईएसओपी 2025 योजना को भी मंजूरी दे दी। कंपनी ने बताया कि योग्य निवेशकों को बोनस शेयर 22 दिसंबर तक जारी कर दिए जाएंगे, हालांकि अभी रिकॉर्ड डेट घोषित नहीं की गई है। कंपनी द्वारा घोषित 4:1 बोनस रेशियो का मतलब है कि निवेशकों को हर 1 शेयर पर 4 नए बोनस शेयर मिलेंगे। उदाहरण के तौर पर यदि किसी निवेशक के पास 10 शेयर हैं, तो बोनस जारी होने के बाद उसका कुल होल्डिंग बढ़कर 50 शेयर हो जाएगा। बोनस शेयर जारी करने का उद्देश्य शेयरों की तरलता बढ़ाना और व्यापक निवेशक आधार को आकर्षित करना होता है।

एडवांस्ड कार 2026 पोर्शे 911 टर्बो एस लॉन्च

नईदिल्ली भारत में पोर्शे कंपनी ने अपनी अब तक की सबसे शक्तिशाली और एडवांस्ड कार 2026 पोर्शे 911 टर्बो एस लॉन्च कर दी है। यह न सिर्फ पोर्शे 911 टर्बो एस सीरीज का टॉप मॉडल है, बल्कि पोर्शे की अब तक की सबसे तेज और हाई-टेक रोड कार भी मानी जा रही है। कंपनी ने इसकी एक्स-शोरूम कीमत 3.80 करोड़ रुपये तय की है। नई 911 टर्बो एसमें कंपनी ने टेक्नोलॉजी, परफॉर्मेंस और लक्जरी का बेहतरीन मेल पेश किया है। इस बार पोर्शे ने पारंपरिक पेट्रोल इंजन के बजाय इसे हाइब्रिड पावरट्रेन के साथ पेश किया है। कार में नया 3.6-लीटर फ्लैट-सिक्स ट्विन-टर्बो इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर का संयोजन दिया गया है, जो मिलकर 711 बीएचपी की पावर और 800 एनएम का टॉर्क जनरेट करते हैं। इतनी ताकत के साथ यह सुपरकार 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार महज 2.5 सेकंड में पकड़ लेती है, जबकि इसकी टॉप स्पीड 322 किमी/घंटा तक जाती है। डिजाइन के मामले में नई 911 टर्बो एस पूरी तरह एक स्पोर्टी आभा लिए हुए है। इसके रियर में नया 'डकटेल' स्पॉइलर, साइड्स पर बड़े एयर इनटेक्स और नए डिजाइन के सेंटर-लॉक अलॉय व्हील्स दिए गए हैं। अंदर का केबिन भी उतना ही शानदार है, जिसमें फुली डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम (एंड्राएड ऑटो और एप्पल कारप्ले सपोर्ट के साथ), इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स सीट्स और प्रीमियम लेदर फिनिश शामिल हैं।

फोर्स मोटर्स साझा परिवहन और वैश्विक विस्तार में सक्रिय

तीन साल में 2,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी

नई दिल्ली फोर्स मोटर्स ने साझा परिवहन समाधानों और बहुउपयोगी वाहनों पर ध्यान केंद्रित किया है। कंपनी के प्रमुख उत्पादों में मसल ट्रैवलर और अर्बैनिया प्लेटफ़ॉर्म शामिल हैं, जो शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन क्षेत्रों के लिए हल्के वाणिज्यिक वाहन प्रदान करते हैं। पिछले दो तिमाहियों से कर्ज-मुक्त फोर्स मोटर्स ने अगले तीन वर्षों में डिजिटलीकरण, उत्पादन सुविधाओं के आधुनिकीकरण और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए लगभग 2,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत निवेश की योजना बनाई है। कंपनी खाड़ी क्षेत्र के 20 देशों को निर्यात कर रही है और लातिनी अमेरिका व अफ्रीका के नए बाजारों में प्रवेश करने की तैयारी कर रही है। इस साल पांच और अंतरराष्ट्रीय बाजार जोड़ने का लक्ष्य है।ट्रैवलर खंड में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 70 फीसदी से अधिक है। फोर्स मोटर्स साझा परिवहन और रक्षा क्षेत्र में आक्रामक वृद्धि की ओर बढ़ रही है।

ऑटोराइडर्स ने शेयरधारकों को दिया बड़ा तोहफ़ा, 5:1 अनुपात में जारी होंगे बोनस शेयर

रिकॉर्ड डेट 18 नवंबर 2025 तय, बिक्री में उछाल लेकिन सितंबर तिमाही में मुनाफा दबा

मुंबई आटो सेक्टर की कंपनी ऑटोराइडर्स इंटरनेशनल ने अपने शेयरधारकों के लिए बड़ा ऐलान करते हुए 5:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की मंजूरी दे दी है। कंपनी के बोर्ड ने बताया कि हर एक मौजूदा शेयर पर निवेशकों को पांच नए बोनस शेयर मुफ्त में मिलेंगे। यह जानकारी कंपनी ने पिछले सोमवार को स्टॉक एक्सचेंज को सौंपे गए फाइलिंग में दी। नए बोनस शेयर पूरी तरह पेड-अप होंगे और प्रत्येक शेयर की फेस वैल्यू 10 रुपये तय की गई है। कंपनी ने स्पष्ट किया कि बोनस शेयर जारी करने के लिए वह किसी भी तरह की नई पूंजी नहीं जुटाएगी, बल्कि अपने सिक्योरिटी प्रीमियम अकाउंट, फ्री रिजर्व और अन्य योग्य रिजर्व को कैपिटलाइज़ किया जाएगा। इसका मतलब है कि बोनस शेयरों के लिए पैसा कंपनी के आंतरिक फंड से ही लिया जाएगा। कंपनी ने बोनस पाने के लिए 18 नवंबर 2025 को रिकॉर्ड डेट घोषित की है। यानी इस तारीख को जिन निवेशकों का नाम कंपनी के मेंबर रजिस्टर में दर्ज होगा, वे बोनस शेयर के हकदार होंगे। हालांकि, शेयरधारकों के पास मौजूद मौजूदा शेयरों की गणना 17 नवंबर तक के होल्डिंग के आधार पर की जाएगी। कंपनी के मुताबिक, नए जारी होने वाले बोनस शेयर हर तरह से मौजूदा इक्विटी शेयरों के बराबर रहेंगे। इसी के साथ कंपनी की सितंबर तिमाही के नतीजे भी सामने आए हैं। दूसरी तिमाही वित्त वर्ष 26 में कंपनी का नेट प्रॉफिट 10.82 फीसदी गिरकर 2.39 करोड़ रुपये रह गया, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 2.68 करोड़ रुपये था।

वैश्विक कारक तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

अन्य देशों की आर्थिक नीतियां, तेल व कच्चे माल की कीमतों में बदलाव भी शेयर बाजार को कर सकते हैं प्रभावित

मुंबई

पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजार ने डेढ़ प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की। बाजार इस समय अपने उच्चतम स्तर के करीब है, जिससे निवेशकों का उत्साह बरकरार है। विशेषज्ञों का कहना है कि कंपनियों के तिमाही परिणाम अपेक्षाकृत मजबूत रहे हैं, जिससे बाजार में सकारात्मक माहौल बना हुआ है। बैंकिंग, आईटी और एफएमसीजी सेक्टर में बेहतर प्रदर्शन ने भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। इस सप्ताह में घरेलू बाजार की दिशा वैश्विक घटनाक्रम से प्रभावित होने की संभावना है। अमेरिका और अन्य प्रमुख देशों की आर्थिक नीतियां, तेल व कच्चे माल की कीमतों में बदलाव, और अंतरराष्ट्रीय बाजारों का रुख घरेलू शेयर बाजार पर असर डाल सकते हैं। निवेशक विशेष रूप से भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता की प्रगति पर नजर रखेंगे। व्यापार समझौते या किसी विवाद से बाजार में उतार-चढ़ाव संभव है।

आगामी सप्ताह भारत के आयात-निर्यात आंकड़े भी जारी होने हैं। यदि निर्यात में बढ़ोतरी और आयात पर नियंत्रण रहता है, तो रुपये की मजबूती के साथ बाजार में सकारात्मक रुझान देखने को मिल सकता है। वहीं, आयात बढ़ने और व्यापार घाटे में वृद्धि से बाजार पर दबाव पड़ सकता है। हालिया तिमाही परिणाम और बाजार की स्थिरता निवेशकों के लिए उत्साहजनक संकेत हैं। हालांकि, वैश्विक घटनाओं, व्यापार वार्ता और आगामी आर्थिक आंकड़ों पर नजर बनाए रखना आवश्यक होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि इस सप्ताह बाजार में हल्के उतार-चढ़ाव के साथ स्थिरता देखने को मिल सकती है, और निवेशकों को सतर्क रहकर ही निर्णय लेने चाहिए।

सेंसेक्स की आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.05 लाख करोड़ बढ़ा

भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रही

नई दिल्ली

बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में कुल 2,05,185.08 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रहीं।

भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 55,652.54 करोड़ रुपये बढ़कर 11,96,700.84 करोड़ रुपये हो गया, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 54,941.84 करोड़ रुपये का इज़ाफ़ा दर्ज किया और इसका बाजार पूंजीकरण 20,55,379.61 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 40,757.75 करोड़ रुपये बढ़कर 11,23,416.17 करोड़ रुपये हो गया, आईसीआईसीआई बैंक ने 20,834.35 करोड़ रुपये बढ़ाकर 9,80,374.43 करोड़ रुपये का बाजार पूंजीकरण दर्ज किया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) 10,522.9 करोड़ रुपये बढ़कर 8,92,923.79 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 10,448.32 करोड़ रुपये बढ़कर 6,24,198.80 करोड़ रुपये हो गया, एचडीएफसी बैंक ने 9,149.13 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया और इसका बाजार पूंजीकरण 15,20,524.34 करोड़ रुपये हो गया, हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 2,878.25 करोड़ रुपये बढ़कर 5,70,187.06 करोड़ रुपये पर रहा।

इसके विपरीत बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 30,147.94 करोड़ रुपये घटकर 6,33,573.38 करोड़ रुपये रह गया।

भारतीय जीवन बीमा निगम का बाजार पूंजीकरण 9,266.12 करोड़ रुपये घटकर 5,75,100.42 करोड़ रुपये पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर बनी रही, उसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, एलआईसी और एचयूएल का क्रम रहा।

त्योहारी सीजन से पहले कोयला आयात में वृद्धि, इस्पात उद्योग की मांग बढ़ी

सितंबर में आयात 13.54 प्रतिशत बढ़कर 2.20 करोड़ टन के पार

नई दिल्ली सितंबर 2025 में भारत का कोयला आयात 13.54 प्रतिशत बढ़कर 2.20 करोड़ टन पहुंच गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 1.94 करोड़ टन था। गैर-कोकिंग कोयले का आयात 1.39 करोड़ टन रहा, जो पिछले साल के 1.32 करोड़ टन से थोड़ा अधिक है। इस्पात क्षेत्र के लिए आवश्यक कोकिंग कोयले का आयात 33.9 लाख टन से बढ़कर 45 लाख टन हो गया। एमजंक्शन सर्विसेज के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-सितंबर, 2025 में गैर-कोकिंग कोयले का आयात घटकर 8.60 करोड़ टन और कोकिंग कोयले का आयात बढ़कर 3.15 करोड़ टन रहा। एमजंक्शन के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार त्योहारों के मौसम में खरीदारों की बढ़ी हुई मांग और सर्दियों में इस्पात मिलों की पुनः भंडारण आवश्यकता आयात वृद्धि का मुख्य कारण है। क्षेत्रीय विशेषज्ञों का मानना है कि इस्पात और औद्योगिक कोयले की मजबूत मांग बिजली क्षेत्र में मौसमी कमजोरी को संतुलित करेगी। भारत घरेलू कोयला उत्पादन बढ़ा रहा है, लेकिन उच्च-श्रेणी के तापीय और कोकिंग कोयले की कमी के कारण आयात आवश्यक बना हुआ है।

एनटीपीसी की नई परमाणु ऊर्जा योजना, 30 फीसदी हिस्सेदारी का लक्ष्य

प्रति गीगावाट संयंत्र के लिए 15,000-20,000 करोड़ रुपये का निवेश आवश्यक होगा

नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड ने भारत में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में बड़े विस्तार की योजना की घोषणा की है।

कंपनी 700 मेगावाट, 1,000 मेगावाट और 1,600 मेगावाट क्षमता वाली परियोजनाओं को देश के विभिन्न हिस्सों में स्थापित करने की योजना बना रही है। एनटीपीसी का लक्ष्य 2047 तक भारत की प्रस्तावित 100 गीगावाट परमाणु क्षमता में 30 गीगावाट का हिस्सा हासिल करना है।

उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, प्रति गीगावाट संयंत्र के लिए 15,000-20,000 करोड़ रुपये का निवेश आवश्यक होगा और परियोजना शुरू होने से चालू होने तक लगभग तीन साल का समय लगता है। कंपनी ने गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार और आंध्र प्रदेश में भूमि विकल्पों का मूल्यांकन शुरू कर दिया है। परियोजनाएं केवल परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) द्वारा अनुमोदित स्थलों पर ही क्रियान्वित की जाएंगी। एनटीपीसी एईआरबी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप परियोजनाओं को लागू करेगी। यूरेनियम, जो परमाणु रिएक्टर का मुख्य ईंधन है, के लिए कंपनी ने विदेशों में परिसंपत्तियों के अधिग्रहण और संयुक्त

तकनीकी-व्यावसायिक जांच के लिए यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) के साथ समझौते किए हैं। एनटीपीसी 700 मेगावाट और 1,000 मेगावाट संयंत्रों के लिए स्वदेशी दाबयुक्त भारी जल रिएक्टर का उपयोग करेगी। वहीं 1,600 मेगावाट परियोजनाओं के लिए तकनीकी सहयोग पर विचार किया जा रहा है।

पेज इंडस्ट्रीज ने 125 रुपए प्रति शेयर अंतरिम डिविडेंड घोषित किया

लगातार आठवीं बार कंपनी ने 100 रुपए से अधिक का अंतरिम डिविडेंड दिया

नई दिल्ली

इनरवियर और लाउंजवियर सेगमेंट की अग्रणी कंपनी पेज इंडस्ट्रीज ने अपने शेयरधारकों को एक बार फिर बड़ा तोहफ़ा दिया है। कंपनी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले प्रति शेयर पर 125 रुपये का दूसरा अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। यह लगातार आठवीं बार है जब कंपनी ने 100 रुपये से अधिक का अंतरिम डिविडेंड दिया है। यह निर्णय 13 नवंबर को हुई बोर्ड मीटिंग के बाद एक्सचेंज फाइलिंग के माध्यम से जारी किया गया। पेज इंडस्ट्रीज भारत में जॉकी ब्रांड की एक्सक्लूसिव लाइसेंसी है, जिससे इसका बाज़ार में प्रीमियम स्थान बना हुआ है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए घोषित इस 1250 फीसदी डिविडेंड की पात्रता तय करने हेतु रिकॉर्ड डेट 19 नवंबर 2025 रखी है। योग्य निवेशकों को डिविडेंड की राशि 12 दिसंबर तक या उससे पहले भुगतान कर दी जाएगी। डिविडेंड घोषणा से निवेशकों में उत्साह दिखा है, हालांकि पिछले कुछ समय में शेयर कीमतों में मामूली उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया है।

दूसरी तिमाही के नतीजों की बात करें तो जुलाई-सितंबर 2025 में कंपनी का नेट प्रॉफिट 194.76 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 195.25 करोड़ रुपये से थोड़ा कम है।

हालांकि, ऑपरेशंस से रेवेन्यू लगभग 4 फीसदी बढ़कर 1,290.85 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान सेल्स वॉल्यूम में 2.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई और कुल 56.6 मिलियन पीस बेचे गए। एबिटिडा हल्की गिरावट के साथ 279.5 करोड़ रुपये रहा। मार्केट कैप लगभग 44,328 करोड़ रुपये वाली पेज इंडस्ट्रीज भारत के सबसे महंगे स्टॉक्स में शामिल है।

तेल-तिलहन बाजार में मिली-जुली चाल, कुछ दाम बढ़े तो कुछ घटे

सरकारी आयात शुल्क में कटौती, मौसमी मांग और अंतरराष्ट्रीय कीमतों में बदलाव से बाजार की चाल प्रभावित हुआ

नई दिल्ली

देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह दामों में उथल-पुथल देखने को मिली। कुछ तिलहन और तेलों के भाव में सुधार हुआ तो कुछ में गिरावट दर्ज की गई। सरकारी आयात शुल्क में कटौती, मौसमी मांग और अंतरराष्ट्रीय कीमतों में बदलाव ने बाजार की चाल को प्रभावित किया। इस बीच किसानों और व्यापारियों के लिए दामों में संतुलन बना पाना चुनौतीपूर्ण रहा।

सरसों दाने के दाम में 25 रुपये की बढ़त रही और यह 7,125-7,175 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं, सरसों तेल के भाव में गिरावट आई। दादरी तेल 125 रुपये घटकर 14,750 रुपये प्रति क्विंटल और पक्की व कच्ची घानी तेल क्रमशः 2,470-2,570 और 2,470-2,505 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए। सरसों तिलहन के ऊंचे भाव के बावजूद आयात शुल्क में कटौती और कमजोर लिवाली के कारण सरसों तेल के दाम दबाव में रहे।

सोयाबीन दाना और लूज के थोक भाव में 150 रुपये की बढ़त हुई, क्रमशः 4,700-4,750 और 4,400-4,500 रुपये प्रति क्विंटल पर। सोयाबीन तेल (दिल्ली, इंदौर, डीगम) स्थिर रहे। घरेलू दाम अभी भी एमएसपी से नीचे हैं और आयातित सोयाबीन लागत से कम पर बिकने के कारण दाम स्थिर बने। मूंगफली तिलहन 275 रुपये की बढ़त के साथ 6,175-6,550 रुपये प्रति क्विंटल पर और मूंगफली तेल गुजरात थोक 14,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बिनौला तेल के दाम 150 रुपये बढ़कर 12,550 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंचे। जाड़े में मूंगफली की मांग और गुजरात में बिनौला तेल की सस्ती उपलब्धता इसकी वजह रही। सीपीओ का दाम 25 रुपये घटकर 11,300 रुपये प्रति क्विंटल और पामोलीन दिल्ली 13,075, एक्स-कांडला 12,075 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। जाड़े में तेल जमने और अंतरराष्ट्रीय कीमतों में गिरावट, साथ ही आयात शुल्क में कटौती, पाम तेल की कीमतें घटाने का मुख्य कारण रहे। सरकार ने आयात शुल्क में कटौती की- सीपीओ 70, पामोलीन 182 और सोयाबीन डीगम 42 रुपये प्रति क्विंटल। विशेषज्ञों का कहना है कि किसानों को एमएसपी के अनुरूप दाम देने से घरेलू उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

नेटको फार्मा ने निवेशकों को दिया बड़ा तोहफा, अंतरिम डिविडेंड का ऐलान

सितंबर तिमाही में मुनाफा घटा, खर्च बढ़ने से मार्जिन पर दबाव

नई दिल्ली

फार्मा सेक्टर की प्रमुख कंपनी नेटको फार्मा ने अपने निवेशकों को बड़ी राहत देते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अंतरिम डिविडेंड की घोषणा कर दी है। कंपनी ने बताया कि 2 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर 1.50 रुपये प्रति शेयर का डिविडेंड दिया जाएगा, जो 75 फीसदी के बराबर है। बोर्ड ने यह मंजूरी अपनी मीटिंग में दी। कंपनी ने 20 नवंबर को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी इस तारीख तक जिन निवेशकों के पास शेयर होंगे, वही डिविडेंड पाने के हकदार होंगे। निवेशकों को भुगतान 28 नवंबर से शुरू होगा। इससे पहले कंपनी ने अगस्त में 2 प्रति शेयर और फरवरी में 1.50 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड दिया था। कंपनी ने सितंबर 2025 में खत्म हुई तिमाही के नतीजे भी जारी किए। इस दौरान नेटको का मुनाफा 517.9 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के 676.5 करोड़ रुपये की तुलना में काफी कम है। कंपनी ने बताया कि आरएंडडी पर बढ़ा खर्च और वन-टाइम कर्मचारी बोनस मुनाफे में गिरावट की प्रमुख वजहें रहीं। वहीं, ऑपरेशंस से होने वाली कमाई 1,363 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल के 1,371.1 करोड़ रुपये से थोड़ा कम है। इस तिमाही में कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 849.3 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 616.7 करोड़ रुपये था। शेयर बाजार में शुक्रवार को नेटको फार्मा के शेयरों में हल्की कमजोरी देखने को मिली और यह 1.33 फीसदी गिरकर 815.10 रुपए पर बंद हुआ। कंपनी का मार्केट कैप इस समय 14,599.25 करोड़ रुपए है। पिछले एक महीने में शेयर ने 0.66 फीसदी का रिटर्न दिया है, जबकि एक साल में इसमें 40.75 फीसदी की गिरावट आई है।

रोहिणी आचार्य बोलीं: मुझे गंदा कहा, मारने के लिए चप्पल उठाई

कहते हैं: टिकट-पैसे लेकर गंदी किडनी दी, मैंने बच्चों तक की परवाह नहीं की

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद लालू परिवार में टकराव बढ़ गया है। राजनीति छोड़ने और अपने परिवार से नाता तोड़ने के ऐलान के एक दिन बाद रोहिणी आचार्य ने एक के बाद एक 2 सोशल मीडिया पोस्ट कर तेजस्वी यादव और संजय यादव पर गंभीर आरोप लगाए। आज रविवार सुबह रोहिणी ने एक इमोशनल पोस्ट कर कहा- 'मुझसे मेरा मायका छुड़वाया गया। मुझे अनाथ बनाया गया। मैंने रोते-रोते घर छोड़ा है। मुझे मारने के लिए चप्पल उठाई गई।' 'मैंने अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया। आप सब मेरे रास्ते कभी न चलें, किसी घर में मेरे जैसी बेटी-बहन न हो।' इस पोस्ट के बाद रोहिणी ने लालू को किडनी देने वाले फोटो-वीडियोज को फेसबुक पर पिन भी किया। दूसरे पोस्ट में रोहिणी ने लिखा- कल मुझे गालियों के साथ बोला गया कि मैं गंदी हूं और मैंने अपने पिता को अपनी गंदी किडनी लगवा दी, करोड़ों रुपए लिए, टिकट लिया तब लगवाई गंदी किडनी। सभी बेटी - बहन, जो शादीशुदा हैं, उनको मैं बोलूंगी कि जब आपके मायके में कोई बेटा - भाई हो, तो भूल कर भी अपने भगवान रूपी पिता को नहीं बचाएं, अपने भाई, उस घर के बेटे को ही बोलें कि वो अपनी या अपने किसी हरियाणवी दोस्त की किडनी लगवा दे। सभी बहन बेटियां अपना घर-परिवार देखें, अपने माता - पिता की परवाह किए बिना अपने बच्चे, अपना काम, अपना ससुराल देखें, सिर्फ अपने बारे में सोचें। मुझसे तो ये बड़ा गुनाह हो गया कि मैंने अपना परिवार, अपने तीनों बच्चों को नहीं देखा, किडनी देते वक्त न अपने पति, न अपने ससुराल से अनुमति ली। अपने भगवान, अपने पिता को बचाने के लिए वो कर दिया जिसे आज गंदा बता दिया गया। आप सब मेरे जैसी गलती, कभी, न करें किसी घर रोहिणी जैसी बेटी न हो। इससे पहले शनिवार देर रात उन्होंने रोते-रोते राबड़ी आवास भी छोड़ दिया। पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में रोहिणी ने कहा, 'मेरा कोई परिवार नहीं है। उन्होंने ही मुझे परिवार से निकाला है। सारी दुनिया सवाल कर रही है कि पार्टी का ऐसा हाल क्यों हुआ है, लेकिन उन्हें जिम्मेदारी नहीं लेनी है।' तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव और रमीज पर दबाव बनाने का आरोप लगाते हुए रोहिणी ने कहा- 'ये सवाल अब तेजस्वी यादव से पूछिए। सवाल पूछोगे तो गाली दी जाएगी, चप्पल से मारा जाएगा।' इसी साल 25 मई को लालू प्रसाद ने अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी और परिवार से निकाला था। तेज प्रताप ने इसके लिए संजय यादव को ही जिम्मेदार ठहराया था। इससे पहले शनिवार को ही रोहिणी ने पर पोस्ट कर लिखा, 'मैं राजनीति छोड़ रही हूं और अपने परिवार से नाता तोड़ रही हूं। संजय यादव और रमीज ने मुझसे यही करने को कहा था और मैं सारा दोष अपने ऊपर ले रही हूं।' रोहिणी ने अपनी पोस्ट में ये बताने की कोशिश की है कि संजय यादव और रमीज ही पार्टी के सभी फैसले लेते हैं। संजय राज्यसभा सांसद हैं और तेजस्वी के रणनीतिक सलाहकार हैं। संजय यादव को लेकर हुए विवाद के बाद रोहिणी ने सितंबर में पार्टी से लेकर परिवार के सभी सदस्यों को सोशल मीडिया पर अन फॉलो कर दिया था। कल आए चुनाव के नतीजों में RJD को महज 25 सीटें मिली हैं। जबकि 2020 में पार्टी ने 75 सीटें जीती थीं। तेजप्रताप करीब 50 हजार वोटों से इस चुनाव में हारे हैं। लंबी खींचतान के बाद तेजस्वी अपनी सीट बचा पाए हैं। नतीजों के बाद फ्खऊसांसद संजय यादव को लेकर लालू परिवार में टकराव बढ़ गया है। कल तेजप्रताप ने भी लिखा था- जयचंदों ने राजद को खोखला किया। रमीज यूपी के बलरामपुर के रहने वाले हैं। जेल में बंद पूर्व सांसद रिजवान जहीर के दामाद हैं। इन पर हत्या समेत कई मुकदमे हैं।

अब सुदर्शन चक्र चलेगा: तेजप्रताप यादव

रोहिणी आचार्या के घर और पार्टी छोड़ने के बयान के बाद अब तेज प्रताप यादव का बयान सामने आया है, जिसमें वह गुस्से में नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी बहन का जो अपमान करेगा उस पर कृष्ण का सुदर्शन चक्र चलेगा। तेज प्रताप यादव ने आगे कहा कि रोहिणी दीदी जो बात कह रही है, वह अपनी जगह बिल्कुल सही कह रही हैं। एक मां होने के नाते, एक महिला होने के नाते, एक बहन होने के नाते उन्होंने जो सराहनीय काम उन्होंने किया है, वह शायद ही कोई बेटी या कोई बहन या कोई मां कर सकती है। यह हमारे लिए और सभी महिलाओं के लिए ये पूरे तरीके से ये पूजनीय हैं और सदैव इनकी चर्चा कि जाएगी। यह एक इतिहास रहेगा और इतिहास के पन्नों में मेरी बहन का नाम सुनहरे पन्नों में रहेगा।

घरेलू विवाद ने लिया भयावह रूप

पत्नी ने पति को जिंदा जलाने की कोशिश

कटिहार। नगर थाना क्षेत्र के अरगरा चौक मोफरगंज में एक घरेलू विवाद ने भयावह रूप ले लिया और पति-पत्नी के झगड़े का मामला आगजनी और जान लेने की कोशिश तक पहुंच गया। आरोप है कि कल्याणी देवी ने अपने ही घर में आग लगा दी और पति पंकज पोद्दार को जिंदा जलाने की कोशिश की।स्थानीय लोगों के अनुसार, आग लगने के तुरंत बाद बंद कमरे से उठती तेज लपटों ने मोहल्ले का ध्यान खींचा। पड़ोसियों ने आवाज देकर दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर उन्होंने दरवाजा तोड़कर अंदर देखा। घर पूरी तरह आग की चपेट में था और उर्दू मध्य विद्यालय शरीफगंज के सरकारी शिक्षक पंकज पोद्दार बुरी तरह झुलस चुके थे। लोगों ने आनन-फानन में उन्हें बाहर निकाला और सदर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के मुताबिक पंकज की हालत गंभीर है और उन्हें रेफर कर दिया गया है।स्थानीय लोगों ने बताया कि आग फैलने के दौरान कल्याणी देवी ने अपने आप पर पानी डालकर खुद को सुरक्षित रखने की कोशिश की, ताकि पीड़ित दिख सकें। हालांकि पड़ोसियों ने आग लगाने में उनकी भूमिका पर कई सवाल उठाए। लपटों के बढ़ते खतरे को देखते हुए दमकल विभाग को सूचना दी गई। दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग को नियंत्रित किया, लेकिन तब तक घर का लगभग सारा सामान जलकर राख हो चुका था।मोहल्ले में दहशत और आक्रोश दोनों का माहौल है। लोगों का कहना है कि दंपति के बीच पिछले कई दिनों से झगड़ा चल रहा था। चार दिन पहले सड़क पर हुई मारपीट की घटना ने तनाव और बढ़ा दिया था, जिसकी शिकायत पुलिस तक भी पहुंची थी, लेकिन किसी को अंदेशा नहीं था कि स्थिति इतनी भयावह हो जाएगी।

दुकानदार को चाकू से गोदा

पटना। जक्कनपुर थाना अंतर्गत दुपुलूआ दुर्गा मंदिर के पास एक नाबालिग जूस दुकानदार को बदमाशों ने चाकू मार दिया। घायल दुकानदार की पहचान सुमन कुमार (15) के तौर पर हुई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दिया। हालांकि मौके पर पहुंचकर पुलिस हालात को सामान्य करने में जुटी हुई है। फिलहाल युवक को PMCH में एडमिट कराया गया है। जहां स्थिति गंभीर बनी हुई है। सुबह लगभग 11 बजे की घटना है। पड़ोसी दुकानदार सन्नी ने बताया कि दो दिन से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। आज सुबह में बाइक से 4 से 5 की संख्या में बदमाश दुकान पर आए।

संक्षिप्त डायरी

रोहिणी के बाद अब राजद की बागी नेत्री ने तेजस्वी के करीबी पर बोला हमला, कहा- खुद को समझ रहे थे चाणक्य

पटना। तेजस्वी के करीबी और राजद के सांसद संजय यादव पर हमला बोलने वालों में केवल अब रोहिनी आचार्य ही अकेली नहीं रह गई हैं। उन्हें राष्ट्रीय जनता दल की पूर्व नेत्री और इस बार परिहार विधानसभा से निर्दलीय चुनाव लड़ने वाली रितु जायसवाल का साथ मिल चुका है। रितु जायसवाल ने सोशल मीडिया पर संजय यादव के खिलाफ बड़ा हमला बोला है। उन्होंने चुनाव रिजल्ट की एक तस्वीर भी साझा की। राष्ट्रीय जनता दल से बागी हुई रितु जायसवाल ने संजय यादव पर हमला करते हुए कहा कि खुद को चाणक्य समझने की भूल में किस तरह जीती हुई सीटें गंवाई जाती हैं - यह बात राजद के सलाहकार से सीखी जा सकती है। परिहार विधानसभा चुनाव इसका जीता-जागता उदाहरण है। कार्यकताओं की भावनाओं और जमीनी वास्तविकता की अनदेखी करके जब परिहार का सिंबल वितरण किया गया था, मैंने तभी कह दिया था कि राष्ट्रीय जनता दल यहां तीसरे नंबर पर रहेगी। चुनाव परिणाम उसी बात को दोहरा रहा है। दरअसल बिहार विधान सभा चुनाव 2025 में परिहार विधानसभा से राजद का टिकट नहीं मिलने पर रितु जायसवाल ने काफी विरोध किया था और इसी वजह से पार्टी से नाराज होकर निर्दलीय उम्मीदवार बन गई थी। तेजस्वी यादव ने रितु जायसवाल का टिकट काटकर रामचंद्र पूर्वे की बहू स्मिता को टिकट दिया था। इसके बाद रितु जायसवाल ने जमकर राजद पर हमला बोला था।

भोजपुर में चलती कंटेनर में लगी आग, ड्राइवर की मौत

आरा। आरा-छपरा फोरलेन पर जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र के जमालपुर बाजार में रविवार को अचानक एक कंटेनर हाई टेंशन तार की चपेट में आ गया। बिजली के तार की चपेट में आने से कंटेनर के पिछले हिस्से में आग लग गई। उधर, आग लगने और हाई टेंशन तार की चपेट में आने के बाद अंदर बैठे ड्राइवर की झुलसकर मौत हो गई। मृत ड्राइवर की पहचान सारण जिले के मांझी थाना क्षेत्र के डुमरी गांव के रहने वाले 21 साल के आकाश कुमार प्रसाद के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, हादसे के बाद झुलसे ड्राइवर को इलाज के लिए कोईलवर पीएचसी लाने के दौरान रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर आसपास के इलाके में अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। उधर घटना की सूचना पाकर स्थानीय ग्रामीण और कोईलवर थानाध्यक्ष नरोत्तम चंद्र फौरन घटनास्थल पर पहुंचे। हादसे की सूचना के बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से कंटेनर में लगी आग को बुझाया गया। इसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में करवाया। जानकारी के अनुसार, आकाश अलग-अलग जगहों से पश्चिम बंगाल तक कंटेनर लेकर आता-जाता था।

नीतीश ही होंगे बिहार के सीएम? जदयू के पोस्टर से अटकलें तेज

पटना। बिहार में NDA की प्रचंड जीत के बाद सीएम पद को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। इस बीच जदयू के एक पोस्टर ने राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। इसमें लिखा है- बिहार हे खुशहाल, फिर से आ गए नीतीश कुमार। जदयू के इस पोस्ट के बाद ये अटकलें तेज हो गई हैं कि नीतीश कुमार के नाम पर सहमति बन गई है। हालांकि इस पर अभी एनडीए की तरफ से घोषणा होना बाकी है। वहीं, कल लोजपा (रामविलास) नेता चिराग पासवान ने सीएम नीतीश से मुलाकात की थी, लेकिन नए सीएम को लेकर उन्होंने कहा कि इसका फैसला विधायक दल करेगा। हम नेता संतोष सुमन ने भी सीएम नीतीश से मुलाकात की थी। चुनाव के दौरान भी नीतीश कुमार के सीएम पद पर वापसी मुद्दा बना था। विपक्ष लगातार कह रहा था कि NDA की जीत के बाद नीतीश कुमार सीएम नहीं रहेंगे। तब भी केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री पद के लिए कोई वैकेंसी नहीं है, लेकिन किसी नेता ने अभी ये शब्द नहीं कहा है कि 'नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री होंगे', जिससे गहमागहमी बनी हुई है और तमाम तरह की अटकलें चल रही हैं। बिहार में एनडीए को मिली प्रचंड जीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए की जीत को ह्यसुशासन की जीतह्ण करार दिया। पीएम मोदी का ये बयान को नीतीश कुमार के आगे भी मुख्यमंत्री बने रहने के समर्थन के रूप में देखा जा रहा है। बिहार में एनडीए को मिली बड़ी जीत के बाद मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा,ह्व नीतीश अपने समर्थकों के बीच "सुशासन बाबू" के नाम से लोकप्रिय हैं और पिछले 20 वर्षों में कानून-व्यवस्था और विकास में सुधार लाकर बदलाव लाने का दावा करते हैं। बिहार की यह विकास की जीत हुई है। लोक कल्याण की भावना की जीत हुई है। सामाजिक न्याय की जीत हुई है।

राजनीति से संन्यास लेंगे प्रशांत किशोर, पटना में लगा पोस्टर

:पीके ने कहा था- जदयू को 25 से ज्यादा सीट आने पर ले लूंगा संन्यास

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव नतीजे के बाद जनसुराज पार्टी का आंकड़ा शून्य आने पर सवाल खड़े हो रहे वही अब प्रशांत किशोर पर राजनीति का संन्यास लेने की बात कही जाने लगी है। आज पटना के चौक चौराहों पर लगे पोस्टर में पीके के संन्यास लेने की बात कही गई है। नारी शक्ति के द्वारा लगाए गए पोस्टर में प्रशांत किशोर की तस्वीर के साथ लिखा गया है कि चुनाव में जदयू को 25 से ज्यादा सीट आने पर प्रशांत किशोर ने राजनीति से लिया संन्यास। यह पोस्टर पटना के हर चौक चौराहों पर लगाई गई है। प्रशांत किशोर ने एक इंटरव्यू के दौरान चुनावी नतीजे का दावा करते हुए कहा था कि इस चुनाव में जदयू को 25 से ज्यादा सीटें नहीं आएगी। अगर 25 से ज्यादा सीटें आ गई तो वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे।अब जब जदयू बिहार में 85 सीट लाने और प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने वाली है ऐसे में अब प्रशांत किशोर के वादे को याद दिलाया जा रहा हैं। माना जा रहा है कि जदयू के महिला मोर्चा के द्वारा यह बात याद दिलाई जा रही है प्रशांत किशोर राजनीति से संन्यास ले रहे हैं। नतीजों के बाद अब तक प्रशांत किशोर ने अपने संन्यास वाले बयान पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। जब से नतीजे आए है उसके बाद प्रशांत किशोर ने मीडिया के बीच आकर अब तक कोई सफाई नहीं दी हैं। चुनाव के बाद हुए करारी हार और संन्यास के बातों पर प्रशांत किशोर अबतक चुप्पी साधे हुए है। प्रशांत किशोर की चुप्पी राजनीतिक विश्लेषक की भूमिका से नेता बनने की कोशिश का यह सबसे बड़ा झटका है। बिहार विधानसभा चुनाव के ताजा नतीजों ने राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव ला दिया है। जदयू ने इस बार रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन करते हुए बंपर जीत हासिल की है। चुनावी मैदान में कई तरह की राजनीतिक चुनौतियों और विपक्ष के तीखे हमलों के बावजूद जदयू ने न सिर्फ अपनी स्थिति मजबूत रखी बल्कि आश्चर्यजनक तरीके से सीटों में भारी बढ़त दर्ज करते हुए अपनी राजनीतिक पकड़ फिर साबित कर दी है। पार्टी ने 85 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत प्राप्त कर लिया है जिसके बाद यह साफ हो गया है कि एक बार फिर नीतीश कुमार ही बिहार के मुख्यमंत्री बनेंगे।जदयू के इस शानदार प्रदर्शन का श्रेय नीतीश कुमार के लंबे प्रशासनिक अनुभव, उनके विकास मॉडल और संगठन की मजबूत चुनावी रणनीति को दिया जा रहा है। इस बार महिला मतदाताओं का झुकाव भी जदयू की ओर उल्लेखनीय रूप से दिखाई दिया जिसने पार्टी की जीत में निर्णायक भूमिका निभाई। वहीं एनडीए के भीतर जदयू की ये बड़ी जीत गठबंधन में पार्टी की नेतृत्वकारी भूमिका को और सुदृढ़ करती है।

सीवान में भीषण बाइक भिड़ंत, एक की दर्दनाक मौत और चार घायल, मचा कोहराम

सीवान। जिले के बड़हरिया थाना क्षेत्र से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। बड़हरियाझ्रमीरगंज मुख्य मार्ग पर स्थित जगतपुरा गांव के मिडिल स्कूल के सामने दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस भीषण टक्कर में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में से दो की हालत नाजुक बताई जा रही है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है।मृतक की पहचान पकवलिया गांव निवासी रविन्द्र प्रसाद के रूप में की गई है। वहीं घायलों में पकवलिया गांव के नरेश यादव, तथा तिलसंडी 510 के अखलाख अहमद, विश्वनाथ और साबिर अली शामिल हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों और राहगीरों की मदद से सभी घायलों को तुरंत बड़हरिया स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दो को गंभीर स्थिति देखते हुए सिवान सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिजनों के अनुसार, रविन्द्र प्रसाद घर निर्माण के ठेकेदारी का कार्य करते थे। प्रतिदिन की तरह वे देर शाम काम खत्म कर बाइक से घर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक जगतपुरा मिडिल स्कूल के समीप पहुँची, सामने से तेज रफ्तार में आ रही दूसरी बाइक से उनकी आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि रविन्द्र प्रसाद ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि दोनों बाइकों की रफ्तार काफी तेज थी और सड़क पर अंधेरा होने के कारण हादसा और भी गंभीर रूप ले लिया। हादसे की सूचना मिलते ही बड़हरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए सिवान सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त बाइकों को जब्त कर लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में बताया जा रहा है कि दोनों बाइकों में से एक पर तीन लोग सवार थे, जिससे संतुलन बिगड़ने की संभावना जताई जा रही है।

वोट देकर 78 लाख लोग बाहर कमाने गए

प्रवासी बोले: यहीं रोजगार दे सरकार, ट्रेन में बैठने की जगह नहीं, ठूंस-ठूंसकर जाना मजबूरी

पटना। 'हम लोगों को सरकार बिहार में ही रोजगार दे...घर छोड़कर बाहर जाना पड़ता है, बहुत दिक्कत होती है। रास्ते में जाते-जाते आदमी रोते रहता है। बीवी, बाल-बच्चा, मां-बाप से अलग रहना पड़ता है।' आंखों में आंसू लिए यह दर्द दो प्रवासी मजदूर अमरजीत कुमार कामत और रघुनंदन ने भास्कर से बयां किया। चुनाव खत्म होने के बाद दोनों सुपौल से गोवा कमाने जा रहे थे। उन्होंने आगे बताया, 'ट्रेनों में बहुत भीड़ है, हफ्ते में एक ट्रेन है, इसी में ठूंस-ठूंसकर सभी जा रहे। वोट लेते वक्त ट्रेनें फ्री हो जाती हैं, एक्स्ट्रा ट्रेनें भी चला दी जाती है। चुनाव खत्म, सब सुविधा भी खत्म।' छठ महापर्व को लेकर बिहार आए प्रवासियों का वापस बाहर जाने का सिलसिला जारी है। छठ के अगले दिन से अब तक करीब 78 लाख लोग बिहार से वापस बाहर जा चुके हैं। उत्तर बिहार और सीमांचल के स्टेशनों से 15 दिनों में अब तक करीब 30 लाख बाहर जा चुके हैं। इसका मतलब हर दिन औसतन उत्तर बिहार और सीमांचल से 2 लाख से अधिक यात्री बाहर जा रहे हैं। जबकि पूरे बिहार से औसतन 6 लाख यात्री ट्रेनों में चढ़ रहे हैं। प्रवासी मजदूर रघुनंदन ने कहा, 'सरकार बदलने आए थे, लेकिन सरकार फिर से नीतीश कुमार की ही बन गई। उम्मीद थी कि नई सरकार बनेगी। तेजस्वी की बात पसंद आई थी, इसीलिए वोट करने बिहार आए थे। फिर अब धक्के खाते जा रहे हैं।' बख्तियारपुर के मजदूर विनोद कहते हैं कि 'लालू सरकार बनाने आए थे, लेकिन NDA की बन गई। समस्तीपुर के अमित पंडित कहते हैं, जो वर्तमान सरकार है, यही सही है। पलायन पहले भी हो रहा था, अब भी हो रहा है। ये कोई नई बात नहीं है। बिहार में ना कभी रोजी रोजगार मिला है और ना कभी मिलेगा। यह असंभव है।' रेलवे स्टेशन पर MD रुस्तम ने कहा, 'RJD जीते या बीजेपी जीते, सरकार तो किसी का ना किसी का बनेगी ही। चुनाव खत्म हो गया है। अब हम लोगों को रोजगार चाहिए। रूस्तम ने आगे कहा, रूस्तम ने आगे कहा, 'स्पेशल ट्रेन भी नहीं चलाई जा रही है। जो ट्रेन है, इसमें सिर्फ दो बोगी जनरल है। जाने वाले सैकड़ों नहीं, हजारों हैं। सभी इसी में जा रहे हैं। कम से कम सरकार को इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि यहीं पर रोजी रोजगार मिले, ताकि पलायन नहीं करना पड़े। समस्तीपुर रेल मंडल से जारी रिपोर्ट के अनुसार, 30 अक्टूबर को सबसे ज्यादा 2 लाख 68 हजार से अधिक यात्री बिहार से बाहर गए। इसके बाद पहले चरण का चुनाव 6 नवंबर को हुआ। इसके महज पांच दिनों में उत्तर बिहार और सीमांचल से करीब 11 लाख परदेसी बाहर चले गए। पिछले साल की तुलना में पिछले पांच दिनों के अंदर उत्तर बिहार और सीमांचल से करीब 35 फीसदी ज्यादा यात्री ट्रेनों में सवार हुए। छठ पर्व से लेकर अब तक 77.62 लाख यात्री बिहार से बाहर जा चुके हैं। तस्वीर मुजफ्फरपुर स्टेशन की है। उत्तर बिहार और सीमांचल के जिलों से 15 दिनों के अंदर 30,92,853 यात्री बाहर गए हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान खत्म होने के बाद ट्रेनों में भारी भीड़ देखी जा रही है। रेलवे का अनुमान है कि अगले चार-पांच दिनों तक यह भीड़ रहेगी। लिहाजा, अगले कुछ दिनों तक स्पेशल ट्रेनों का परिचालन जारी रहेगा। छठ पर्व के बाद नियमित ट्रेनों के साथ-साथ स्पेशल ट्रेनों का भी परिचालन किया गया है। चुनाव बाद यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए रेलवे यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधा देगा। - ज्योति प्रकाश मिश्रा, डीआरएम, समस्तीपुर पूर्व मध्य रेलवे के आधिकारिक सूत्रों की मानें तो छठ के बाद 29 और 30 अक्टूबर को सबसे ज्यादा 14 लाख 31 हजार से अधिक यात्री बिहार से बाहर जाने वाली ट्रेनों के जनरल कोच में चढ़े। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 15 दिनों के अंदर 29 अक्टूबर को सर्वाधिक 7 लाख 16 हजार यात्री बाहर गए, जबकि पहले चरण के चुनाव के दिन सबसे कम 4 लाख 26 हजार यात्री बिहार से बाहर गए।

महाभारत का हुआ था जहां युद्ध उस कुरुक्षेत्र के रहस्य

कुरुक्षेत्र युद्ध कौरवों और पाण्डवों के मध्य कुरु साम्राज्य के सिंहासन की प्राप्ति के लिए कुरुक्षेत्र में युद्ध लड़ा गया था। आओ जानते हैं कुरुक्षेत्र के 5 रहस्य। कुरुक्षेत्र भारतीय राज्य हरियाणा का एक क्षेत्र है।

छोटे भाई का वध

मान्यता अनुसार यह कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण को डर था कि भाई-भाइयों के, गुरु-शिष्यों के व संबंधी कुटुंबियों के इस युद्ध में एक दूसरे को मरते देखकर कहीं ये संधि न कर बैठें। इसलिए ऐसी भूमि युद्ध के लिए चुनने का फैसला लिया गया जहां क्रोध और द्वेष के संस्कार पर्याप्त मात्रा में हों। तब श्रीकृष्ण ने कई दूत अनेकों दिशाओं में भेजे और उन्हें वहां की घटनाओं का जायजा लेने को कहा। एक दूत ने सुनाया कि कुरुक्षेत्र में बड़े भाई ने छोटे भाई को खेत की मेंड़ टूटने पर बहते हुए वर्षा के पानी को रोकने के लिए कहा। उसने साफ इनकार कर दिया। इस पर बड़ा भाई आग बबूला हो गया। उसने छोटे भाई को छुरे से गोद डाला और उसकी लाश को पैर पकड़कर घसीटता हुआ उस मेंड़ के पास ले गया और जहां से पानी निकल रहा था वहां उस लाश को पानी रोकने के लिए लगा दिया। इस कहानी को सुनकर श्रीकृष्ण ने तय किया कि यही भूमि भाई-भाई के युद्ध के लिए उपयुक्त है। जब श्रीकृष्ण आश्वस्त हो गए कि इस भूमि के संस्कार यहां पर भाइयों के युद्ध में एक दूसरे के प्रति प्रेम उत्पन्न नहीं होने देंगे तब उन्होंने युद्ध कुरूक्षेत्र में करवाने की घोषणा की।

कुरु का क्षेत्र

दूसरी कहानी अनुसार कहते हैं कि जब कुरु इस क्षेत्र की जुताई कर रहे थे तब इन्द्र ने उनसे जाकर इसका कारण पूछा। कुरु ने कहा कि जो भी व्यक्ति इस स्थान पर मारा जाए, वह पुण्य लोक में जाए, ऐसी मेरी इच्छा है। इन्द्र उनकी बात को हंसी में उड़ाते हुए स्वर्गलोक चले गए। ऐसा अनेक बार हुआ। इन्द्र ने अन्य देवताओं को भी ये बात बताई। देवताओं ने इन्द्र से कहा कि यदि संभव हो तो कुरु को अपने पक्ष में कर लो। तब इन्द्र ने कुरु के पास जाकर कहा कि कोई भी पशु, पक्षी या मनुष्य निराहार रहकर या युद्ध करके इस स्थान पर मारा जायेगा तो वह स्वर्ग का भागी होगा। ये बात भीष्म, कृष्ण आदि सभी जानते थे, इसलिए महाभारत का युद्ध कुरुक्षेत्र में लड़ा गया।

श्रवण कुमार की कहानी

मातृ और पितृ भक्त श्रवण कुमार की कहानी तो आपने सुनी ही होगी। श्रवण कुमार जैसे पितृभक्त खोजना मुश्किल है। वे अपने अंधे माता-पिता की सेवा पूरी तत्परता से करते थे, उन्हें किसी प्रकार का कष्ट नहीं होने देते थे। एक बार माता-पिता ने तीर्थ यात्रा की इच्छा की और वे उन्हें कांवर में बिठाकर तीर्थ यात्रा को चल दिए। बहुत से तीर्थ करा लेने पर एक दिन अचानक उसके मन में यह भाव आया कि पिता-माता को पैदल क्यों न चलाया जाए? उन्होंने कांवर जमीन पर रख दी और उन्हें पैदल चलने को कहा। अंधे माता और पिता पैदल चलने तो लगे पर उन्होंने साथ ही यह भी कहा- बेटा इस भूमि को जितनी जल्दी हो सके पार कर लेना चाहिए। वे तेजी से चलने लगे जब वह भूमि निकल गई तो श्रवणकुमार को माता-पिता के साथ इस तरह का व्यवहार करने पर बड़ा पश्चाताप हुआ और उसने पैरों में गिरकर क्षमा मांगी तथा फिर से दोनों को कांवर में बिठा लिया। उनके अंधे पिता ने कहा- पुत्र इसमें तुम्हारा दोष नहीं। उस भूमि पर किसी समय मय नामक एक असुर रहता था उसने जन्मते ही अपने ही पिता-माता को मार डाला था, उसी के संस्कार उस भूमि में अभी तक बने हुए हैं इसीसे उस क्षेत्र में गुजरते हुए तुम्हें ऐसी बुद्धि उपजी।

कुरुक्षेत्र का महत्व

महाभारत के वनपर्व के अनुसार, कुरुक्षेत्र में आकर सभी लोग पापमुक्त हो जाते हैं और जो ऐसा कहता है कि मैं कुरुक्षेत्र जाऊंगा और वहीं निवास करुंगा। यहां तक कि यहां की उड़ी हुई धूल के कण पापी को परम पद देते हैं। नारद पुराण में आया है कि ग्रहों, नक्षत्रों एवं तारागणों को कालगति से (आकाश से) नीचे गिर पड़ने का भय है, किन्तु वे, जो कुरुक्षेत्र में मरते हैं पुनः पृथ्वी पर नहीं गिरते, अर्थात वे पुनःजन्म नहीं लेते। भगवद्गीता के प्रथम श्लोक में कुरुक्षेत्र को धर्मक्षेत्र कहा गया है।

कुरुक्षेत्र के क्षेत्र

यहां एक विशाल तालाब है जिसका निर्माण महाभारत काल में ही हुआ था। यहां एक ज्योतिसर नामक स्थान हैं जहां पर श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। यहां पर ब्रह्मसरोवर, सन्निहित सरोवर, भद्रकाली मन्दिर, पिहोवा और श्री स्थानेश्वर महादेव मन्दिर व पूण्डरी नामक स्थान प्रसिद्ध है।

महाभारत में व्यूह रचना कितने प्रकार की थी?

महाभारत में आपने सिर्फ चक्रव्यूह का ही नाम सूना होगा। लेकिन महाभारत के युद्ध में कई प्रकार की व्यू रचना का उल्लेख मिलता है। युद्ध को लड़ने के लिए पक्ष या विपक्ष अपने हिसाब से व्यूह रचना करता था। व्यूह रचना का अर्थ है कि किस तरह सैनिकों को सामने खड़ा किया जाए। आसमान से देखने पर यह व्यूह रचना दिखाई देती है। जैसे क्रौंच व्यूह है, तो आसमान से देखने पर क्रौंच पक्षी की तरह सैनिक खड़े हुए दिखाई देंगे। इसी तरह चक्रव्यूह को आसमान से देखने पर एक घूमते हुए चक्र के समान सैन्य रचना दिखाई देती है। आओ जानते हैं कुछ खास व्यूह रचना के बारे में।

गरुड़ व्यूह : गरुड़ पक्षी का चित्र तो देखा ही होगा आपने। यह विशालकाय पक्षी भगवान विष्णु का वाहन है। युद्ध में सैनिकों को विपक्षी सेना के सामने इस तरह पंक्तिबद्ध खड़ा किया जाता है कि जिससे आसमान से देखने पर गरुढ़ पक्षी जैसी आकृति दिखाई दे। इसे ही गरुड़ व्यूह कहते हैं। महाभारत में इस व्यूह की रचना भीष्म पितामह ने की थी।

क्रौंच व्यूह : क्रौंच सारस की एक प्रजाति है। इस व्यूह का आकार इसी पक्षी की तरह होता था। महाभारत में इस व्यूह की रचना युधिष्ठिर ने की थी।

मकरव्यूह : प्राचीन काल में मकर नाम का एक जलचर प्राणी होता है। मकर का सिर तो मगरमच्छ की तरह लेकिन उसके सिर पर बकरी के सींगों जैसे सींग होते थे, मृग और सांप जैसा शरीर, मछली या मोर जैसी पूंछ और पैंथर जैसे पैर दर्शाए भी होते थे। वैदिक साहित्य में अक्सर तिमिंगिला और मकर का साथ-साथ जिक्र होता है। लेकिन संभवतः यहां व्यूह रचना से तात्पर्य मगर से होगा मकर से नहीं। महाभारत में इस व्यूह की रचना कौरवों ने की थी। >

कछुआ व्यूह : इसमें सेना को कछुए की तरह जमाया जाता है।

अर्धचंद्राकार व्यूह : अर्ध चंद्र का अर्थ तो आप समझते ही हैं। सैन्य रचना जब अर्ध चंद्र की तरह होती थी तो उसे अर्धचंद्राकार व्यूह रचना कहते थे। इस व्यूह की रचना अर्जुन ने कौरवों के गरुड़ व्यूह के प्रत्युत्तर में की थी।

मंडलाकार व्यूह : मंडल का अर्थ गोलाकार या चक्राकार होता है। इस व्यूह का गठन परिपत्र रूप में होता था। महाभारत में इस व्यूह की रचना भीष्म पितामह ने की थी। इसके प्रत्युत्तर में पांडवों ने व्रज व्यूह की रचना कर इसे भेद दिया था।

चक्रव्यूह : चक्रव्यूह को आसमान से देखने पर एक घूमते हुए चक्र के समान सैन्य रचना दिखाई देती है। इस चक्रव्यूह को देखने पर इसमें अंदर जाने का रास्ता तो नजर आता है, लेकिन बाहर निकलने का रास्ता नजर नहीं आता। आपने स्पाइरल देखा होगा बस उसी तरह का यह होता है। महाभारत में इस व्यूह की रचना गुरु द्रोण ने की थी।

चक्रशकट व्यूह : महाभारत युद्ध में अभिमन्यु की निर्मम हत्या के बाद अर्जुन ने शपथ ली थी कि जयद्रथ को कल सूर्यास्त के पूर्व मार दूंगा। तब गुरु द्रोणाचार्य ने जयद्रथ को बचाने के लिए इस व्यूह की रचना की थीं। लेकिन भगवान श्रीकृष्ण की चतुराई से जयद्रथ उस व्यूह से निकलकर बाहर आ गया और मारा गया।

वज्र व्यूह : वज्र एक तरह का हथियार होता है। ये दो प्रकार का होता था- कुलिश और अशानि। इसके ऊपर के तीन भाग तिरछे-टेढ़े बने होते हैं। बीच का हिस्सा पतला होता है। पर यह बड़ा वजनदार होता है। इसका आकार देखने में इन्द्रदेव के वज्र जैसा होता है। महाभारत में इस व्यूह की रचना अर्जुन ने की थी।

औरमी व्यूह : पांडवों के व्रज व्यूह के प्रत्युत्तर में भीष्म ने औरमी व्यूह की रचना की थी। इस व्यूह में पूरी सेना समुद्र के समान सजाई जाती थी। जिस प्रकार समुद्र में लहरें दिखाई देती हैं, ठीक उसी आकार में कौरव सेना ने पांडवों पर आक्रमण किया था।

श्रीन्गातका व्यूह : कौरवों के औरमी व्यूह के प्रत्युत्त में अर्जुन ने श्रीन्गातका व्यूह की रचना की थी। ये व्यूह एक भवन के समान दिखाई देता था। संभवतः इसे ही तीन शिखरों वाला व्यूह कहते होंगे।.इसके अलावा सर्वतोभद्र और सुपर्ण व्यूह का उल्लेख भी मिलता है।

क्या कर्ण के वैवस्वत मनु यमराज और शनिदेव भाई थे?

हिन्दू पुराण और महाभारत में कई रहस्य छिपे हुए हैं। उन्हें जानना और समझने बहुत ही कठिन है। पुराणों के जानकार मानते हैं कि वैवस्वत मनु, यमराज और शनिदेव और महाभारत के कर्ण भाई भाई थे।

वैवस्वत मनु और यमराज

विश्वकर्मा की पुत्री संज्ञा विवस्वान अर्थात सूर्य की पत्नी हुई। उसके गर्भ से सूर्य ने तीन संतानें उत्पन्न की। जिनमें एक कन्या और दो पुत्र थे। सबसे पहले प्रजापति श्राद्धदेव, जिन्हें वैवस्वत मनु कहते हैं, उत्पन्न हुए। तत्पश्चात यम और यमुना- ये जुड़वीं संतानें हुईं।

शनिदेव

भगवान सूर्य की तूसरी पत्नी छाया थीं। छाया को संज्ञा की छाया ही माना जाता था। छाया से ही शनिदेव का जन्म हुआ था।

कर्ण : सूर्य पुत्र कर्ण को महाभारत का एक महत्वपूर्ण योद्धा माना जाता है। कर्ण के धर्मपिता तो पांडु थे, लेकिन पालक पिता अधिरथ और पालक माता राधा थी। राजा शूरसेन की पुत्री कुंती अपने महल में आए महात्माओं की सेवा करती थी। एक बार वहां ऋषि दुर्वासा भी पधारे। कुंती की सेवा से प्रसन्न होकर दुर्वासा ने कहा, 'पुत्री! मैं तुम्हारी सेवा से अत्यंत प्रसन्न हुआ हूं अतः तुझे एक ऐसा मंत्र देता हूं जिसके प्रयोग से तू जिस देवता का स्मरण करेगी वह तत्काल तेरे समक्ष प्रकट होकर तेरी मनोकामना पूर्ण करेगा।' इस तरह कुंती को वह मंत्र मिल गया। एक दिन कुंती के मन में आया कि क्यों न इस मंत्र की जांच कर ली जाए। कहीं यह यूं ही तो नहीं? तब उन्होंने एकांत में बैठकर उस मंत्र का जाप करते हुए सूर्यदेव का स्मरण किया। उसी क्षण सूर्यदेव प्रकट हो गए। कुंती हैरान-परेशान अब क्या करें?

सूर्यदेव ने कहा, 'देवी! मुझे बताओ कि तुम मुझसे किस वस्तु की अभिलाषा करती हो। मैं तुम्हारी अभिलाषा अवश्य पूर्ण करूंगा।' इस पर कुंती ने कहा, 'हे देव! मुझे आपसे किसी भी प्रकार की अभिलाषा नहीं है। मैंने मंत्र की सत्यता परखने के लिए जाप किया था।' कुंती के इन वचनों को सुनकर सूर्यदेव बोले, 'हे कुंती! मेरा आना व्यर्थ नहीं जा सकता। मैं तुम्हें एक अत्यंत पराक्रमी तथा दानशील पुत्र देता हूं।' इतना कहकर सूर्यदेव अंतर्ध्यान हो गए।

कर्ण के अन्य भाई

कुंति पुत्र कर्ण एक महान योद्ध था जो कौरवों की ओर से लड़ा था। कुंती श्रीकृष्ण के पिता वसुदेव की बहन और भगवान कृष्ण की बुआ थीं। कुंति का पुत्र होने के कारण कर्ण भगवान श्री कृष्ण का भाई था। इसके अलावा पांचों पांडव भी कर्ण के भाई ही थे।

महर्षि वाल्मीकि की रामायण और गोस्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस के उत्तर कांड में फर्क क्यूं?

रामायण या रामचरित मानस के उत्तर कांड के संबंध में बहुत लोगों को इस बात का संशय है कि इसमें घटनाओं का वर्णन वैसा नहीं है जैसा कि शोधकर्ता मानते हैं। रामायण और रामचरित मानस दोनों ही का उत्तर कांड बहुत ही भिन्न है। ऐसा क्यों? यह शोध का विषय हो सकता है। रामानंद सागर द्वारा उत्तर कांड के नाम से उत्तर रामायण नाम का सीरियल बनाया गया है। आओ जानते हैं दोनों ही रामायण के काण्ड का फर्क।

वाल्मीकि कृत रामायण का उत्तर कांड

उत्तरकाण्ड में राम के राज्याभिषेक के अनन्तर कौशिकादि महर्षियों का आगमन, महर्षियों के द्वारा राम को रावण के पितामह, पिता तथा रावण का जन्मादि वृत्तान्त सुनाना, सुमाली तथा माल्यवान के वृत्तान्त, रावण, कुम्भकर्ण, विभीषण आदि का जन्म-वर्णन, रावणादि सभी भाइयों को ब्रह्मा से वरदान-प्राप्ति, रावण-पराक्रम-वर्णन के प्रसंग में कुबेरादि देवताओं का घर्षण, रावण सम्बन्धित अनेक कथाएँ, सीता के पूर्वजन्म रूप वेदवती का वृत्तान्त, वेदवती का रावण को शाप, सहस्त्रबाहु अर्जुन के द्वारा नर्मदा अवरोध तथा रावण का बन्धन, रावण का बालि से युद्ध और बालि की कांख में रावण का बन्धन, सीता-परित्याग, सीता का वाल्मीकि आश्रम में निवास, निमि, नहुष, ययाति के चरित, शत्रुघ्न द्वारा लवणासुर वध, शंबूक वध तथा ब्राह्मण पुत्र को जीवन प्राप्ति, भार्गव चरित, वृत्रासुर वध प्रसंग, किंपुरुषोत्पत्ति कथा, राम का अश्वमेध यज्ञ, वाल्मीकि के साथ राम के पुत्र लव कुश का रामायण गाते हुए अश्वमेध यज्ञ में प्रवेश, राम की आज्ञा से वाल्मीकि के साथ आयी सीता का राम से मिलन, सीता का रसातल में प्रवेश, भरत, लक्ष्मण तथा शत्रुघ्न के पुत्रों का पराक्रम वर्णन, दुर्वासा-राम संवाद, राम का सशरीर स्वर्गगमन, राम के भ्राताओं का स्वर्गगमन, तथा देवताओं का राम का पूजन विशेष आदि वर्णित है।

तुलसीदास गोस्वामी कृत रामचरितमानस का उत्तर कांड

इसमें मंगलाचरण, भरत विरह तथा भरत-हनुमान मिलन, अयोध्या में आनंद, श्री रामजी का स्वागत, भरत मिलाप, सबका मिलनानन्द, राम राज्याभिषेक, वेदस्तुति, शिवस्तुति, वानरों की और निषाद की विदाई, रामराज्य का वर्णन, पुत्रोत्पति, अयोध्याजी की रमणीयता, सनकादिका आगमन और संवाद, हनुमानजी के द्वारा भरतजी का प्रश्न और श्री रामजी का उपदेश, श्री रामजी का प्रजा को उपदेश (श्री रामगीता), पुरवासियों की कृतज्ञता, श्री राम-वशिष्ठ संवाद, श्री रामजी का भाइयों सहित अमराई में जाना, नारदजी का आना और स्तुति करके ब्रह्मलोक को लौट जाना, शिव-पार्वती संवाद, गरुड़ मोह, गरुड़जी का काकभुशुण्डि से रामकथा और राम महिमा सुनना, काकभुशुण्डि का अपनी पूर्व जन्म कथा और कलि महिमा कहना, गुरुजी का अपमान एवं शिवजी के शाप की बात सुनना, रुद्राष्टक, गुरुजी का शिवजी से अपराध क्षमापन, शापानुग्रह और काकभुशुण्डि की आगे की कथा, काकभुशुण्डिजी का लोमशजी के पास जाना और शाप तथा अनुग्रह पाना, ज्ञान-भक्ति-निरुपण, ज्ञान-दीपक और भक्ति की महान महिमा, गरुड़जी के सात प्रश्न तथा काकभुशुण्डि के उत्तर, भजन महिमा, रामायण माहात्म्य, तुलसी विनय और फलस्तुति और रामायणजी की आरती का वर्णन मिलता है। वाल्मीकि कृत उत्तर कांड में राम के रावण वध की आगे की गाथा का वर्णन है, जिसमें राम का राज्याभिषेक, सीता परित्याग, वाल्मीकि आश्रम में लव और कुश का जन्म, बचपन और सीता का जीवन। शत्रुघ्न द्वारा लवणासुर का वध और इसके अलावा पूर्व के ऋषि मुनियों और राजाओं की गाथा का वर्णन मिलेगा। दूसरी ओर गोस्वामी तुलसीदास कृत रामचरित मानस में शिव और पार्वती का रामकथा के संबंध में संवाद, काकभुशुण्डि और गरुढ़ संवाद सहित ज्ञान और उपदेश की बातें ही ज्यादा हैं। इसमें सीता परित्याग और लव एवं कुश के बारे में उल्लेख नहीं मिलता है। विद्वान लोग मानते हैं कि ऋषि वाल्मीकि राम के समकालीन थे और गोस्वामी तुलसीदास राम के भक्त थे। यदि प्रमाण की बात सामने आए तो वाल्मीकि रामायण को ही प्रमाण मानना चाहिए, क्योंकि वही सही रामायण है। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस को लिखने के पूर्व वाल्मीकि कृत रामायण सहित दक्षिण भारत की रामायण को भी पढ़ा था। अतः उन्होंने सभी को पढ़कर लिखा जबकि वाल्मीकि ने राम के जीवन को देखकर रामायण को लिखा था।

अश्वमेध यज्ञ क्या होता है, खास बातें

अश्वमेध यज्ञ को कुछ विद्वान एक राजनीतिक और कुछ विद्वान इसे आध्यात्मिक प्रयोग मानते हैं। कहा जाता है कि इसे वही सम्राट कर सकता था, जिसका अधिपत्य अन्य सभी नरेश मानते थे। कालांतर में यह यज्ञ जो नरेश जिस समाज से संबंध रखता था उस समाज की रीति के अनुसार करता था। इसके कारण इस यज्ञ को करने में कई बुरी परंपराएं भी जुड़ गई। वैदिक रीति से किया गया यज्ञ ही धर्मसम्मत माना गया है। यज्ञ का प्रारम्भ बसन्त अथवा ग्रीष्म में होता था तथा इसके पूर्व प्रारम्भिक अनुष्ठानों में प्रायः एक वर्ष का समय लगता था। इस बीच नगर में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम और उत्सव होते थे। यज्ञ करने के बाद अश्व को स्वतन्त्र विचरण करने के लिए छोड़ दिया जाता था। जिसके पीछे यज्ञकर्ता राजा की सेना होती थी। जब यह अश्व दिग्विजय यात्रा पर जाता था तो स्थानीय लोग इसके पुनरागमन की प्रतिक्षा करते थे। इस अश्व के चुराने या इसे रोकने वाले नरेश से युद्ध होता था। यदि यह अश्व खो जाता तो दूसरे अश्व से यह क्रिया पुनः आरम्भ की जाती थी। कहते हैं कि अश्वमेध यज्ञ ब्रह्म हत्या आदि पापक्षय, स्वर्ग प्राप्ति एवं मोक्ष प्राप्ति के लिए भी किया जाता था। कुछ विद्वान मानते हैं कि अश्वमेध यज्ञ एक आध्यात्मिक यज्ञ है जिसका संबंध गायत्री मंत्र से जुड़ा हुआ है। श्रीराम शर्मा आचार्य कहते हैं कि 'अश्व' समाज में बड़े पैमाने पर बुराइयों का प्रतीक है और 'मेधा' सभी बुराइयों और अपनी जड़ों से दोष के उन्मूलन का संकेत है। जहां भी इन अश्वमेध यज्ञ का प्रदर्शन किया गया है, उन क्षेत्रों में अपराधों और आक्रामकता की दर में कमी का अनुभव किया है। अश्वमेध यज्ञ पारिस्थितिकी संतुलन के लिए और आध्यात्मिक वातावरण की शुद्धि के लिए गायत्री मंत्र से जुड़ा है। गुप्त साम्राज्य के पतन के बाद अश्वमेध प्रायः बन्द ही हो गया।

साउथ अफ्रीका ने ईडन गार्डन्स में तोड़ा 53 साल पुराना रिकॉर्ड, रच डाला ये इतिहास

कोलकाता (एजेंसी)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला गया पहला टेस्ट मैच मात्र तीन दिनों में ही समाप्त हो गया। साउथ अफ्रीका ने इस मुकाबले में भारतीय टीम को करारी शिकस्त देते हुए दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 की अहम बढ़त बना ली है। इस जीत के साथ ही मेहमान टीम ने ईडन गार्डन्स के मैदान पर 53 साल पुराना एक बड़ा रिकॉर्ड भी ध्वस्त कर दिया है।

53 साल पुराना टूटा रिकॉर्ड

साउथ अफ्रीका ने भारत के सामने जीत के लिए केवल 124 रन का छोटा लक्ष्य रखा था। यह लक्ष्य भले ही छोटा था, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों के लिए इसे हासिल करना %पहाड़ चढ़ने% जैसा साबित हुआ। अगर भारतीय टीम यह लक्ष्य सफलतापूर्वक चेज कर लेती, तो वह 21 साल पहले कायम किए गए अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ती। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और इसके उलट, साउथ अफ्रीका ने 124 रन का यह मामूली स्कोर सफलतापूर्वक डिफेंड करके ईडन गार्डन्स पर सबसे कम स्कोर का बचाव करने का 53 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले, ईडन गार्डन्स पर सबसे कम स्कोर को डिफेंड करने का रिकॉर्ड 1972 में बने 192 रन का था, जिसे अब साउथ अफ्रीका ने 124 रन बचाकर पीछे छोड़ दिया है।

भारत में 15 साल बाद मिली टेस्ट जीत

124 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम अपनी दूसरी पारी में 100 रन भी नहीं बना सकी। कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति का झटका तो टीम को पहले ही लगा था, लेकिन बाकी बल्लेबाजों ने भी निराश किया। भारतीय टीम के 9 विकेट महज 93 रन पर गिर गए। परिणामस्वरूप, साउथ अफ्रीका ने यह मुकाबला 30 रन से जीत लिया। यह साउथ अफ्रीका की भारत में 15 साल बाद पहली टेस्ट जीत भी है।

पृथ्वी ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 5000 रन पूरे किये

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र की ओर से खेलते हुए पृथ्वी शॉ ने रणजी ट्रॉफी एलीट मैच में पंजाब के खिलाफ अर्धशतक लगाते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। पृथ्वी ने इस मैच में 74 रन बनाते ही फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 5000 रन पूरे कर लिये हैं। इसके लिए उन्होंने कुल 109 पारियां खेली हैं। शॉ ने पंजाब के हरप्रीत बराड़ के हाथों आउट होने से पहले 117 गेंदों पर 74 रन बनाये जिसमें 4 चौके और 2 छक्के शामिल हैं।

अब तक पृथ्वी ने कुल 36 मैचों ी 109 पारियों में 5026 रन बनाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 379 रन वहीं औसत 47.16 रन हैं। इस दौरान स्ट्राइक रेट 84.07 रहा है। वहीं इस दौरान 14 शतक उन्होंने लगाये हैं। वहीं 20 अर्धशतक लगाये हैं। पृथ्वी ने इससे पहले 156 गेंदों पर 29 चौकों और पांच छक्कों की मदद से 142.31 की स्ट्राइक रेट से 222 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 73 गेंदों में अपना शतक और 141 गेंदों में दोहरा शतक पूरा किया। उनके नाम 21वीं सदी में रणजी ट्रॉफी की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का रिकॉर्ड भी है।

हार के लिए पिच को जिम्मेदार नहीं मानते : गंभीर

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही टेस्ट में मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा है कि पिच को हम दोष नहीं देते हैं। उन्होंने कहा कि यह बिल्कुल वैसी ही पिच थी जैसी उन्हें चाहिए थी। इस मैच में भारतीय टीम जीत के लिए मिले 124 रनों के लक्ष्य का पीछा नहीं कर पाये और 93 रनों पर ही सिमट गयी। गंभीर ने कहा, 'ऐसा नहीं है कि इस पिच पर रन नहीं बनाये जा सकते थे। यह वैसी ही थी जैसी हमने मांगी थी और हमें यही मिला। उन्होंने क्यूरेटर सुजन मुखर्जी के काम को भी ठीक बताया। साथ ही कहा कि यह एक ऐसा विकेट है जिसपर मानसिक मजबूती की परीक्ष होती है। इसपर रक्षात्मक अंदाज से खेलने वाले रन बनाने में सफल रहे हैं।

गंभीर ने कहा कि दक्षिण अफ्रीकी कप्तान तेम्बा बावुमा ने 55 और वाशिंगटन सुंदर ने इस पिच पर 31 रन बनकार दिखाया कि रन बनाये जा सकते हैं। उन्होंने कहा, 'यह बिल्कुल वैसी ही पिच है जैसी हमें चाहिए थी। इसमें कोई भी कमी नहीं थी। अक्षर, तेम्बा, वाशिंगटन ने रन बनाए। टर्निंग विकेट होने के बाद भी इसपर तेज गेंदबाजों को काफी विकेट मिले है। गंभीर ने यह भी कहा कि टॉस के प्रभाव को कम करने के लिए हमने इस प्रकार की पिच तैयार करवायी थी। उन्होंने कहा, 'हम पहले दिन से ही स्पिनरों के लिए सहायत पिच की मांग करते हैं जिससे टॉस महत्वपूर्ण नहीं हो जाए। अगर हम टेस्ट जीत जाते, तो पिच के बारे में इतने बातें ही नहीं होतीं। हमारे पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो किसी भी हालात में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

सिंधु और हर्षित की शानदार गेंदबाजी, भारत ए ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

राजकोट (एजेंसी)। निशांत सिंधु (चार विकेट) और हर्षित राणा (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद ऋतुराज गायकवाड़ (नाबाद 68) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत भारत ए ने रविवार को दूसरे अनौपचारिक एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ए को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी।

132 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत ए के लिए ऋतुराज गायकवाड़ और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 53 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई। भारत ए का पहला विकेट नौवें ओवर की पहली गेंद पर अभिषेक शर्मा के रूप में गिरा। अभिषेक शर्मा ने 22 गेंदों में छह चौके लगाते हुए 32 रनों की पारी खेली। उन्हें लुथो सिपामला ने आउट किया। भारत ए ने 27.5 ओवर में एक विकेट पर 135 रन बनाकर मुकाबला 9 विकेट से जीत लिया।

तिलक वर्मा 62 गेंदों में 29 रन बनाकर नाबाद रहे। ऋतुराज गायकवाड़ ने 83 गेंदों में नौ चौको की मदद से 68 रनों की नाबाद मैच विजयी पारी खेली। इससे पहले आज यहां दक्षिण अफ्रीका ए ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सलामी बल्लेबाज लुआन-द्रे प्रेटोरियस और रिवाल्डो मूनसामी की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 39 रन जोड़े। आठवें ओवर में हर्षित राणा ने लुआन-द्रे प्रेटोरियस (21) को आउटकर भारत ए को पहली सफलता दिलाई। 11वें ओवर में निशांत सिंधु ने रिवाल्डो मूनसामी (33) का शिकार कर लिया।

कप्तान मार्केर्स ऐकरमैन (7) और जॉर्डन हरमन (5) को हर्षित ने आउट किया। सिंधु ने सिनेतेम्बा केशिले (तीन) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। 73 पर पांच विकेट गिरने के बाद संकट मे फंसी दक्षिण अफ्रीका के लिए डायन फॉरेस्टर और डेलानो पॉटजीटर की जोड़ी ने संभाल कर खेलते हुए छठे विकेट के लिए 34 रन जोड़े। 24वें ओवर में तिलक वर्मा ने डियान फॉरेस्टर (22) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा।

डेलानो पॉटजीटर (23) को प्रसिद्ध कृष्णा ने अपना शिकार बनाया। 29वें ओवर में निशांत सिंधु ने एन पीटर और लुथो सिपामला को बिना खाता खोले ही पवेलियन भेज दिया। 31वें ओवर की तीसरी गेंद पर प्रसिद्ध कृष्णा ने प्रीनेलान सुब्रायेन (15) को आउट कर दक्षिण अफ्रीका ए टीम का 132 के स्कोर पर अंत कर दिया। भारत ए के लिए निशांत सिंधु ने 14 रन देकर चार विकेट लिये। हर्षित राणा ने 21 रन देकर तीन विकेट झटके। प्रसिद्ध कृष्णा को दो विकेट मिले। तिलक वर्मा ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

मूक बधिर ओलंपिक में भारत के धनुष ने स्वर्ण जीता

टोक्यों । भारत के धनुष श्रीकांत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां जारी बधिर ओलंपिक में पुरुषों की एयर राइफल स्पर्धा में पहला स्थान हासिल करने के साथ ही स्वर्ण पदक जीता। श्रीकांत ने सबसे अधिक 252.2 अंक हासिल करने के साथ ही नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। वहीं भारत की ओर से मोहम्मद मुर्तजा वानिया ने 250.1 के अंतिम स्कोर के साथ ही रजत पदक, जबकि कोरिया के बेक सेउंगहाक ने 223.6 के स्कोर के साथ ही कांस्य पदक पर कब्जा किया। भारत की ओर से धनुष ने क्वालिफिकेशन में 623.3 का स्कोर बनाया था और किम से पीछे रहे थे, जिन्होंने 625.1 का स्कोर बनाया था। भारत इस समय अंक तालिका में दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीतकर आठवें स्थान पर है। वहीं यूक्रेन 19 स्वर्ण, छह रजत और 13 कांस्य पदक जीतकर तालिका में इस समय नंबर एक पर है। भारत ने 65 सदस्यीय दल में 10 निशानेबाज शामिल हैं।

शुभमन गर्दन में दर्द के बाद अस्पताल में भर्ती, जांच के बाद होगा आगे खेलने पर फैसला : बीसीसीआई

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल को गर्दन में दर्द के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ऐसे में अब शुभमन इस मैच में शायद ही पहले टेस्ट में आगे खेल पायें। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी कहा है कि शुभमन के आगे खेलने का फैसला जांच पर निर्भर रहेगा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ईडन गार्डन में बल्लेबाजी करने के दौरान एक शॉट लगाते समय उनकी गर्दन जकड़न आ गयी थी जिसके समस्या वह गर्दन को हिला भी नहीं पा रहे थे। इसी कारण उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा था। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुभमन अभी अस्पताल में हैं। (बीसीसीआई) ने कहा कि शुभमन को चिकित्सा निगरानी में रखा गया है उनके आगे खेलने का फैसला जांच रिपोर्ट के आधार पर ही लिया जाएगा हालांकि जिस प्रकार से उन्हें दर्द है उसको देखते हुए उन्हें शायद ही शामिल किया जाये।

भारतीय बल्लेबाजों को ऐसी पिचों पर रन बनाने का तरीका ढूंढना होगा, भारत की हार पर बोले पुजारा

नई दिल्ली । भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन मेजबान टीम को विश्व टेस्ट चैंपियन के हाथों हार का सामना करना पड़ा। जियोस्टार के पोस्ट-मैच शो 'क्रिकेट लाइव' में बोलते हुए जियोस्टार के विशेषज्ञ चेतेश्वर पुजारा ने पिच के साथ भारत की मुश्किलों, बल्ले से कमजोरी और दूसरी पारी में कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति पर प्रकाश डाला। 'क्रिकेट लाइव' पर बात करते हुए पुजारा ने भी बताया कि पहले टेस्ट में टीम इंडिया के लिए क्या गलत हुआ। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि सबसे पहले, हमें नहीं पता कि टीम प्रबंधन वास्तव में ऐसी पिच चाहता था या नहीं। लेकिन सतह चाहे जो भी हो, आपको उस पर अच्छा प्रदर्शन करना होगा और अच्छी तैयारी करनी होगी। मैं कहूंगा कि हमें थोड़ी बेहतर गेंदबाजी करनी चाहिए थी और साथ ही, बेहतर बल्लेबाजी भी करनी चाहिए थी।' पुजारा ने कहा, 'दुर्भाग्य से हमारे पास एक बल्लेबाज कम था। शुभमन गिल पहली पारी में चोटिल हो गए और दूसरी पारी में भी उपलब्ध नहीं थे। यह भारतीय टीम के लिए एक बड़ा नुकसान था। लेकिन भारतीय बल्लेबाजों को ऐसी पिचों पर रन बनाने का तरीका ढूंढना होगा। अगर भारतीय टीम ऐसी सतहों पर और मैच खेलती है, तो रन बनाने के मौके कहां से आएंगे? यह एक ऐसी बात है जिस पर टीम मीटिंग में चर्चा होनी चाहिए। बल्लेबाजी कोच को भी बल्लेबाजों से बात करनी होगी। उन्हें अपने पैरों का इस्तेमाल करना होगा, स्वीप शॉट खेलना होगा और ऐसी पिचों पर थोड़ा और सकारात्मक खेलना होगा। आपको गेंदबाज पर दबाव बनाना होगा और यही कुछ ऐसा जो भारतीय बल्लेबाज इस खास टेस्ट मैच में करने में नाकाम रहे।'

वरुण चक्रवर्ती को मिली सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तमिलनाडु की कप्तानी

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को इस सत्र की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए तमिलनाडु का कप्तान नियुक्त किया गया है। यह प्रतिष्ठित टी-20 टूर्नामेंट 26 नवंबर से पूरे देश में शुरू हो रहा है। वरुण चक्रवर्ती ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी सरजमीं पर खेली गई टी-20 श्रृंखला में अहम योगदान दिया, जिसमें तीन मैचों में उन्होंने पांच विकेट लिए और भारत की 2-1 से जीत में निर्णायक भूमिका निभाई।

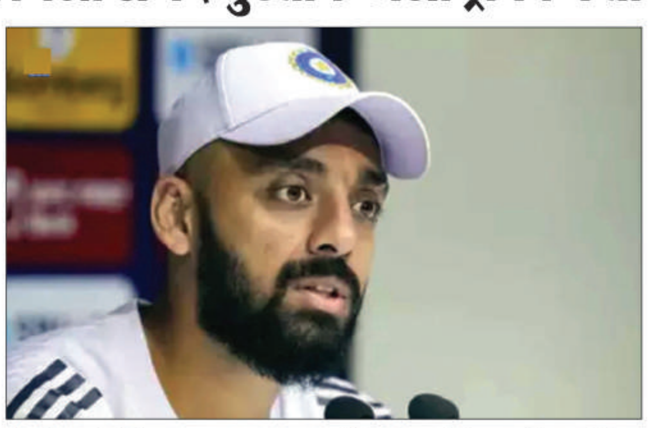

भारतीय बल्लेबाज नारायण जगदीशन को तमिलनाडु टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। टीम में बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर और आंद्रे सिद्धार्थ भी शामिल हैं, वहीं भारत के तेज गेंदबाज टी नटराजन को भी इस टूर्नामेंट के लिए टीम में जगह मिली है।

तमिलनाडु को इस सीजन की रणजी ट्रॉफी में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद एलीट ग्रुप डी में रखा गया है। इस ग्रुप में राजस्थान, दिल्ली, उत्तराखंड, कर्नाटक, त्रिपुरा, झारखंड और सौराष्ट्र भी शामिल हैं। तमिलनाडु अपना अभियान अहमदाबाद में राजस्थान के खिलाफ मैच से शुरू करेगी। टीम का यह संतुलित संयोजन और वरुण चक्रवर्ती की कप्तानी तमिलनाडु के लिए इस सीजन में मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद जगाती है।

तमिलनाडु का स्क्वॉड: वरुण चक्रवर्ती (कप्तान), नारायण जगदीशन, तुषार रहेजा, वीपी अमित सात्विक, शाहरुख खान, आंद्रे सिद्धार्थ, प्रदोष रंजन पॉल, शिवम सिंह, आर साई किशोर, एम सिद्धार्थ, टी नटराजन, गुरजपनीत सिंह, ए एसाक्कीमुथु, आर सोनू यादव, आर सिलंबरासन और एस ऋतिक ईश्वरन

गांगुली ने क्यूरेटर का बचाव किया, भारतीय टीम की मांग के अनुसार बनायी थी पिच, कोच गंभीर ने की थी पिच की आलोचना

कोलकाता । बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) के प्रमुख सौरव गांगुली ने पिच को लेकर हो रही आलोचओं को गलत बताया है। गांगुली ने क्यूरेटर सुजान मुखर्जी का बचाव करते हुए कहा कि पिच भारतीय टीम की मांग के अनुसार ही तैयार की गयी थी। ऐसे में टीम की हार के लिए पिच और क्यूरेटर को दोष देना ठीक नहीं है। कोलकाता की पिच पर भारत-दक्षिण अफ्रीका टेस्ट तीसरे ही दिन समाप्त हो गया था। -इसी कारण कई दिग्गजों ने पिच पर सवाल उठाये हैं। इसको लेकर दिग्गज स्पिनर हरभजन ने कहा कि यहां तो सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे बल्लेबाजों के लिए भी खेलना कठिन है। गांगुली ने कहा- पिच भारतीय टीम की मांग पर बनाई गई है। जब आप चार दिनों तक पिच को पानी नहीं देते, तो यही होता है। क्यूरेटर की इसमें गलती कहीं से नहीं है। वहीं इससे पहले क्यूरेटर ने भी कहा था कि टीम प्रबंधन की ओर से 'रैंक टर्नर' जैसी कोई विशेष मांग नहीं की गयी थी। इस पिच पर दोनो ही टीमों 200 रनों तक भी नहीं पहुंच पायीं1 पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका ने 159 जबकि भारतीय टीम ने 189 रन बनाये दूसरी पारी में भी अफ्रीकी टीम 154 रनों पर ही आउट हो गयी। इसके बाद 124 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 93 रन ही बना पायी। तीन दिन में ही दोनो ही टीमों की कुल मिलाकर चार पारियां सिमट गयीं। वहीं इससे पहले भारतीय टीम और कोच गौतम गंभीर ने पिच की आलोचना करते हुए कहा था कि ये गेंदबाजी के लिए अनुकूल थी और इसमें बल्लेबाजों के लिए कुछ नहीं था।

जब धुरंधर भी नहीं बचा सके भारतीय बल्लेबाजी

- टी20 में टीम इंडिया की सबसे बड़ी नाकामियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 क्रिकेट में टीम इंडिया को दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में गिना जाता है। रोहित शर्मा, विराट कोहली और सुरेश रैना जैसे विस्फोटक बल्लेबाजों ने इस फॉर्मेट में कई ऐतिहासिक जीत दिलाई हैं। लेकिन इस सुनहरे सफर के बीच कुछ ऐसे दिन भी आए जब भारतीय बल्लेबाजी बुरी तरह लड़खड़ा गई और टीम 100 रन का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाई। ऐसे पांच मुकाबले भारतीय टी20 इतिहास के सबसे निराशाजनक दिनों में शामिल हैं।

भारत का अब तक का सबसे कम टी20 स्कोर 74 रन है, जो 2008 में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बना था। उस दिन ऑस्ट्रेलियाई पेस अटैक के सामने भारतीय बल्लेबाज पूरी तरह असहाय दिखे। इरफान पठान ने 26 रन बनाकर कुछ उम्मीद जगाई, लेकिन बाकी बल्लेबाज रन जुटाने के लिए संघर्ष करते रहे और पूरी टीम 17.3 ओवर में ढह गई। 2016 टी20 विश्व कप का नागपुर मैच भी भारतीय फैंस के लिए किसी गहरे झटके जैसा था। न्यूजीलैंड के मिशेल सैंटनर और ईश सोढ़ी ने धीमी पिच का फायदा उठाते हुए भारतीय बल्लेबाजों को 18.1 ओवर में सिर्फ 79 रन पर समेट दिया। इस हार ने साबित किया कि स्पिन-अनुकूल परिस्थितियों में भी भारत की बल्लेबाजी कमजोर पड़ सकती है।

2021 में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भारत सीमित विकल्पों के साथ उतरा था, क्योंकि कोविड प्रोटोकॉल की वजह से कई खिलाड़ी आइसोलेशन में थे। युवा टीम श्रीलंकाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 20 ओवर में सिर्फ 81 रन जुटा पाई। यह हार न सिर्फ स्कोर के कारण चर्चा में रही, बल्कि इसलिए भी कि इस मैच ने टीम की बेंच स्ट्रेंथ की वास्तविक स्थिति सामने रखी। इसी तरह 2015 में कटक में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजी बुरी तरह बिखर गई। तेज गेंदबाजों की उछाल और धार के सामने बल्लेबाजों ने गलत शॉट खेलकर विकेट गंवाए और टीम 17.2 ओवर में केवल 92 रन पर सिमट गई। 2016 में पुणे में श्रीलंका के खिलाफ हुई हार भी भारतीय क्रिकेट इतिहास की चौंकाने वाली घटनाओं में शामिल है। डेब्यू मैच खेल रहे कसुन रजिता ने तीन विकेट लेकर भारत की बल्लेबाजी की रीढ़ तोड़ दी। नतीजा यह रहा कि टीम 18.5 ओवर में सिर्फ 101 रन बना पाई और मैच गंवा दिया। इन सभी मुकाबलों ने यह एहसास कराया कि चाहे टीम कितनी भी मजबूत क्यों न हो, गलत परिस्थितियों और आक्रामक गेंदबाजी के सामने बड़े-बड़े सितारे भी फ्लॉप हो सकते हैं। ये हारें भारतीय क्रिकेट के लिए सीख साबित हुईं कि किसी भी परिस्थिति या विपक्ष को हल्के में लेना बड़ा जोखिम बन सकता है।

हेजलवुड की चोट से ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, पर्थ एशेज टेस्ट से बाहर

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पर्थ स्टेडियम में होने वाले पहले एशेज टेस्ट से ठीक एक हफ्ता पहले मेजबान टीम को बड़ा झटका लगा है। अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड हैमस्ट्रिंग स्ट्रेन के कारण इस मुकाबले से बाहर हो गए हैं। हेजलवुड की अनुपस्थिति इंग्लैंड के लिए फायदा साबित हो सकती है, क्योंकि उनकी गिनती इस समय दुनिया के सबसे खतरनाक गेंदबाजों में होती है। इससे पहले कप्तान पैट कमिंस भी चोट के कारण टीम से बाहर हैं, जिससे ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाजी आक्रमण पर असर पड़ेगा। हेजलवुड ने दो दिन पूर्व सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर न्यू साउथ वेल्स के शेफील्ड शील्ड मैच के दौरान विक्टोरिया के खिलाफ खेलते हुए हैमस्ट्रिंग में चोटिल हो गए थे। शुरुआती स्कैन में कोई गंभीर समस्या नहीं दिखी थी, लेकिन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने शनिवार को पुष्टि की कि दोबारा किए गए इमेजिंग स्कैन में उन्हें हैमस्ट्रिंग स्ट्रेन है। सीए के बयान में कहा गया, 'शुरुआती इमेजिंग कभी-कभी कम-ग्रेड मांसपेशी चोटों को कम आंक सकती है। हेजलवुड अब पर्थ नहीं जाएंगे और उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया है।' इस अवसर पर माइकल नेसर को हेजलवुड और सीन एबॉट की जगह कवर के रूप में टीम में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नेसर ने अब तक दो टेस्ट मैच खेले हैं और 2021 में एडिलेड ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू किया था। हेजलवुड की चोट से ऑस्ट्रेलिया अब पर्थ में अपनी तेज गेंदबाजी लाइन-अप को लेकर संघर्ष कर रहा है, खासकर जब कमिंस भी निचले हिस्से की चोट के कारण बाहर हैं।

भारत की हार पर कुंबले का बड़ा बयान: दक्षिण अफ्रीका ने परिस्थितियों का बेहतरीन इस्तेमाल किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता टेस्ट के तीसरे दिन भारत को दक्षिण अफ्रीका के हाथों 30 रनों की हार का सामना करना पड़ा। मैच के बाद जियोस्टार के पोस्ट-मैच शो 'क्रिकेट लाइव' में पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले ने भारत की गलतियों, पिच की चुनौतियों और कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति पर खुलकर बात की।

कुंबले ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका ने मुश्किल परिस्थितियों का भारतीय टीम से कहीं बेहतर उपयोग किया। वे बोले, 'दक्षिण अफ्रीका ने निश्चित रूप से हालात का फायदा उठाया। पिच पर काफी उछाल और अनियमितता थी, लेकिन भारत फिर भी अधिक रन बना सकता था। शुभमन गिल का दोनों पारियों में न खेल पाना टीम के लिए बड़ी कमी साबित हुआ।'

उन्होंने आगे कहा कि बल्लेबाजी में भारत दबाव में घबरा गया और परिस्थितियों से ज़रूरत से ज़्यादा डर गया। कुंबले बोले, 'वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल ने दिखाया कि टिके रहकर रन बनाए जा सकते हैं। लेकिन भारत ने पिच को देखकर खेला, गेंद को देखकर नहीं।'

भारत 123 रनों के लक्ष्य का पीछा नहीं कर सका, जिस पर कुंबले ने कहा कि भारतीय गेंदबाजी बदलाव भी उस समय थोड़े कठोर और रक्षात्मक नज़र आए। 'दिन की शुरुआत में बुमराह को पहला ओवर न देना और क्षेत्ररक्षण में खामियां भारत को भारी पड़ीं।''

उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा की जमकर तारीफ की और कहा कि उन्हें वह पहचान नहीं मिलती जिसकी वे हकदार हैं। 'बावुमा ने कप्तान के रूप में 11 में से 10 टेस्ट जीते हैं। उनकी रणनीति, फील्ड सेटिंग और गेंदबाजों का इस्तेमाल शानदार था।'

कुंबले ने माना कि बावुमा के गेंदबाजी बदलाव ने मैच का रुख बदल दिया, खासकर जब एडेन मार्करम को सही समय पर लाया गया। हालांकि केशव महाराज का एक महंगा ओवर भी था, लेकिन टीम ने सही फैसलों से हालात अपने पक्ष में कर लिए। कुल मिलाकर, कुंबले ने साफ कहा कि, 'भारत इस मैच में दक्षिण अफ्रीका से हर विभाग में पीछे रहा और पिच को लेकर बहुत ज़्यादा परेशान दिखा।'

देर रात मिली दो ट्रेनों में बम रखे होने सूचना, यात्रियों में मचा हड़कंप

-एक ट्रेन को अलीगढ़ तो दूसरी को इटावा में रोक कर किया चेक, अफवाह निकली

इटावा (एजेंसी)। दिल्ली ब्लास्ट के बाद बम की सूचना ने रेलवे और पुलिस प्रशासन की नींद उड़ा दी। दो ट्रेनों में बम की सूचना मिली थी। इससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। दोनों ट्रेनों को रोककर जांच की गई। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात पुलिस महकमे में उस समय अफरा तफरी मच गई जब इटावा जंक्शन पर दिल्ली से आने वाली दो ट्रेनों स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस व शिवगंगा काशी एक्सप्रेस में बम रख होने की सूचना मिली तुरंत चेकिंग के निर्देश दिए गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस को अलीगढ़ में चैक किया। शिवगंगा ट्रेन को इटावा में चैक किया गया। एसएसपी पुलिस बल के साथ स्टेशन पर पहुंचे और चैकिंग की। हालांकि चेकिंग में कुछ नहीं मिला। यह खबर झूठी निकली। कुछ देर बाद ट्रेन को रवाना किया गया।

सोनभद्र में खदान धंसने से बड़ा हादसा : 1 की मौत, 15 के दबे होने की आशंका

सोनभद्र (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में शनिवार शाम बड़ा हादसा हो गया, जब ओबरा थाना क्षेत्र के बिल्ली मरकुंडी खनन इलाके में पत्थर की खदान धंस गई। हादसे में अब तक एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि करीब 15 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच गई और रातभर से राहत-बचाव कार्य जारी है। भारी मलबे को हटाने के लिए बड़ी मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जैसे-जैसे मलबा हटेगा, फंसे लोगों तक पहुंचने की उम्मीद बढ़ेगी। घटनास्थल के आसपास के गांवों में दहशत और बेचैनी का माहौल है।

माकपा ने तमिलनाडु में गणना फॉर्म समय सीमा बढ़ाने की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। माकपा ने आरोप लगाया कि 2002 से संबंधित मतदाता सूची में परिवार के सदस्यों के नाम ऑनलाइन ढूंढना बेहद कठिन है। पार्टी ने निर्वाचन आयोग से आग्रह किया है कि गणना फॉर्म जमा करने की समय सीमा 4 दिसंबर तक बढ़ाई जाए। निर्वाचन आयोग ने दावा किया था कि 13 नवंबर तक लगभग 80 प्रतिशत मतदाताओं को फॉर्म वितरित किए जा चुके हैं। माकपा ने इस दावे पर संदेह जताते हुए सभी लोगों तक फॉर्म का उचित वितरण सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों के हस्तक्षेप की मांग की है। माकपा के राज्य सचिव पी. षणमुगम ने कहा कि बीएलओ अक्सर फॉर्म के दायरे और भरने के मुख्य बिंदुओं को समझाने में कठिनाई महसूस करते हैं। इसलिए निरक्षर मतदाता फॉर्म भरने में मुश्किलों का सामना करते हैं और उन्हें समय सीमा बढ़ाने की जरूरत है।

सुकमा में नक्सलियों के साथ मुठभेड़, तीन की मौत

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के भेज्जी और चिंतागुफा थाना क्षेत्रों में रविवार सुबह जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की टीम ने नक्सल विरोधी अभियान चलाया। माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, मुठभेड़ में अब तक तीन नक्सली मारे गए हैं। अभियान अभी भी जारी है। इस साल छत्तीसगढ़ में अब तक कुल 262 नक्सली मारे जा चुके हैं। इनमें से 233 बस्तर संभाग (सुकमा सहित सात जिले) में, 27 गरियाबंद जिले (रायपुर संभाग) में और दो दुर्ग संभाग के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में मारे गए। सुरक्षाबलों की यह कार्रवाई राज्य में नक्सली गतिविधियों को कम करने के प्रयासों का हिस्सा मानी जा रही है।

ट्रेन में बुजुर्ग दंपति के बैग से 50 लाख के गहने चोरी, 4 सदस्यीय गैंग गिरफ्तार

कोझिकोड (एजेंसी)। चेन्नई-मेंगलुरु ट्रेन में यात्रा कर रहे एक बुजुर्ग दंपति के बैग से करीब 50 लाख रुपये के सोने और हीरे के गहने चोरी करने वाले चार आरोपियों को रेलवे पुलिस ने गिरफ्त में ले लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी हरियाणा के रहने वाले हैं और एक अंतरराज्यीय चोर गिरोह का हिस्सा हैं। चोरी को लेकर दंपति ने मीडिया को बताया कि यात्रा के दौरान दो हिंदी भाषी युवकों ने बैग ऊपर रखने में उनकी मदद की थी। कोयिलांडी स्टेशन पहुंचने पर उन्हें गहने गायब मिले। शिकायत के बाद पुलिस ने रिजर्वेशन चार्ट, सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल नंबरों की लोकेशन के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। सुराग मिलने पर पुलिस ने केरल-कर्नाटक बॉर्डर के पास चारों आरोपियों को पकड़ा और चोरी किए गए सभी गहने बरामद कर लिए। जांच में सामने आया कि यह गिरोह एसी कोच में टिकट बुक कर अमीर यात्रियों को निशाना बनाता था। पुलिस ने बरामद गहने दंपति को लौटाने की तैयारी कर ली है। आरोपियों को अदालत में पेश किया जाएगा।

18 तक महिलाएं कराएं ई-केवाईसी, तभी मिलेगा लड़की बहिन योजना का लाभ

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने महिला कल्याण की प्रमुख योजना मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना के लाभार्थियों से कहा है कि वे अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया 18 नवंबर तक पूरी कर लें। सरकार इस सत्यापन को जरूरी कर रही है ताकि असली और पात्र महिलाएं ही इस योजना का लाभ ले सकें। शुरुआती जांच में लाखों संदिग्ध रिकार्ड मिले थे कुछ में पुरुषों का नाम भी था इसलिए यह कदम उठाया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक योजना जून 2024 में शुरू की गई थी। इसके तहत हर एलिजिबल महिला को हर महीने 1500 रुपए सीधे उनके बैंक खाते में डाले जाते हैं। विभाग ने कहा कि भुगतान सिर्फ उन्हीं को जारी होगा जिन्होंने तय समय में ई-केवाईसी पूरा किया होगा। अक्टूबर तक करीब 90 फीसदी रजिस्टर्ड महिलाओं ने ई-केवाईसी पूरी कर ली थी, ऐसा बताया गया है। सरकार ने ई-केवाईसी अनिवार्य इसलिए किया है ताकि फर्जी या गलत रिकॉर्ड हटाए जा सकें और सरकारी राशि सही लाभार्थियों तक पहुंचे जिन महिलाएं अभी तक वेरिफिकेशन नहीं कराया है, उन्हें सरकार की तरफ से दी गई नई अंतिम तिथि का ध्यान रखना होगा, वरना उन्हें लाभ बंद होने का खतरा है।

आतंकी उमर ने घर में बना रखी थी बम बनाने की प्रयोगशाला

– पाकिस्तान के हैंडलर वीडियो भेजकर देते थे ट्रेनिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कार धमाके और आतंकी उमर को लेकर लगातार खुलासे हो रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि धमाका करने वाले आतंकी ने अपने किराए के मकान में ही बम बनाने की प्रयोगशाला तैयार की थी। वहीं पाकिस्तान के हैंडलर उसे ट्रेनिंग देते थे। सूत्रों का कहना है कि उसने कार में आईईडी रखी थी जो कि ठीक से असेंबल नहीं थी। यह आईईडी उसने अपने घर पर ही तैयार की थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उमर के मकान में छापेमारी के दौरान बम की फैक्ट्री पाई गई है जिसमें कई टेस्टिंग उपकरण भी मौजूद थे। फरीदाबाद से डॉ. मुजम्मिल की गिरफ्तारी के बाद उमर की लैब के बारे में पता चला था। एक रिपोर्ट में कहा गया था कि डॉ, मुजम्मिल और डॉ. अदील पाकिस्तान में बैठे जैश के हैंडलर फैसल, हाशिम और उकाशा के साथ सीधे संपर्क में थे। वे टेलिग्राम के जरिए बात करते थे।

एजेंसियों का मानना है कि डॉ. उमर बम बनाने में एक्सपर्ट था, इसीलिए उसने अपने ही घर पर लैब बना रखी थी। पाकिस्तान से उसे वीडियो भेजे जाते थे। हैंडलर्स के निर्देश के मुताबिक ही केमिकल का इस्तेमाल करता था। जांच में फरीदाबाद में दो जगहों से 358 किलोग्राम और 2563 किलो विस्फोटक बरामद हुआ था।

यह विस्फोटक सूटकेस और बैग में पैक था। इसमें कोई भी धातु का टुकड़ा नहीं था। आम तौर पर आतंकी बम में लोहे के छर्रों का इस्तेमाल करते हैं जिससे घायल होने वालों की तादाद बढ़ जाती है। एजेंसियों का कहना है कि शनिवार को नौगाम के थाने में हुआ विस्फोट भी फरीदाबाद मॉड्यूल से जुड़ा था। फरीदाबाद से बरामद किया गया विस्फोटक नौगाम थाने में जांच के लिए रखा था। डीजीपी ने बताया था कि सैंपलिंग के दौरान ही इसमें धमाका हुआ था।

उमर फरार होने में कैसे कामयाब हो गया? एजेंसी पनाह देने वालों से कर रही पूछताछ

फरीदाबाद (एजेंसी)। 10 नवंबर को दिल्ली के लाल किले के पास आतंकी घटना को अंजाम दिया गया था, जिसमें 13 लोगों की जान चली गई और कई लोग अस्पताल में जिंदगी और मौत से लड़ रहे थे। इस घटना के तार फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े मिले। कुछ घंटों पहले ही जम्मू कश्मीर पुलिस ने फरीदाबाद से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया था। पुलिस की जांच में सामने आया कि लाल किले के सामने कार धमाका करने वाला उमर, डॉक्टर मुजम्मिल का करीबी था, जिसे पुलिस ने पहले ही हिरासत में लिया था लेकिन सवाल यह है कि बाकी संदिग्धों के साथ उमर क्यों नहीं पकड़ा गया और वह फरार होने में कैसे कामयाब हो गया?

दरअसल 30 अक्टूबर को जम्मू कश्मीर पुलिस ने डॉक्टर मुजम्मिल को हिरासत में लिया था। उमर को तभी खतरे का आभास हो गया और वह यूनिवर्सिटी छोड़कर भाग गया। उमर और मुजम्मिल पिछले दो साल से देश में किसी बड़ी आतंकी घटना की साजिश रच रहे थे। अल-फलाह विश्वविद्यालय के ही एक इलेक्ट्रिशियन ने उसे हिदायत कॉलोनी में किराए पर घर दिलवाया था। पुलिस ने घर के मालिक को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की है।

उमर और मुजम्मिल अपने मॉड्यूल को चलाने के लिए हवाला के जरिए पैसे भी ट्रांसफर करते थे। पुलिस उस हवाला नेटवर्क की तलाश कर रही है। दो हवाला ऑपरेटर्स की जांच भी जारी है। इसी कड़ी में पुलिस ने फरीदाबाद, नूंह समेत कई जगहों पर छापेमारी की है। यूनिवर्सिटी पर जांच एजेंसियों की पैनी नजर है। परिसर में पुलिस तैनात है। यूनिवर्सिटी में जाने-आने वाले लोगों की कड़ी निगरानी की जा रही है।

लाल क़िला मेट्रो स्टेशन के सभी गेट फिर से खुले, सामान्य हुई आवाजाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने जानकारी दी है, कि सुरक्षा समीक्षा पूरी होने के बाद लाल क़िला मेट्रो स्टेशन के सभी गेट यात्रियों के लिए खोल दिए गए हैं। स्टेशन पर अब सामान्य संचालन बहाल हो गया है।

इससे पहले शनिवार को डीएमआरसी ने चरणबद्ध तरीके से गेट नंबर दो और तीन को खोला था, जबकि शेष गेट सुरक्षा एजेंसियों की अनुमति मिलने तक बंद थे। यात्रियों की बढ़ती आवाजाही और जांच पूरी होने के बाद अब सभी एंट्री और एग्जिट पॉइंट खोल दिए गए हैं, जिससे स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन में भी राहत मिली है। उल्लेखनीय है कि सोमवार, 10 नवंबर की शाम लाल क़िला मेट्रो स्टेशन के पास एक कार में विस्फोट हुआ था। केंद्र सरकार ने इस घटना को 'आतंकवादी हमला' करार दिया था। धमाके में कम से कम 12 लोगों की मौत हुई, जबकि कई अन्य घायल हुए थे। घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी और एहतियातन लाल क़िला मेट्रो स्टेशन को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। बीते दिनों एनआईए और दिल्ली पुलिस की टीमों ने घटनास्थल व आसपास के इलाके की गहन तलाशी ली। जांच में प्रगति होने और सुरक्षा स्थिति सामान्य होने के बाद स्टेशन को दोबारा खोलने का निर्णय लिया गया। मेट्रो अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि वे स्टेशन पर सुरक्षा जांच में सहयोग करें और किसी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत अधिकारियों को दें। इसके साथ ही डीएमआरसी ने आश्वासन दिया है कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी आवश्यक कदम लगातार उठाए जा रहे हैं।

बिहार में वोट कटवा पार्टी बनी जनसुराज, महागठबंधन को पहुंचाया नुकसान

–ओवैसी की पार्टी ने किया अच्छा प्रदर्शन, तो बसपा ने भी खोला खाता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटना, (ईएमएस)। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को प्रचंड जीत हासिल हुई है। सत्ताधारी गठबंधन को 202 सीटें मिलीं, जबकि महागठबंधन सिर्फ 35 सीटें ही हासिल कर सका। दोनों खेमों के लिए यह नतीजा चौंकाने वाला रहा। कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि यह रिजल्ट हम सबके लिए अविश्वसनीय है। न सिर्फ कांग्रेस, बल्कि बिहार की जनता और हमारे गठबंधन सहयोगी भी इस पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। किसी पार्टी का 90फीसदी स्ट्राइक रेट हो, ऐसा कभी नहीं हुआ। हम पूरे बिहार से डेटा इकट्ठा कर रहे हैं और गहन विश्लेषण करेंगे।

राजनीतिक रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी पहली बार मैदान में उतरी। भले ही पार्टी एक भी सीट नही जीत सकी, लेकिन 3.4 फीसदी वोट हासिल किए हैं। जन सुराज का खाता तो नहीं खुला, लेकिन दोनों गठबंधनों के लिए वोट कटवा साबित हुई। पीके की पार्टी ने जिन 238 सीटों पर चुनाव लड़ा, वहां एक सीट पर दूसरे स्थान पर रही। 129 पर तीसरे, 73 पर चौथे, 24 पर पांचवें और 12 पर छठे से नौवें स्थान के बीच रही। इस तरह पार्टी ने दोनों एनडीए और एमजीबी को नुकसान पहुंचाया। 33 विधानसभाओं में जन सुराज का वोट शेयर जीत के अंतर से ज्यादा था। इनमें से 18 पर एनडीए और 13 पर महागठबंधन जीता।

वहीं बहुजन समाज पार्टी ने 181 सीटों पर चुनाव लड़ा। एक सीट जीती और एक पर दूसरे स्थान पर रही। बरसों से इंडिया गठबंधन की पार्टियां बसपा पर बीजेपी की बी-टीम होने का आरोप लगाती रही हैं। यूपी विधानसभा और लोकसभा चुनावों के बाद ये आरोप और तेज हो गए। बिहार के नतीजों से संकेत मिलता है कि मायावती की बसपा ने महागठबंधन को एनडीए से ज्यादा नुकसान पहुंचाया। 20 सीटों पर बसपा ने जीत के अंतर से ज्यादा वोट हासिल किए। इनमें से 18 पर एनडीए और सिर्फ 2 पर एमजीबी जीती। मायावती की मौजूदगी ने 90 फीसदी मामलों में एनडीए के पक्ष में काम किया।

असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम ने बिहार में काफी अच्छा प्रदर्शन किया और 5 सीटें जीतीं। इसने 2020 के प्रदर्शन को बरकरार रखा। एआईएमआईएम एक सीट पर दूसरे स्थान पर भी रही। इसने 9 विधानसभाओं के नतीजों को प्रभावित किया, जहां इसके वोट जीत के अंतर से ज्यादा थे। इनमें से 67फीसदी सीटें एनडीए के पास गईं और 33फीसदी एमजीबी के पास। चुनावी नतीजों से संकेत मिलता है कि तीन-तरफा मुकाबला एनडीए के लिए काफी फायदेमंद साबित हुआ। आरजेडी को 23.4फीसदी वोट मिले लेकिन सिर्फ 25 सीटें हासिल हुईं। बीजेपी ने 20.4फीसदी और जेडीयू 19.6फीसदी वोट शेयर के साथ तीन गुना ज्यादा सीटें हासिल हुईं। इससे पता चलता है कि एनडीए ने अपने वोट बैंक को एकजुट किया जबकि विपक्ष का वोट बिखर गया।

सतर्क रहें: सुरक्षित डिजिटल ट्रांजैक्शन के स्मार्ट तरीकों के बारे में जानें

रांची (एजेंसी)। भारत की वित्तीय व्यवस्था लगातार विकसित हो रही है और पैसों के लेन-देन का तरीका बदल रहा है, क्योंकि लोग अब यूपीआई, कार्ड पेमेंट, ई-कॉमर्स और रिटेल आउटलेट जैसी सुविधाओं का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे एक बड़ा बदलाव आया है। बात चाहे गहनों के खरीद की हो, लाइफस्टाइल से जुड़ी जरूरी चीजों को अपग्रेड करने और बेहतर अनुभव वाले ट्रैवल बुकिंग की हो, या फिर इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स ढूंढने की बात हो, ग्राहक रिटेल और ई-कॉमर्स दोनों जगहों पर हमेशा सबसे अच्छे डील की तलाश में रहते हैं। आजकल उपभोक्ताओं द्वारा डिजिटल तरीकों के उपयोग को सबसे ज्यादा पसंद किए जाने, और पैसों के तुरंत लेन-देन में आसानी की वजह से खर्च करने का तरीका बदल रहा है। मूल्य के लिहाज से देखा जाए, तो ई-कॉमर्स सबसे बड़ा माध्यम बना हुआ है, क्योंकि सितंबर 2025 में क्रेडिट कार्ड से होने वाले कुल खर्च में इसकी हिस्सेदारी 66.4% थी। स्रोतः ET BFSI.). यूपीआई, क्रेडिट कार्ड और डिजिटल वॉलेट जैसे डिजिटल भुगतान के तरीकों के बढ़ते उपयोग को देखते हुए, ग्राहकों के लिए जरूरी है कि वे पैसों के ऑनलाइन लेन-देन के समय सावधान रहें, ताकि उन्हें डील्स और ऑफर नर्स का भरपूर फायदा मिले, साथ ही वे सुरक्षित व सुविधाजनक तरीके से भुगतान का अनुभव ले सकें। भारत में क्रेडिट कार्ड जारी करने वाली सबसे बड़ी कंपनी, एसबीआई कार्ड ने अंतर्राष्ट्रीय धोखाधड़ी जागरूकता सप्ताह के अवसर पर ग्राहकों से यही अनुरोध किया है कि, वे पैसों से जुड़े सभी तरह के लेन-देन के दौरान सतर्क रहें, तथा पूरे आत्मविश्वास के साथ और सुरक्षित तरीके से खरीददारी के लिए सुरक्षा संबंधी कुछ सुझावों का पालन करें।

केवल भरोसेमंद प्लेटफॉर्म पर ही खरीदारी करें: हमेशा ब्रांड की आधिकारिक वेबसाइटों या जाने-माने मार्केटप्लेस से ही खरीदारी करें। सोशल मीडिया या मैसेजिंग ऐप्स के जरिए शेयर की जाने वाली फर्जी वेबसाइटों के लिंक या अटैचमेंट पर क्लिक करने से बचें, क्योंकि ये डिजिटल धोखाधड़ी का बेहद सामान्य तरीका है। स्क्रीन शेयरिंग के जरिए होने वाली धोखाधड़ी से बचें: लोगों को अपने लैपटॉप, डेस्कटॉप और मोबाइल फोन जैसे डिवाइस की स्क्रीन किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ शेयर करने से बचना चाहिए। अपने डिवाइस पर किसी भी थर्ड-पार्टी एप्लिकेशन और एपीके फाइलों को डाउनलोड करने से बचें, जो आपकी निजी और वित्तीय जानकारी तक पहुँच सकते हैं, जिससे धोखाधड़ी होने की संभावना बनी रहती है। डील/ऑफ़र की जाँच करें: यकीन नहीं आने वाले डिस्काउंट, पैसे वापस पाने के नोटिफिकेशन और धोखाधड़ी वाले डील्स से दूर ही रहें, खासकर ज्यादा कीमत वाले सामानों पर ऐसे डील्स से सावधान रहें। भुगतान करने से पहले सीधे ब्रांड से ऐसे ऑफर्स की सच्चाई जानें।

एण्डटीवी के सितारों का विंटर बैग

मुंबई (एजेंसी)। सर्दियों के मौसम में, एण्डटीवी के कलाकार अपने अंदाज में इस सीजन का स्वागत करते हैं। वे गर्म कपड़ों के साथ लंबे शूटिंग दिनों में आराम महसूस करने के लिए अपने बैग में जरूरी सामान रखते हैं और गरमा गरम ड्रिंक्स के साथ कैमरे पर हमेशा परफेक्ट दिखने का ख्याल रखते हैं। एण्डटीवी की कलाकारों ने बताया कि स्किनकेयर के जरूरी प्रोडक्ट्स, सर्दियों के सहायक एक्सेसरीज और ध्यान से अपनाए गए छोटे-छोटे हेल्दी रूटीन तक कैसे उन्हें लंबे शूटिंग शेड्यूल के दौरान सर्दियों के लिए तैयार रखती हैं। इन कलाकारों में शामिल हैं- सीरत कपूर (घरवाली पेड़वाली की सावी), गीतांजलि मिश्रा (हप्पू की उलटन पलटन की राजेश) और शुभांगी अत्रे (भाबीजी घर पर हैं की अंगूरी भाबी)। आगामी शो घरवाली पेड़वाली में सावी का किरदार निभा रहीं सीरत कपूर ने कहा, सर्दियों में मेरा बैग मेरे लिए एक छोटा कम्फर्ट जोन बन जाता है, जो पूरे दिन मुझे सुरक्षित और आरामदायक रखता है। मैं हमेशा इसमें हाइड्रेटिंग मॉइस्चराइजर, टिंटेड लिप बाम और रिफ्रेशिंग फेशियल मिस्ट रखती हूँ, क्योंकि शूटिंग के दौरान मेरी त्वचा बहुत जल्दी सूख जाती है। इसके अलावा, एक मुलायम स्कार्फ भी हमेशा साथ रहता है, जिसे मैं ऑफ- कैमरा रहते हुए अपने चारों ओर लपेट लेती हूँ ताकि तुरंत गर्माहट मिल सके। और हर्बल टी बैग्स मेरे लिए बेहद जरूरी हैं। जब भी मुझे ऊर्जा कम लगती है या बहुत ठंड लगती है, मैं गर्म चाय तैयार करती हूँ, जो अंदर से ताजगी और ऊर्जा देती है। हप्पू की उलटन पलटन की राजेश यानी गीतांजलि मिश्रा ने बताया, मेरा सर्दियों का बैग बहुत ही प्रैक्टिकल है। सबसे पहले मैं हमेशा इसमें रिच हैंड क्रीम रखती हूँ, क्योंकि लगातार मेकअप और बार-बार हाथ धोने से मेरी त्वचा सर्दियों में बहुत सूखी हो जाती है। इसके अलावा, एक मुलायम मफलर, टिश्यूज और छोटे स्नैक्स जैसे बादाम या अखरोट भी रखती हूँ, जो सेट पर मुझे गर्म और एनर्जेटिक बनाए रखते हैं। शूटिंग के दौरान आरामदायक रहना मेरे लिए बेहद जरूरी है, इसलिए मैं हमेशा ऐसे सामान रखती हूँ जो सच में मदद करें। बहुत ठंड वाले दिन मैं अपने बैग में एक मिनी हॉट वाटर बॉटल भी रखती हूँ, जो चमत्कार कर देती है। भाबीजी घर पर हैंकी अंगूरी भाबी यानी शुभांगी अत्रे ने बताया, मेरा सर्दियों का बैग उन जरूरी चीजों से भरा होता है जो मुझे गर्म, फ्रेश और शूट के लिए तैयार रखते हैं।

आग बुझाते वक्त पानी में बहे सबूत ! दिल्ली धमाके वाली जगह पर मिले प्रतिबंधित कारतूस

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में हुए दिल्ली धमाके की जांच काफी तेजी से चल रही है। अब तक करीब 3 तीन दर्जन आरोपियों को इस मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है। इस मामले में एनएसजी ने अपनी सीलबंद रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्रालय समेत संबंधित जांच एजेंसी को सौंप दी है। सूत्रों का कहना है कि बम में किस-किस विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया और इसके कुछ और इंटरनल पहलुओं की जांच के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई है। जिस पर एजेंसियों ने काम करना शुरू कर दिया है। हालांकि, सूत्रों ने यह भी बताया है कि धमाके के बाद फायर ब्रिगेड ने आग बुझाने के लिए इतना पानी इस्तेमाल किया कि उसमें धमाके के काफी अहम सबूत बह गए। जिससे सैंपल जुटाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी।

इधर, मामले की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) दिल्ली से लेकर फरीदाबाद और श्रीनगर समेत कई अन्य शहरों में संदिग्धों के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। अभी तक 50 डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ समेत 150 लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा पकड़े गए आठों आरोपियों और बम धमाके में मारे गए डॉक्टर उमर के मोबाइल फोन और लोकेशन के आधार पर इन क्लू की सीक्रेंस मिलाई जा रही है। एनआईए की एक टीम अब आधिकारिक रूप से जम्मू-कश्मीर स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के साथ गिरफ्तार आठों आरोपियों से पूछताछ में शामिल हो गई है। कुछ कारों में बम प्लांट करने और अन्य जगह पर भी विस्फोटक छिपाए जाने का शक है। फरीदाबाद और जम्मू-कश्मीर ही नहीं बल्कि दिल्ली, लखनऊ और अन्य शहरों के भी कुछ डॉक्टरों के डेटा खंगाले जा रहे हैं। एनआईए ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में लुधियाना निवासी जनीसुर आलम को गिरफ्तार किया था। जिसके दिल्ली विस्फोट लिंक से संबंध तलाशे जा रहे है।

धमाके वाली जगह पर मिले प्रतिबंधित कारतूस

बारीकी से हो रही जांच में पता चला है कि धमाके वाली जगह पर प्रतिबंधित कारतूस मिले हैं। दिल्ली पुलिस के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, धमाके की जांच के दौरान घटनास्थल पर गहन तलाशी ली गई। इसी तलाशी अभियान के दौरान ये तीन कारतूस बरामद हुए। इन कारतूसों को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि ये किसी सामान्य नागरिक के पास नहीं हो सकते। इनकी मौजूदगी सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय है और यह सवाल खड़ा करती है कि ये प्रतिबंधित हथियार और कारतूस धमाके वाले स्थान तक कैसे पहुंचे। पुलिस अब इन कारतूसों के स्रोत का पता लगाने के लिए सक्रिय रूप से जांच कर रही है। आशंका है कि इनका संबंध किसी बड़ी साजिश का हिस्सा हो सकता है? कारतूसों की फॉरेंसिक जांच की जा रही है ताकि इनसे जुड़ी कोई भी महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई जा सके।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**